खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 28 दिसंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-6 | अंक-358

दलित हो सकता है भाजपा का नया अध्यक्ष?

एक तीर से साधे जा सकते हैं कई निशाने

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने चल रहे आंतरिक संगठन चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर अध्यक्ष के लिए चुनाव होगा। माना जा रहा है कि अगले साल फरवरी के अंत तक एक नए पार्टी अध्यक्ष की नियुक्ति हो सकती है। फिलहाल बूथ, जिला और मंडल अध्यक्षों का चुनाव राज्य इकाइयों द्वारा किया जा रहा है। इसके बाद केंद्रीय नेतृत्व द्वारा नये प्रदेश अध्यक्षों का चयन किये जाने की उम्मीद है। 15 जनवरी तक कम से कम आधे राज्यों में नए प्रमुख मिलने की संभावना है। इसके बाद, भाजपा जगत प्रकाश नड्डा की जगह नया अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया शुरू करेगी।

नए अध्यक्ष को लेकर अटकलों का दौर जारी है। बताया जा रहा है कि जो नया अध्यक्ष बनेगा उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छाप और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का समर्थन होगा। हालाँकि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की बढ़ती भागीदारी के साथ, जैसा कि हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में देखा गया था, आरए-सएस का समर्थन और एक मजबूत संगठनात्मक पृष्ठभूमि भी आवश्यक है। सूत्रों ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि चयन को लेकर मोदी-शाह और आरएसएस के बीच तालमेल बनाए रखने के अलावा, बीजेपी नेतृत्व नए बीजेपी प्रमुख को चुनते समय जाति कारक पर भी विचार करेगा।

सूत्रों के अनुसार, यह देखते हुए कि नड्डा एक ब्राह्मण हैं और मोदी अन्य पिछड़ा समुदाय (ओबीसी) से हैं, और बी आर अंबेडकर की वर्तमान प्रमुखता को देखते हुए, भाजपा एक दलित प्रतिनिधि को चुन सकती है। एक दलित मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में, कांग्रेस तर्क तैयार कर रही है कि भाजपा दलितों के खिलाफ है। ऐसे में भाजपा का ये कदम उसके लिए प्रभावी साबित हो सकता है। अंबेडकर पर शाह की टिप्पणी को लेकर संसद में हुए विवाद के बाद बीजेपी के लिए विपक्ष को शांत करने के लिए एक दलित नेता की नियुक्ति सबसे कारगर तरीका हो सकता है।

नेताओं ने स्वीकार किया है कि चयन पूल उन दलित नेताओं के संदर्भ में प्रतिबंधित है जिनके पास एक मजबूत संगठनात्मक आधार और आरएसएस का समर्थन है। इस संदर्भ में प्रमुख उम्मीदवार केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, पार्टी महासचिव दुष्यंत गौतम और उत्तर प्रदेश की मंत्री बेबी रानी मौर्य हो सकते हैं। उम्र भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नई पीढ़ी के नेताओं को बढ़ावा न देने के लिए भाजपा के वर्तमान नेतृत्व की आलोचना की गई है, और एक युवा पार्टी प्रमुख की नियुक्ति एक सुधारात्मक उपाय के रूप में काम कर सकती है। अब तक, इस पद के लिए संभावित उम्मीदवारों के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं, जिनमें केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, शिवराज सिंह चौहान, भूपेन्द्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान और वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े शामिल हैं।

डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार आज

कांग्रेस ने स्मारक के लिए मांगी जगह

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह नहीं रहे। गुरुवार को दिल्ली एम्स में 92 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। उनके निधन से पूरे देश में शोक की लहर है। पीएम मोदी समेत भारत और दुनियाभर की दिग्गज हस्तियों नेताओं ने मनमोहन सिंह के निधन पर शोक संदेश भेजा है। वहीं, अब कांग्रेस पार्टी ने मरणोपरांत डॉक्टर मनमोहन सिंह के लिए बड़ी मांग की है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के समाधिस्थल के लिए जगह की मांग की है।

जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने डॉ. मनमोहन सिंह के लिए स्मारक बनाने की मांग की है। कांग्रेस पार्टी चाहती है कि डॉक्टर मनमोहन सिंह की समाधि के लिए जगह आवंटित की जाएं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात कर के यह मांग उनके सामने रखी है।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा शनिवार को सुबह 9.30 बजे शुरू होगी। उनके पार्थिव शरीर को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय से श्मशान घाट तक ले जाया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को 11 बजकर 45 मिनट पर दिल्ली के निगम बोध घाट पर होगा।

शुक्रवार को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर प्रस्ताव पारित किया है। बैठक में आम धारणा से यह बात रखी गई कि पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह 10 साल तक भारत के प्रधानमंत्री रहे और उनका उचित तरीके से अंतिम संस्कार किया जाना चाहिए। इसके साथ ही और डॉ. मनमोहन सिंह के नाम पर एक उचित स्मारक बनाया जाना चाहिए। कांग्रेस ने कहा है कि डॉ. मनमोहन सिंह का नेतृत्व और अर्थशास्त्र में उनका योगदान हमेशा जीवित रहेगा, और हम सभी को प्रेरित करेगा ताकि हम अपने महान देश की प्रगति और समृद्धि में योगदान दे सकें।

इससे पहले शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी समेत कई प्रमुख नेताओं ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को उनके आवास पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

तिरंगे में लिपटे पूर्व प्रधानमंत्री के पार्थिव शरीर को उनके आवास पर फूलों से सजे ताबूत में रखा गया, जहां दलगत भावना से ऊपर उठकर नेताओं ने दिवंगत नेता को अंतिम श्रद्धांजलि दी।

▶10पर

मनमोहन सिंह के निधन पर चीन, रूस और अमेरिका समेत कई देशों ने जताया शोक, द्विपक्षीय संबंधों के लिए किया याद

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर रूस, चीन, फ्रांस और अमेरिका समेत कई देशों के राजदूतों ने गहरा शोक जाहिर किया है। विश्व नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शुक्रवार को शोक जताया और उन्हें एक 'उत्कृष्ट नेता' बताया। राजदूतों ने भारत की प्रगति के प्रति मनमोहन सिंह की प्रतिबद्धता की सराहना की। भारत में फ्रांसीसी दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि डॉ.मनमोहन सिंह के नेतृत्व ने 'भारत की वैश्विक स्थिति को मजबूत किया और फ्रांस के साथ संबंधों को मजबूत किया। बता दें कि भारत में आर्थिक सुधारों के सूत्रधार सिंह का बृहस्पतिवार रात को यहां निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। अर्थशास्त्र में विशेषज्ञता के लिए विश्व स्तर पर सम्मानित सिंह के निधन पर कई देशों के राजदूतों ने दुख जताया। भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह भारत और रूस के लिए बहुत दुख और शोक का क्षण है। ▶10पर

सीए फाइनल परिणाम घोषित

हैदराबाद के हेरंब और तिरुपति के ऋषभ ने फर्स्ट रैंक हासिल किया

हेरंब माहेश्वरी

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) फाइनल परीक्षा के रिजल्ट गुरुवार देर रात घोषित किए गए, जिसमें दो उम्मीदवारों ने ऑल इंडिया में टॉप किया है और दो अभ्यर्थियों ने दूसरा और तीसरा रैंक हासिल किया है।

आईसीएआई ने बताया कि हैदराबाद के हेरंब माहेश्वरी और तिरुपति के ऋषभ ओस्तवाल आर. ने 508 (84.67 प्रतिशत) अंकों के साथ संयुक्त रूप से ऑल इंडिया फर्स्ट रैंक हासिल किया है। जबकि अहमदाबाद की रिया कुंजनकुमार शाह परीक्षा की दूसरी टॉपर बनी हैं। उन्होंने 501 या 83.50 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। वहीं, कोलकाता की ▶10पर

'जय श्रीराम' का नारा लगाया तो पुलिस ने दर्ज किया केस

शिलॉन्ग (मेघालय), 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

नॉर्थईस्ट के महत्वपूर्ण राज्य मेघालय में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। घटना के सामने आने पर मुख्यमंत्री कोनराड ए. संगमा ने इसकी निंदा की और कानून के अनुसार कार्रवाई करने की बात कही है। वहीं, बीजेपी ने इसे मूर्खतापूर्ण करार दिया है। हिन्दू संगठन ने भी इसकी निंद की है। दरअसल, एक शख्स गलत तरीके से चर्च के अंदर दाखिल हुआ और फिर 'जय श्रीराम' का नारा लगाने लगा। इस वाकये का वीडियो वायरल होने के बाद मेघालय पुलिस ने मामला दर्ज किया है। आरोपी शख्स की तलाश की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, चर्च के अंदर जय श्रीराम का नारा लगाने की घटना मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स की है। मेघालय पुलिस ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आर-ोपी व्यक्ति गुरुवार को मावलिननॉन्ग गांव के एक चर्च में घुस गया और जय श्रीराम का नारा लगाते हुए इसका वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने इसकी निंदा की है और कहा कि इस मामले में प्रशासनिक कानूनी प्रक्रियाएं जारी हैं। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति ने शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की है।

मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने कहा, 'यह जानबूझकर किया गया प्रतीत होता है। हम राज्य सरकार के तौर पर किसी को भी सामाजिक, धार्मिक और सांप्रदायिक विद्वेष पैदा करने से रोकने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कानूनी कार्रवाई जारी है। ईस्ट खासी हिल्स के एसपी सिल्वेस्टर नॉन्गटिंगर ने बताया कि इस संबंध में शिकायत दर्ज होने के बाद हमने इंस्टाग्राम पर आकाश सागर नामक व्यक्ति के खिलाफ पिनुरसला थाने में मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि जांच जारी है और दोषी को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता एंजेला रंगद ने गुरुवार को ही पुलिस में शिकायत दर्ज कराकर व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने इसपर तत्काल एक्शन लिया है। उन्होंने कहा, 'आकाश सागर ने जानबूझकर और पूर्व नियोजित तरीके से अतिक्रमण किया और गैर-ईसाई नारे लगाए। यह जानबूझकर सांप्रदायिक विद्वेष पैदा करने, धार्मिक स्वतंत्रता के सभी संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करते हुए अल्पसंख्यक संस्कृति का अपमान करने के इरादे से किया गया।' राज्य के एक प्रभावशाली हिंदू संगठन सेंट्रल पूजा कमेटी (सीपीसी) ने भी इसकी निंदा की है। सीपीसी अध्यक्ष नबा भट्टाचार्य ने कहा, 'हमें सोशल मीडिया पर सर्कुलेट एक वीडियो को देखकर दुख हुआ। यह घटना इस शांतिप्रिय राज्य में सभी की धार्मिक भावनाओं को आहत करती है। हम आर-ोपी व्यक्ति के कृत्य की निंदा करते हैं और पुलिस से आरोपी के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं।' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मेघालय यूनिट के मुख्य प्रवक्ता एम. खारकरांग ने कहा, 'ऐसी मूर्खतापूर्ण हरकतों के खिलाफ उचित उपाय किए जाने चाहिए और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए, ▶10पर

बठिंडा में पुल से नाले में गिरी बस, आठ की मौत

बठिंडा, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

पंजाब के बठिंडा जिले में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब एक यात्री बस अनियंत्रित होकर पुल से नाले में गिर गई। इस हादसे में अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। राहत और बचाव कार्य अभी भी जारी है।

बठिंडा के जीवन सिंह वाला के पास बड़ा हादसा हो गया है।

यात्रियों से भरी एक बस पुल से सीधे नीचे गंदे नाले में गिर गई है। प्रशासन और स्थानीय लोगों द्वारा बस का शीशा तोड़कर यात्रियों को बाहर निकाला जा रहा है। जानकारी के मुताबिक इस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई है। इस बस में करीब 50 यात्री सवार थे।

▶10पर

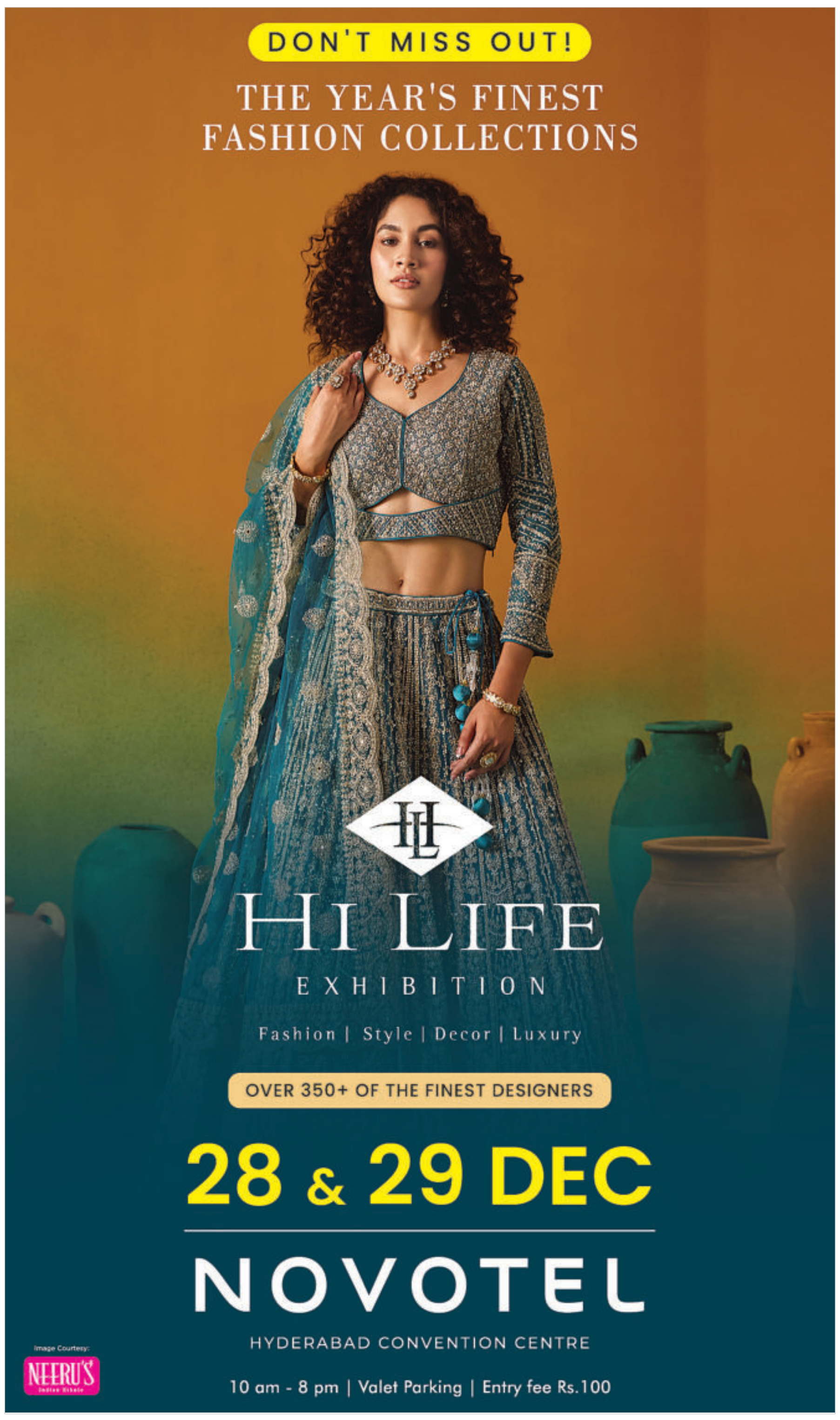

किसान नेता दल्लेवाल के स्वास्थ्य मामले में सुप्रीम कोर्ट ने लगाई पंजाब सरकार को फटकार

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने कृषि उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी समेत अन्य मांगों को लेकर पंजाब-हरियाणा खनौरी सीमा पर 26 नवंबर से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे किसान नेता 70 वर्षीय किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल की चिकित्सा से संबंधी मामले से निपटने में पंजाब सरकार के रवैये पर शुक्रवार को नाराजगी व्यक्त की और कहा कि इसे गंभीरतापूर्वक लिया जाए। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने सुनवाई के दौरान पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह से कहा, कृपया इसे बहुत गंभीरता से लें, किसी की जान दांव पर लगी है। शायद आप इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। अन्यथा, आप अब तक उन्हें चिकित्सा सहायता दे चुके होते। पीठ ने पंजाब सरकार से श्री दल्लेवाल को चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए यह भी कहा कि अगर कुछ लोग कानून और व्यवस्था की समस्या पैदा करते हैं, तो उनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए।

▶10पर

शर्ट उतारकर तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष ने खुद को मारे कोड़े, पूरे राज्य में आक्रोश

चेन्नई, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने शुक्रवार को अपने घर के बाहर अपने आपको 6 कोड़े मारे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इससे पहले अन्नामलाई ने गुरुवार को कहा कि जब तक द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार हट नहीं जाती तब तक वह सैंडल नहीं पहनेंगे और नंगे पैर चलेंगे।साथ ही उन्होंने कहा था कि 27 दिसंबर को सुबह 10 बजे अपने घर के बाहर खुद को छह बार कोड़े मारेंगे ताकि लोगों का ध्यान अन्ना विश्वविद्यालय की छात्रा के यौन उत्पीड़न की घटना की ओर जाए।

कोड़े मारने के बाद अन्नामलाई ने कहा, तमिल संस्कृति को समझने वाला कोई भी व्यक्ति हमेशा जानता होगा कि ये सभी भूमि का हिस्सा हैं। खुद को कोड़े मारना, खुद को दंडित करना और खुद को कठिन परिस्थितियों में डालना, ये सब इस संस्कृति का हिस्सा हैं। यह किसी व्यक्ति या चीज़ के खिलाफ़ नहीं है, बल्कि राज्य में हो रहे निरंतर अन्याय के खिलाफ़ है। अन्ना विश्वविद्यालय में जो हुआ, वह सिर्फ़ एक महत्वपूर्ण मोड़ है। ▶10पर

चीन का ब्रह्मपुत्र नदी पर सबसे बड़ा बांध बनाने का ऐलान नदी के किनारे एक जलविद्युत परियोजना को दी मंजूरी

बीजिंग, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

चीन ने भारतीय सीमा के करीब तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर 137 अरब डॉलर की लागत से दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण को मंजूरी दे दी है, जिससे तटवर्ती देशों- भारत और बांग्लादेश में चिंताएं बढ़ गई हैं।

दरअसल, चीन की सरकार ने ऐलान किया है कि वह तिब्बत की सबसे लंबी नदी यारलुंग त्सांगपो (भारत का ब्रम्हपुत्र नद) पर महाशक्तिशाली बांध बनाने जा रही है। इस बांध से चीन के धरती की स्पीड को प्रभावित करने वाले थ्री जॉर्ज बांध से 3 गुना ज्यादा बिजली पैदा होगी। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने यह जानकारी दी है।

एजेंसी के अनुसार, चीन की सरकार इसे हिमालय के करीब एक विशाल घाटी में बनाने की योजना पर काम कर रही है। इसी स्थान से ब्रह्मपुत्र नदी अरुणाचल प्रदेश और फिर बांग्लादेश की तरफ मुड़ जाती है।

चीनी मीडिया का कहना है कि यह बीजिंग के लिए इंजीनियरिंग की बड़ी चुनौती बनने जा रहा है। सरकार इस बांध को बनाने के लिए 137 अरब डॉलर खर्च करने जा रही है।

बांध निर्माण की घोषणा के बाद कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि यह चीनी बांध धरती पर चल रहे सिंगल इन्फ्रास्ट्रक्चर के किसी भी प्राजेक्ट को बहुत पीछे कर देगा जबकि कुछ विशेषज्ञ इस निर्णय को सोची समझी प्रक्रिया बता रहे हैं। उनका कहना है कि चीन इस दैत्याकार बांध का इस्तेमाल हथियार की तरह उपयोग कर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में कभी भी बाढ़ ला सकता है।

न्यूज ब्रीफ

यमन एयरपोर्ट पर हुए धमाके, बाल बाल बचे डब्ल्यूएचओ प्रमुख

सना। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख और संयुक्त राष्ट्र के अन्य कर्मचारी गुरुवार को यमन के सना स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंस गए थे। इस दौरान इजरायल एयरस्ट्राइक कर रहा था। एक सोशल मीडिया पोस्ट में डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने खुद इसका खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि वह और उनके कर्मचारी विमान में सवार होने ही वाले थे कि तभी हवाई अड्डे पर हवाई बमबारी होने लगी। उन्होंने लिखा, हमारे विमान के चालक दल के एक सदस्य घायल हो गए। हवाई अड्डे पर दो लोग मारे गए। हमलों में पावर स्टेशनों और बंदरगाहों को भी निशाना बनाया गया। कम से कम तीन लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हो गए। इजरायल द्वारा हमले की जिम्मेदारी लेने के बाद हूती विद्रोही समूह ने इन हमलों को क्रूर करार दिया। हलांकि इस घटना में मारे गए लोग नागरिक थे या हूती विद्रोही, इसका अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमलों के बाद कहा,हम ईरानी आतंकवादी धारा को तब तक खत्म करते रहेंगे जब तक हम काम पूरा नहीं कर लेते। वहीं, हूती के प्रमुख मोहम्मद अली अल-हूती ने इन हमलों को क्रूर और आक्रामक बताया और कहा कि अमेरिकी और इजरायली अहंकार के साथ संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक गाजा संघर्ष समाप्त नहीं हो जाता। साना हवाई अड्डे पर हमले में घायल हुए कई लोगों ने अल-मसीरा चैनल को बताया कि रनवे पर तीन बार हमले किए गए। उसके बाद हवाई अड्डे के नियंत्रण टॉवर को भी निशाना बनाया गया। एक व्यक्ति ने कहा कि अस्पताल में 10 मरीजों का इलाज किया गया, जिनमें से एक की मौत हो गई। एक गंभीर स्थिति में था और बाकी को मामूली चोटें या हड्डी टूटने की समस्या थी।

दावाः रूस ने गलती से अजरबैजान के प्लेन पर हमला किया

मॉस्को। कजाकिस्तान के अक्ताऊ में 25 दिसंबर को करीब 12:30 बजे अजरबैजान का एक प्लेन एम्ब्रेयर 190 क्रैश हो गया था। इस हादसे में 38 लोगों की मौत हुई थी। रूस ने कजाकिस्तान में हुए प्लेन क्रैश को लेकर किसी तरह की अटकलें लगाने की निंदा की है। दरअसल प्लेन क्रैश को लेकर आशंका जताई जा रही है कि रूस इसमें शामिल था। विमान क्रैश होने के बाद शुरुआती जांच में यह बताया गया था कि प्लेन पक्षियों के झुंड के टकराने से क्रैश हुआ था। हालांकि बाद में बताया गया कि हादसा ऑक्सीजन टैंक में हुए ब्लास्ट की वजह से हुआ। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसे भी दावे किए गए हैं कि रूस की तरफ विमान पर हमला हुआ जिसकी वजह से वह क्रैश हो गया। फिलहाल कजाकिस्तान के अधिकारियों ने फ्लाइट का डेटा रिकॉर्डर बरामद कर लिया है और वे क्रैश होने की वजह तलाश रहे हैं। इस बीच क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने गुरुवार को कहा कि जब तक प्लेन क्रैश होने की पूरी जांच नहीं हो जाती, तब तक अटकलबाजी से दूर रहना चाहिए।

ट्रेनिंग की कमी, ड्रोन हमले से बचना नहीं जानते उत्तर कोरियाई सैनिक

कीव, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

यूक्रेन और दक्षिण कोरिया ने कुर्स्क क्षेत्र में रूस के लिए लड़ रहे उत्तर कोरियाई सैनिकों को मिली असफलताओं का डेटा जारी किया है। साउथ कोरिया ने दावा किया है कि यूक्रेनी सेना ने करीब एक हजार उत्तर कोरियाई सैनिकों को मार गिराया है या गंभीर रूप से घायल कर दिया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का दावा है कि उनकी सेना ने आज तक करीब 3 हजार उत्तर कोरियाई सैनिकों को मार डाला है या घायल कर दिया है।

दक्षिण कोरिया की जासूसी एजेंसी ने दावा किया है कि दिसंबर के दौरान कुर्स्क में अग्रिम मोर्चे पर तैनात होने के बाद से करीब 100 उत्तर कोरियाई सैनिकों की मौत हो गई है। हताहतों की तादाद में भारी बढ़ोतरी हुई है, जो तीन हजार तक बताई जा रही है। दुनिया की सबसे बड़ी स्टैंडिंग सेनाओं में से एक होने के बावजूद, उत्तर कोरियाई सैनिकों के पास युद्ध के मैदान की विशेषज्ञता की कमी है क्योंकि तानाशाही शासन ने कई साल से कोई युद्ध नहीं लड़ा है।

युद्ध अभ्यास सैनिकों को रियल एक्शन के लिए नहीं तैयार

साउथ कोरिया का दावा- यूक्रेन ने एक हजार उत्तर कोरियाई सैनिकों को मार गिराया

कर सकता है। रूस तैनाती से पहले अपने प्योंगयांग सेना को सही ट्रेनिंग देने में कामयाब नहीं रहा। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसके बाद भाषा की बाधा आती है, जो रूस और कोरिया के लोगों के बीच प्रभावी संचार को प्रभावित करती है। हालांकि, उत्तर कोरियाई लोग मोटिवेटेड हैं, लेकिन उन्हें आधुनिक युद्ध के बारे में कुछ भी नहीं पता। इस युद्ध में ज्यादातर मौतें यूक्रेनी ड्रोन की वजह से हुई हैं। कुर्स्क के जंगलों में मिसाइलों और ट्रेनिंग हादसों में भी लोगों की जान गई है, जिनमें एक जनरल की मौत भी शामिल है।

इससे पहले रिपोर्ट्स में से पता चला था कि उत्तर कोरियाई यूनिट्स ने यूक्रेनी गुरिल्ला लड़ाकों का सामना किया जो एक पुरानी युद्ध रणनीति थी। जब वे भागकर छिप गए तो उन्हें आसानी से पकड़ने के लिए ड्रोन तैनात किए गए। एशियाई सैनिकों को इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि ड्रोन्स से कैसे बचा जाए। रूस की सेना ने इन कमियों को समझ लिया है और सहयोग के बजाय पहले दौर के हमलों का नेतृत्व करने के लिए उनका इस्तेमाल किया।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया था कि ब्रीफ कॉम्बैट ट्रेनिंग के अलावा, उत्तर कोरियाई सैनिकों को फ्रंटलाइन कम्युनिकेशन के लिए बुनियादी रूसी शब्दावली भी सिखाई गई थी। उन्हें आगे भेजने से पहले आक्रमण, पीछे हटना, चलना, फैल जाना और इसी तरह के शब्द सिखाए गए थे। अनुमान है कि किम जोंग-उन ने कुर्स्क में पुतिन के युद्ध प्रयासों में मदद करने के लिए अपने करीब 12,000 सैनिकों को भेजा था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी एजेंसियों का मानना है कि वे आर्टिलरी राउंड्स, एंटी टैंक रॉकेट, हॉवित्जर और रॉकेट लॉन्चर के 10 हजार से ज्यादा कंटेनर लेकर पहुंचे हैं। पेंटागन ने कहा कि किम अपने स्टॉर्म कॉर्प्स से और ज्यादा लोगों को रूस भेजने या तैनात करने में संकोच नहीं करेंगे। हालांकि, पहली टुकड़ी ने अभी तक युद्ध के मैदानों पर कोई बड़ा असर नहीं डाला है।

गाजा में हालात खराब, कचरे के ढेर से खाना बीनकर खाने को मजबूर बच्चे

गाजा, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

करीब 15 माह से जारी इजराइल-हमास युद्ध की वजह से गाजा के 23 लाख लोग दर-दर भटकने को मजबूर हैं। सबसे ज्यादा खराब हालात उत्तर गाजा की है। हालात इतने खराब है कि यूएन की तरफ से भेजी जा रही राहत सामग्री को रास्ते में ही लूटा जा रहा है। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि उत्तर गाजा में पिछले ढाई माह में राहत सामग्री के सिर्फ 12 ट्रक ही पहुंचे है, जबकि 100 से ज्यादा ट्रकों को रास्ते में ही लूट लिया गया। हालात इतने खराब हैं कि लोगों के भूखे मरने की नौबत आ गई है। औरतें और बच्चे कचरे के ढेर से खाना बीनकर खाने को मजबूर हो चुके हैं। आरोप है कि 6 अक्टूबर से इजराइल जानबूझकर जबालिया, बेत लाहिया और बेत हनून की सैन्य घेराबंदी बढ़ा रहा है। ऐसा करके इजराइल उत्तरी गाजा में राहत सामग्री पहुंचाने से रोक रहा है। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि 15 लोगों के परिवार में खाने के लिए सिर्फ एक पैकेट बिस्किट है। एक तिरपाल की कीमत 15 हजार रुपए है। एक तंबू बनाने के लिए 5 तिरपाल (76 हजार रुपए) चाहिए।

यूएन से भेजी गई राहत सामग्री को रास्ते में ही लूटा जा रहा

बिजली की कोई संभावना नहीं है।

रिपोर्ट में यूएन के एक कर्मचारी के हवाले से बताया कि एक पूरा परिवार एक अंडे के लिए डेर अल-बला इलाके में खोज कर रहा था, ताकि टूटी हड्डी वाले एक रिश्तेदार की कैल्शियम की जरूरत पूरी हो सके। अंडे की कीमत करीब 500 रुपए थी। लुटेरा राहत ट्रकों के ट्रांसपोर्ट से जुड़े लोगों का कहना है कि गाजा में सबसे बड़ी लुटेरी गैंग यासर अबू शबाब की है। उसका गिरोह पूर्वी राफेह के नत्र इलाके पर हावी है। वह राफेह का माफिया है। 25 नवंबर को हमास ने छापा मारा, जिसमें अबू के भाई सहित 20 लोग मारे गए थे। हमास का आरोप है कि गाजा में राहत सामग्री लूटने वाली गैंग को इजराइली सेना समर्थन दे रही है। दावा है कि शबाब की गैंग अभी तक सौ से ज्यादा ट्रकों को लूट चुकी है। इजराइल का कहना है कि हमास के लड़ाके ही राहत सामग्री लूट रहे हैं।

पवित्र दरवाजे को खोलते हुए पोप फ्रांसिस

रोम में पोप फ्रांसिस एक पवित्र दरवाजे को खोलते हुए। ये 2025 कैथलिक होली ईयर के लिए शामिल पांच पवित्र दरवाजों में से एक है जिसे खोला जाना है।

खैबर पख्तूनख्वा मुठभेड़ में मारे गए 15 आतंकियों में कुख्यात कमांडर नूर भी शामिल

इस्लामाबाद, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले दिनों सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में मारे गए 15 आतंकवादियों में से एक की पहचान कुख्यात कमांडर नूर मोहम्मद के रूप में हुई है। मुठभेड़ में सेना का एक अधिकारी भी शहीद हो गया। खबर में सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के हवाले से यह जानकारी दी गई। पहली मुठभेड़ बन्नू जिले के जानी खेल इलाके में हुई। यहां दो आतंकी मारे गए। इसके बाद उत्तरी वजीरिस्तान में हुई दूसरी मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने पांच आतंकवादियों को ढेर कर दिया। मगर इस मुठभेड़ में मेजर मोहम्मद अवैस (31) की जान चली गई। उत्तरी वजीरिस्तान में मारे गए पांचों

आतंकी प्रतिबंधित हाफिज गुल बहादुर समूह के सदस्य बताए गए हैं। तीसरी मुठभेड़ दक्षिण वजीरिस्तान में हुई। यहां छह आतंकवादी मारे गए। इसके अलावा बुधवार रात दक्षिणी वजीरिस्तान की बीरमल तहसील में हुई मुठभेड़ में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के दो आतंकवादी मारे गए। इनमें एक की पहचान आतंकवादी कमांडर नूर मोहम्मद के रूप में हुई है। नूर मोहम्मद सुरक्षा बलों, पुलिस और नागरिकों पर हमले के लिए कुख्यात रहा है।

डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित प्रमुख नेताओं ने जताया शोक

काठमांडू

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, कई पूर्व प्रधानमंत्री सहित प्रमुख दल के नेताओं ने शोक प्रकट किया है। इन सभी नेताओं ने दिवंगत मनमोहन सिंह के साथ अपनी स्मृति को साझा किया। नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने एक बयान जारी करते हुए भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर दुख प्रकट किया है। डॉ. सिंह को विश्व के प्रख्यात अर्थशास्त्री बताते हुए राष्ट्रपति पौडेल ने कहा कि उनके द्वारा भारत के लिए अपनाई गई अर्थनीति का नेपाल समेत कई देशों ने अनुसरण करते हुए लाभ लिया है। राष्ट्रपति ने शोक संदेश भेजते हुए नेपाल की जनता की तरफ से गहरी शोक संवेदना जताई है।

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने डॉ. मनमोहन सिंह को एक अर्थशास्त्री के साथ महान विचारक एवं चिंतक के रूप में याद किया। ओली ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि नेपाल और भारत के संबंधों को सुदृढ़ करने के उनके प्रयासों को स्मरण कर रहा हूं। प्रधानमंत्री ओली ने डॉ. मनमोहन सिंह के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और माओवादी पार्टी के अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड ने डॉ. सिंह के निधन को व्यक्तिगत क्षति बताया है। प्रचंड ने अपने शोक संदेश में कहा है कि सशस्त्र द्वंद में रहे माओवादी को शांति प्रक्रिया में लाने में डॉ. मनमोहन की भूमिका की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। नेपाल में लोकतंत्र की पुनर्बहाली में डॉ. मनमोहन सिंह के ही मार्गदर्शन में सात दल और तत्कालीन विद्रोही पक्ष माओवादी के बीच लिखित समझौता हुआ था। इसी तरह माओवादी के पूर्व नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. बाबूराम भट्टराई ने मनमोहन सिंह के निधन पर अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए उन्हें एक महान अर्थशास्त्री, कुशल प्रशासक, दक्षिण एशिया के उदारीकरण के अग्रणी नेता के रूप में याद किया है। भट्टराई ने कहा कि नेपाल-भारत संबंधों को लेकर अत्यंत ही सकारात्मक रहने वाले डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से नेपाली जनता को भी उतना ही दुख हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल ने डॉ. सिंह के निधन पर जारी शोक संदेश में उन्हें नेपाल का सच्चा मित्र, सच्चे शुभचिंतक और नेपाल तथा नेपाली जनता के प्रति हमेशा ही प्रेम और सद्भाव रखने वाले नेता के रूप में याद किया है। माधव नेपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में उन्हें डॉ. मनमोहन सिंह के साथ कई बार मिलने और मंच साझा करने का मौका मिला है। उनके निधन से न सिर्फ भारत ने बल्कि पूरे विश्व ने एक महान अर्थशास्त्री को खो दिया है।

राष्ट्र प्रथम

बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

Best Wishes

BS

Basai Steels And Power (P) Ltd.

MANUFACTURERS OF

BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm

SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS

A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037
Cell: 9848030471,7799555555
gopalagarwal@basaisteels.com

Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138
www.basaisteels.com

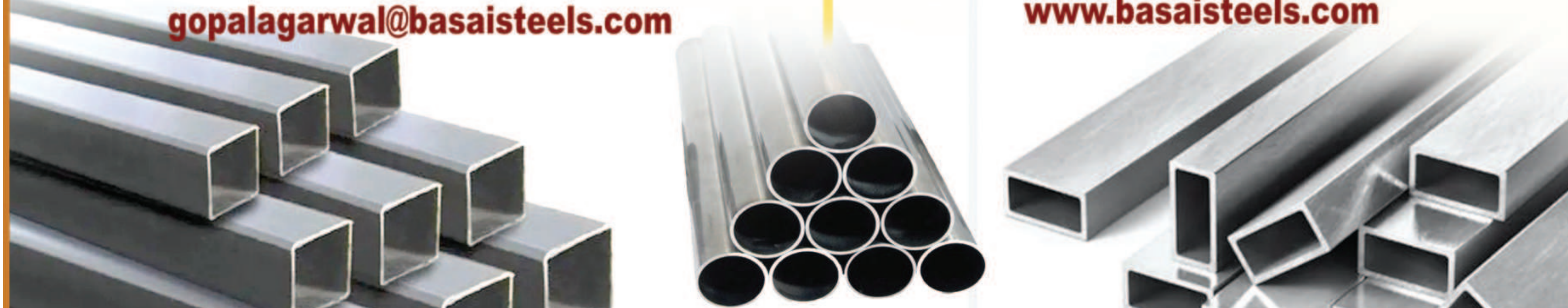

खबरें जो सोच बदल दें
शुभ लाभ

भाग्यश्री ने बर्थडे बॉय सलमान को खास अंदाज में दी बधाई

अभिनेत्री भाग्यश्री ने हाल ही अभिनेता को उनके 59वें जन्मदिन पर बधाई देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। कुछ पुरानी और नई तस्वीरों के साथ अभिनेत्री ने एक मजेदार वीडियो भी शेयर किया। भाग्यश्री ने अपने इंस्टाग्राम पर सलमान के साथ पुरानी तस्वीरें और वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, बर्थडे मेरे दोस्त, मेरे पहले हीरो और वह शख्स, जिसने लड़कियों को हम्म्म्म कहने पर मजबूर कर दिया। आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं सलमान खान।

शेयर की गई तस्वीरों में से एक में भाग्यश्री और सलमान साथ में खड़े एक-दूजे के पोज देते नजर आए। वहीं, एक वीडियो में अभिनेत्री के साथ उनके शो 'बिग बॉस 15' के मंच पर खड़ी हैं और सलमान खान की तारीफ करती नजर आईं, जिसमें उन्होंने कहा, आप कल जैसे थे, वैसे ही आज भी हैं। सलमान रिप्लाई करते हुए कहते हैं, आप भी वैसी ही हैं, आप भी जरा सा भी नहीं

सलमान और भाग्यश्री दोनों ही नए कलाकार थे, जब उन्होंने 'मैंने प्यार किया' में साथ काम किया। राजश्री प्रोडक्शंस ने फिल्म का निर्माण किया था। इस फिल्म से भाग्यश्री ने डेब्यू किया था, वहीं, सलमान खान की यह पहली मुख्य भूमिका वाली फिल्म थी।

इससे पहले सलमान खान 'बीवी तो ऐसी' में सहायक भूमिका में नजर आए थे।

'मैंने प्यार किया' में सलमान और भाग्यश्री के साथ आलोक नाथ, राजीव वर्मा, रीमा लागू, अजीत वचानी और मोहनीश बहल अहम भूमिका में थे।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री भाग्यश्री के पास साउथ की कई फिल्में हैं, जिसमें वह भूमिका में नजर आएंगी।

आयुष शर्मा ने अपनी बेटी और सलमान खान को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

अभिनेता आयुष शर्मा ने सलमान खान और अपनी बेटी आयत को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर शेयर किए तस्वीरों के साथ कैप्शन भी दिया। अभिनेता सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं और अक्सर पोस्ट शेयर करते रहते हैं। शर्मा

ने इंस्टाग्राम पर अपनी लाडली की तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, मेरी छोटी राजकुमारी को 5वां जन्मदिन मुबारक! तुम्हें बड़ा होते देखना मेरे दिल को ढेरों खुशियों और प्यार से देता है। डैडी को तुम्हारे साथ होने का सौभाग्य मिला है। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर सलमान खान की एक तस्वीर शेयर कर आयुष ने बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को जन्मदिन की बधाई दी। तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, जन्मदिन की शुभकामनाएं सलमान भाई।हाल ही में खान का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें सलमान 59वें जन्मदिन का जश्न मनाते नजर आ रहे हैं। उनके साथ आयुष शर्मा के अलावा परिवार के अन्य सदस्य भी नजर आए। सलमान खान के फैन क्लब ने सोशल मीडिया पर तस्वीरों को साझा किया, इसमें से एक में सलमान खान काटते हुए नजर आए। दूसरी तस्वीर में सलमान अपने बॉडीगार्ड शेरा के साथ पोज देते दिखे। वहीं, वीडियो में उनके बहनोई आयुष शर्मा और अभिनेता की खास दोस्त यूलिया वंतूर भी जश्न में दिखीं। बता दें, सलमान खान के 59वें जन्मदिन के मौके पर शुक्रवार को रिलीज होने वाला का टीजर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन की वजह से टल चुका है। टीजर की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है।

एआर मुरुगादॉस के निर्देशन में तैयार एक्शन-थ्रिलर का टीजर अब 28 दिसंबर को सुबह 11 बजकर 7 मिनट पर ऑनलाइन प्रीमियर के लिए तैयार है। यह नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के आधिकारिक एक्स हैंडल द्वारा दी गई।

नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के अनुसार, हमारे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी के निधन के मद्देनजर, हमें यह घोषणा करते हुए खेद है कि 'सिकंदर' के टीजर की रिलीज को टाल दिया गया है। अब यह 28 दिसंबर की सुबह बजकर 7 मिनट पर सामने आएगा। साजिद नाडियाडवाला ने आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सिकंदर' का हाल ही में सोशल मीडिया पर फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया था।

सलमान खान के साथ खड़ी ये लड़की है टॉप एक्ट्रेस, पहचाना क्या?

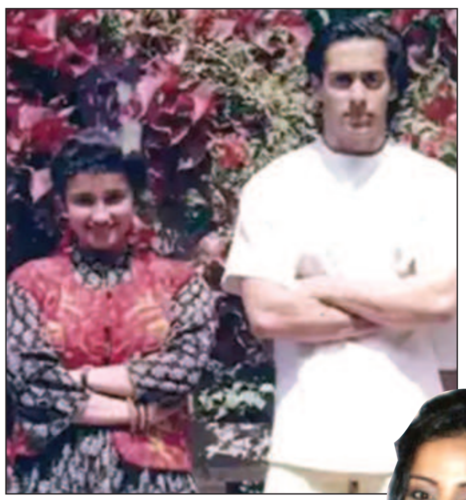

वीर जारा की क्यूट सी शब्बो याद है आपको, जो दोस्ती निभाने में कोई कसर नहीं छोड़ती या फिर बागबां की रीना मल्होत्रा जो एक मतलबी बहू है। किरदार कैसा भी हो दिव्या दत्ता ने उसमें जान डालने में कसर नहीं छोड़ी। वो हर रोल में फिट नजर आईं। ये जिंदादिल एक्ट्रेस हिंदी फिल्मों में जितनी मशहूर है पंजाबी फिल्मों में इनके नाम का उतना ही बोलबाला है। पर्दे पर खिलखिलाती नजर आने वाली दिव्या दत्ता अपना 46वां जन्मदिन मना रही हैं। लेकिन आज तक शादी के बंधन नहीं बंधी। इसके पीछे भी एक राज है। दिव्या दत्ता की एक पुरानी फोटो सलमान खान के साथ वायरल हो रही है।

सगाई के साथ टूटा दिव्या का दिल

दिव्या दत्ता को भी कभी किसी से प्यार हो गया था। हालांकि दिव्या दत्ता ने कभी उस शख्स का खुलासा किया, लेकिन ये खबरें जरूर आती रहीं कि दिव्या दत्ता उस शख्स को लेकर इतना सीरियस थीं कि सगाई तक कर चुकीं थीं। लेकिन सगाई से लेकर शादी तक की दूरी में कुछ बातों को लेकर फासले इतने बढ़े कि दिव्या दत्ता ने सगाई ही तोड़ डाली। जिसके बाद तक वो शादी के बंधन में नहीं बंधीं हैं। एक अधूरी रिलेशनशिप इसकी वजह मानी जाती है।

मां की दिलेरी ने बचाई जान

बचपन से जुड़े भी दिव्या दत्ता के कुछ दिलचस्प किस्से हैं, जिसे दिव्या दत्ता ने खुद अपनी किताब में लिखा है। जिसके मुताबिक उनकी मम्मी, जो एक सरकारी डॉक्टर थीं, उन्हें एक दिन खत मिला कि उनके बच्चे किडनैप कर लिए जाएंगे। अपने बच्चों को बचाने के लिए लेटर में एक निश्चित जगह फिरौती की रकम लाने के लिए कहा गया। उनकी मम्मी ने हिम्मत से काम लिया और पुलिस को इत्तिला दी। जिसके बाद और मम्मी ने पूरी प्लानिंग के साथ रंगे हाथों न सिर्फ किडनैपर्स को पकड़ा बल्कि दिव्या दत्ता और उनके भाई की जान भी बचाई।

सलमान खान की पांच सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्में

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में तीन दशक से भी ज्यादा का समय हो चुका है। सलमान खान अपने 30 साल से लंबे फिल्म करियर में 100 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं। वहीं, बतौर एक्टर सलमान खान ने कई हिट और तो कई फिल्में भी दी हैं, लेकिन सलमान खान का स्टारडम इधर से उधर नहीं हुआ है। सलमान खान कल यानी 27 दिसंबर को अपने फैंस को बड़ा तोहफा देने जा रहे हैं। दरअसल, कल सलमान खान का 59वां बर्थडे है और कल उनकी अपकमिंग मास एक्शन फिल्म 'सिकंदर' से जरूर अपडेट आएगी। वहीं, इससे पहले सलमान खान की उन 5 फिल्मों पर नजर डालेंगे, जो बॉक्स ऑफिस पर फेल साबित हुई।

किसी का भाई किसी की जान

बीते साल 2023 में रिलीज हुई सलमान खान और पूजा हेगड़े स्टारर एक्शन ड्रामा फिल्म का भाई किसी की जान ने भाईजान के फैंस को निराश किया था। फिल्म में भाईजान के लुक से लेकर और कहानी में दर्शकों को दम नहीं दिखा। 125 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म ने 182.44 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। फिल्म को फरहाद सामजी ने किया, जिसमें कई नए एक्टर्स नजर आए थे।

ट्यूबलाइट

साल 2017 में सलमान खान को फिल्म ट्यूबलाइट में देखा गया था, जो कि सलमान खान की फ्लॉप फिल्मों में आती हैं। 100 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म ने 211.14 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म में सलमान खान पहली बार सोल्जर के रोल में देखा गया था। ट्यूबलाइट इंडो-चाइना वॉर 1962 पर बेस्ड थी। हालांकि फिल्म को क्रिटिक्स ने खराब रिव्यू दिए थे। वहीं कहा गया कि सलमान जैसे एक्शन हीरो को लगातार पिटते हुए और हर समय रोते हुए देखना दर्शकों को पसंद नहीं आया। हाल ऐसा हुआ कि लीड रोल में नजर आईं चीनी एक्ट्रेस जू जू फिर किसी बॉलीवुड फिल्म में नहीं नजर आईं।

युवराज

साल 2008 में रिलीज हुई सलमान खान, कैटरीना कैफ, अनिल कपूर और जायद खान स्टारर म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म युवराज भी बॉक्स ऑफिस पर धड़ाम साबित हुई थी। 48 रुपये का बजट और फिल्म ने 31.22 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। फिल्म को सुभाष घई ने डायरेक्ट किया था। हालांकि फिल्म के गाने जरूर हिट हुए थे।

क्योंकि

सलमान खान और करीना कपूर स्टारर फिल्म 'क्योंकि' बॉक्स ऑफिस पर फेल साबित हुई थी। हालांकि फिल्म के गाने भी हिट है। तेरे नाम के दो साल बाद 2005 में रिलीज हुई फिल्म क्योंकि को 21 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया था और फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर महज 23.15 करोड़ रुपये कमाए थे।

राधे

बिगेस्ट फ्लॉप फिल्मों की लिस्ट में राधे सबसे ऊपर नजर है। राधे को 90 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया था और जानकर हैरानी होगी कि फिल्म ने महज 18.33 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म को प्रभुदेवा ने डायरेक्ट किया था। इसका कारण यह था कि कोरोना के चलते कई सिनेमाघरों में फिल्म को नहीं दिखाया गया था। मजबूरी में मेकर्स को ओटीटी पर फिल्म को रिलीज करना पड़ा था। इसके चलते रिपोर्ट्स की मानें तो सलमान खान ने राधे के जीरो कलेक्शन पर थिएटर्स के मालिकों से माफी भी मांगी थी।

मिशा कपूर की क्यूटनेस बटोर रही लाइमलाइट

बॉलीवुड स्टार शाहिद कपूर की बेटी मिशा कपूर अब काफी बड़ी और क्यूट भी हो गई हैं। अभी उनकी उम्र बमुश्किल आठ साल है, लेकिन वो अभी से ही लाइमलाइट बटोरने लगी हैं। खासतौर से सोशल मीडिया पर अक्सर मिशा कपूर छाई रहती हैं। कभी उनके बचपन की तस्वीरें वायरल होती हैं तो कभी अपने स्कूल फंक्शन के लिए किए गए खास गेटअप में उनका अंदाज। एक बार फिर मिशा कपूर अपनी मम्मी मीरा कपूर के साथ स्पॉट हुई हैं। उनका ये ताजा वीडियो वायरल होते ही फैन्स उनकी स्टाइल का कंपेरिजन उनकी मम्मी मीरा कपूर से कर रहे हैं।

सैलून से निकली मिशा कपूर

यूट्यूब पर मिशा कपूर का एक वीडियो आप देख हैं। इस वीडियो में वो अपनी मम्मी मीरा कपूर के साथ ही दिख रही है। मम्मी और बेटी की ये स्टाइलिश जोड़ी एक सैलून से बाहर आ रही है। इस वीडियो में छोटी सी मिशा कपूर ने पिंक कलर का एक प्रिंटेड लैगिंग पहना है। साथ ही मैचिंग टॉप कैरी किया है। इस आउटफिट के साथ मीशा कपूर ने एक डेनिम जैकेट पहना है। इस पूरे लुक को कंप्लीट करने के लिए मिशा कपूर ने गोल्डन कलर के बेली शूज पहने हैं। हाथ में पिंक कलर का एक बहुत प्यारा से बैक पैक भी कैरी किया है। इस मिशा कपूर मीडिया के कैमरों के सामने भी फुल कॉन्फिडेंट नजर आ रही हैं।

बाल संवारने का अंदाज

मीशा कपूर का ये वीडियो वायरल होने के बाद फैन्स ये कह कर उनकी तारीफ कर रहे हैं कि वो अपनी मम्मी की टू कॉपी हैं। इतना ही नहीं अगर आप से देखेंगे तो वीडियो मम्मी और बेटी की हेयर स्टाइल भी एक ही जैसी दिख रही है। जिसे देखकर ये अंदाजा भी लगाया जा सकता है कि मम्मी और बेटी ने सैलून में एक शानदार हेयर सेशन भी लिया है।

दिलचस्प बात ये है कि अपने ब्लो ड्राई हेयर संवारने का, मम्मी और बेटी का तरीका बिलकुल एक ही जैसा है। जिसे देखकर ये कहना आसान है कि लाइक स्टाइलिश मम्मा, लाइक स्टाइलिश डॉटर। इस वीडियो के सामने आने के बाद एक यूजर ने इस पर कमेंट करते हुए लिखा है, 'कुछ दिनों में ये करीना को टक्कर देगी।

वार्षिक राशिफल 2025

9.धनु राशि

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य व्यास ने बताया कि साल कुछ अच्छे तो कुछ कमजोर परिणाम भी दे सकता है। एक ओर जहां मार्च तक शनि का गोचर आपके लिए पूरी तरह से अनुकूल है तो वहीं मई तक बृहस्पति का गोचर कमजोर रहेगा। मई मध्य के बाद बृहस्पति का गोचर आपके लिए अनुकूल जाएगा। तो वहीं मार्च के बाद शनि का गोचर कमजोर हो जाएगा। इस तरह से ये दोनों प्रमुख गोचर कुछ अच्छे तो कुछ कमजोर परिणाम दे सकते हैं। हालांकि सकारात्मक परिणामों की अधिकता रहेगी क्योंकि राहु का गोचर मई के बाद से चतुर्थ भाव से अपनी नकारात्मकता दूर कर फलस्वरुप घर गृहस्थी से संबंधित कुछ परेशानियां दूर भी होंगी अथवा पुरानी समस्याएं दूर होकर शनि के कारण कुछ नहीं समस्याएं पैदा हो सकती हैं लेकिन फिर भी बदलाव की ऊर्जा मन को तुलनात्मक रूप से प्रसन्न करने का काम कर सकती है। बृहस्पति का गोचर आर्थिक मामले में देता रहेगा। फलस्वरूप कोई आर्थिक विपन्नता नहीं आएगी जबकि मई के बाद आमदनी के स्रोतों में बढ़ोतरी भी देखने को मिल सकती है। मई के बाद का समय प्रेम, दांपत्य, विवाह और शिक्षा आदि से संबंधित मामलों में बेहतर परिणाम देने का काम कर सकता है। मार्च को शनि राशि वालों के चतुर्थ भाव से गोचर करेगा। इस दौरान आप अपने परिवार से दूर रह सकते हैं। आपको नई प्रॉपर्टी खरीदने के अवसर मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों की कार्यक्षमता अच्छी रह सकती है। अक्टूबर से दिसम्बर तक गुरु धनु राशि वालों के अष्टम भाव से गोचर करेगा। अवधि आपके लिए बेहद शुभ रहेगी। विदेश यात्रा का लाभ आपको मिल सकता है। शत्रु पक्ष आपके ऊपर हावी नहीं होंगे। आर्थिक लाभ की स्थिति बनी रहेगी। आय में वृद्धि होगी परन्तु खर्च में कमी नहीं होगी। इसलिए आय और व्यय का सामंजस्य बना कर रखने में ही बुद्धिमानी मई से अक्टूबर तक आपके हालातों में कुछ सुधार आ सकता है। आपको व्यापार के माध्यम से कुछ लाभ मिलने की संभावना है। इस दौरान आपको विदेश यात्राओं से भी लाभ मिल सकता है। मार्च को शनि धनु राशि वालों के चतुर्थ भाव से गोचर करेगा। इस दौरान आप परिवार से दूर रह सकते हैं। आपको नयी प्रॉपर्टी खरीदने के अवसर मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों की कार्यक्षमता अच्छी रह सकती है। मई से राहु धनु राशि वालों के चतुर्थ भाव से और केतु नवम भाव से गोचर करेगा जिसके चलते आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। आप सफलता करने के लिए जी तोड़ मेहनत कर सकते हैं। प्रेमी और वैवाहिक जोड़ों के लिए यह वर्ष मिलाजुला रहेगा। आप किसी तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं। आपका आध्यात्मिक रुझान बढ़ सकता है।

कैरियर –ज्योतिषाचार्य ने बताया कि बैंकिंग, आईटी, टीचिंग, राजनीति और प्रशासन से जुड़े लोगों के यह वर्ष अत्यंत श्रेयस्कर होगा। जॉब में उन्नति होगी। मार्च के बाद का समय बहुत बेहतर है। जॉब चेंज या प्रोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। निष्कर्षतः यह वर्ष आपके जॉब के लिए बहुत ही अच्छा रहेगा। बैंकिंग व आईटी से जुड़े लोग खूब प्रगति करेंगे। विदेश यात्रा करेंगे। बिजनेस लिए पूरा वर्ष अच्छा परिणाम देगा। इस वर्ष आप कई बड़ी सफलताएं प्राप्त करेंगे। साल की शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य तक देवगुरु बृहस्पति का गोचर आपके छठे भाव में रहेगा। जो नौकरी के लिए कोशिश कर रहे लोगों के लिए मददगार बन सकता है। प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाएं या फिर साक्षात्कार इन मामलों में आपको सफलता मिलेगी और आप नौकरी की प्राप्ति भी कर सकते हैं लेकिन शायद आप अपनी उपलब्धियां को लेकर पूरी तरह से संतुष्ट न रहें। राहु का गोचर भी मई के महीने तक ऐसा ही संकेत कर रहा है कि आपके मन मस्तिष्क असंतोष के भाव रह सकते हैं, जो नौकरी को लेकर के भी रह सकते हैं। मई के बाद राहु और बृहस्पति दोनों का गोचर अनुकूल हो रहा है। ऐसी स्थिति में नौकरी में आप और भी अच्छा कर सकेंगे। सभी तरह की नौकरी करने वाले लोग कुछ नया प्रयोग सकेंगे। नई जगह की तलाश कर सकेंगे। साथ ही साथ प्रमोशन इत्यादि भी प्राप्त कर सकेंगे। हालांकि इसी बीच में मार्च महीने के बाद से शनि के गोचर में हुआ परिवर्तन मन में असंतोष देने का काम कर सकता है। अर्थात उपलब्धियां तो मिलती हुई प्रतीत हो रही है उपलब्धियां को लेकर संतुष्टि के भाव नजर नहीं आ रहे हैं। ऐसे में हम कह सकते हैं कि इस वर्ष कुछ कठिनाइयों के बाद आप अपनी नौकरी में अच्छा कर सकेंगे। नौकरी में बदलाव भी संभव रहेगा। साथ ही साथ कुछ लोगों को प्रमोशन भी मिलेगा लेकिन शायद अपनी को लेकर मन में संतोष का वह भाव न रहें, जिसकी आपने उम्मीद की थी। आपके अंदर कॉन्फिडेंस बढ़ेगा और हर कार्य में आप अपना बेस्ट दोगे। आप यदि नौकरी में हैं तो आपकी तरक्की होगी और आपको अच्छा इंक्रीमेंट भी मिलेगा। आपके काम को सराहा जाएगा। कुछ नए में हाथ डालने का मौका मिलेगा। इस समय आपको विदेश जाने के अवसर भी प्राप्त होंगे। भाग्य मजबूत रहेगा आप कठिन से कठिन हालातों में अपना बेहतर करोगे। आईटी फ़ील्ड से जुड़े लोगों के लिए यह वर्ष बहुत ही उत्तम अवसर लाएगा। यदि आप इस समय जॉब चेंज करने सोच रहे हो तो आपको अच्छे खासे पैकेज वाली बढ़िया जॉब मिल सकती है। जो लोग अपने स्टार्ट-अप्स शुरू करना चाहते हैं उनके लिए मार्च के बाद का समय बहुत ही भाग्यशाली है।

आर्थिक स्थिति– आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष सफल रहेगा। यह वर्ष बहुत धन देगा। पूरे वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति बहुत ही शानदार रहेगी। जमीन, मकान या वाहन खरीदने के संयोग बनेंगे। धन का व्यय घर या वाहन खरीदने में हो सकता है। खूबसूरत ज्वेलरी लेंगे। अप्रैल के बाद रियल स्टेट में निवेश करेंगे। शेयर में निवेश रहेगा। यह वर्ष आपके जीवन में कई परिवर्तन लेकर आ रहा है। वर्ष का आरंभ कुछ परे-शानी भरा हो सकता है लेकिन इसके बाद का समय आपके लिए शुभ रहेगा। मार्च तक आपको संभल कर चलना होगा क्योंकि इस समय छठे भाव में स्थित गुरु बृहस्पति आपके बिजनेस में उतार-चढ़ाव का संकेत दे रहा है। आपको धन के मामलों में अड़चनें आएंगी। आर्थिक लेन-देन को लेकर कुछ परेशानी हो सकती है। किसी भी जगह निवेश करने से पहले अच्छे से जांच-पड़ताल कर लें और साथ ही किसी जोखिम भरे निवेश में पैसा लगाने से बचें। बिजनेस पार्टनरशिप में नुकसान हो सकता है। आपको अपने गुस्से और वाणी पर संयम बनाए रखना होगा नहीं तो आपकी बिजनेस पार्टनरशिप टूट भी सकती है। आपको अपने रिश्तेदारी में बिजनेस न करने की सलाह दी जाती है। आपके बिजनेस के साथ-साथ आपके रिश्तों में भी कड़वाहट हो सकती है। साल की से लेकर मई महीने के मध्य भाग तक धन का कारक बृहस्पति छठे भाव में रहेगें। बृहस्पति का छठे भाव में गोचर अच्छा नहीं माना गया है लेकिन बृहस्पति ग्रह नवम दृष्टि से धन भाव को देखकर धन संचय के मामले में आपके लिए मददगार बनेंगे। धन स्थान के शनि देव भी मार्च के महीने तक तीसरे भाव में अपनी राशि में रहकर आपकी आर्थिक पक्ष को मजबूत करना चाहेंगे।

मार्च के बाद शनि की स्थिति कमजोर हो जाएगी, जबकि मई महीने के मध्य के बाद बृहस्पति की स्थिति मजबूत हो जाएगी। मई महीने के मध्य के बाद लाभ भाव को देखकर अच्छी आमदनी करवाने का प्रयास करेंगे। इस तरह से हम पाते हैं कि भले ही ग्रह गोचर की स्थितियां बदलेगी लेकिन पहले भी कुछ ग्रह अच्छे तो कुछ ग्रह कमजोर परिणाम दे रहे हैं और बदलाव के बाद भी कुछ ग्रह अच्छे तो कुछ ग्रह परिणाम देंगे।

परिवार – पारिवारिक मामलों में इस वर्ष आप सामान्य तौर पर अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। आपके दूसरे भाव का स्वामी शनि ग्रह; मार्च के महीने तक काफी अच्छी स्थिति में है। अतः महत्वपूर्ण पारिवारिक निर्णयों को इस बीच संपन्न कर लेना ज्यादा अच्छा रहेगा। बाद के समय में शनि ग्रह की स्थिति कमजोर हो सकती है। ऐसे में बाद के परिणाम भी कमजोर रह सकते हैं लेकिन बृहस्पति ग्रह की अनुकूलता लगभग पूरे महीने ही कोई बड़ी समस्या नहीं आने देगी। कहने का तात्पर्य है कि साल तौर पर पारिवारिक मामलों के लिए अच्छा है। फिर भी महत्वपूर्ण निर्णयों को साल की शुरुआती हिस्से में संपन्न कर लेना ज्यादा अच्छा रहेगा। गृहस्थ जीवन की बात करें तो इस मामले में भी साल की शुरुआती महीने अर्थात जनवरी से लेकर मार्च तक के महीने ज्यादा अच्छे रहेंगे। के समय में शनि का चतुर्थ भाव में गोचर गृहस्थजीवन में कुछ परेशानियां दे सकता है। विशेष कर मार्च से मई के बीच में परिणाम अधिक कमजोर रह सकते हैं। बाद के समय में राहु का गोचर चतुर्थ भाव से दूर हो जाएगा। अतः कुछ समस्याएं कम हो सकती लेकिन शनि की स्थिति इस बात का संकेत कर रही है कि इस पूरे वर्ष ही आपको गृहस्थ संबंधी मामलों में कोई भी लापरवाही नहीं बरतनी है। साल के पहले हिस्से में प्रयत्न उतने अच्छे रंग नहीं ला सकेंगे जिससे कि सारी मनोकामनाएं पूरी हो सकें लेकिन मई महीने मध्य के बाद देवगुरु बृहस्पति जो आपके लग्न या राशि के स्वामी भी हैं; आपके सप्तम भाव में गोचर करेंगे और आपके विवाह के रास्ते खोल सकेंगे। अतः साल का दूसरा हिस्सा विशेषकर मई महीने के मध्य के बाद विवाह सगाई जैसे मामलों में अच्छी खासी अनुकूलता देखने को सकती है। वैवाहिक संबंधों की बात करें तो इस मामले में भी साल का दूसरा हिस्सा ज्यादा अच्छे परिणाम दे सकता है। साल के पहले हिस्से में भी कोई बड़ी प्रतिकूलता नजर नहीं आ रही है लेकिन तुलना करने पर हम पाते हैं कि साल के दूसरे हिस्से में अपने वैवाहिक जीवन का बेहतर आनंद उठा सकेंगे।

प्रेम – रोमांस – साल के पहले हिस्से की बात की जाय तो यह प्रेम संबंध के लिए थोड़ा सा कमजोर रह सकता है जबकि मई महीने के मध्य के बाद देवगुरु बृहस्पति भाव में जाकर आपकी लव लाइफ में अच्छी खासी अनुकूलता देने का काम कर सकते हैं। पंचम भाव के स्वामी मंगल की स्थिति ओवरऑल एवरेज परिणाम देती हुई प्रतीत हो रही है जबकि शुक्र ग्रह की स्थिति पूरे वर्ष में काफी हद तक अनुकूल परिणाम देने का संकेत कर है। इस तरह से हम कह सकते हैं कि सामान्य तौर पर यह वर्ष प्रेम संबंध के लिए अच्छा रहेगा लेकिन साल का पहला हिस्सा तुलनात्मक रूप से कुछ कमजोर रह सकता है। जबकि साल का दूसरा हिस्सा काफी अच्छे परिणाम देता हुआ प्रतीत हो रहा है। ऐसी स्थिति साल के पहले भाग में प्रेम संबंधों को लेकर बिल्कुल भी लापरवाह नहीं होना है। छोटे-मोटे विवाद होने की स्थिति में भी लव पार्टनर को पूरा समय देना है। उसे मनाने की कोशिश करनी है न कि विवाद को बढ़ाना है। साल का दूसरा हिस्सा काफी अच्छे परिणाम दे है। उस समय आपका पार्टनर भी पूरी समझदारी से काम लेगा और आपके लव लाइफ में आप काफी अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। आप इस साल अपने जीवनसाथी को खुश करने का कोई मौका नहीं खोना चाहेंगे। आप एक दूसरे की अहमियत को समझेंगे। आपकी लाइफ़ में प्यार का फिर से लौट सकता है। इस साल के मध्य आपको संतान पक्ष से जुड़ी कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। जो लोग फेमिली प्लैनिंग कर रहे हैं उनके घर में इस साल नन्हें-मुन्ने बच्चे की किलकारी गूंज सकती है। आपके घर में खुशियों का आगमन होगा। आप इस साल घर-परिवार के साथी किसी ट्रिप पर घूमने जा सकते हो। धनु राशि वालों को सलाह है की वे इस साल प्यार के अलावा कुछ वक्त अपने लिए भी निकालें और मेडिटेशन करें। इससे न सिर्फ सुकून मिलेगा बल्कि लव-लाइफ़ में भी आप धैर्यवान बनेंगे। लिव-इन में रह रहे कपल्स पार्टनर को खुश करने के लिए बीच-बीच में कुछ सरप्राइज़ देते रहेंगे। आपको कोशिश करनी है की एक दूसरे को प्यार के साथ साथ इज्जत भी दें। वर्ष धनु राशि वालों के लिए बहुत ही अच्छा साबित होगा। आप अपनी ज़िंदगी में प्यार के असली मायनों को जानने में होंगे और आप कोशिश करेंगे की हर बात आसानी से प्यार के साथ सुलझ सके।

शिक्षा – साल एवरेज या एवरेज से कुछ हद तक बेहतर परिणाम भी दे सकता है। एक ओर जहां बृहस्पति का गोचर साल की शुरुआत से मई महीने के मध्य भाग तक छठे भाव में रहते हुए प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को अच्छे परिणाम देना चाहेगा, तो वहीं मई महीने के मध्य भाग के बाद बृहस्पति सभी तरह के विद्यार्थियों को अच्छे परिणाम देने का संकेत कर रहे हैं। अर्थात मई महीने मध्य भाग से पहले का समय सिर्फ कुछ विशेष विद्यार्थियों के लिए अनुकूल रह सकता है, तो वहीं बाद का समय सभी विद्यार्थियों के लिए अच्छा रहने वाला है लेकिन इस बीच में शनि और राहु की गोचर के चलते आपको अपने सब्जेक्ट पर फोकस करने में कुछ कठिनाई अनुभव भी करना पड़ सकता है। अर्थात पढ़ाई में मन कम लगेगा। ऐसे में लगातार कोशिश करके अपने सब्जेक्ट पर फोकस करने की, मन लगाने की कोशिश करनी है। यदि आप लगातार ऐसी कोशिश करेंगे तो देर सवेर आप न केवल अपने सब्जेक्ट को अच्छी तरह से जान सकेंगे, सकेंगे बल्कि उस विषय में आप अच्छा प्रदर्शन भी कर सकेंगे। मई से राहु धनु राशि वालों के चतुर्थ भाव से और केतु नवम भाव से गोचर करेगा जिसके चलते आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। आप सफलता प्राप्त करने के लिए जी तोड़ मेहनत कर सकते हैं। आपका आध्यात्मिक बढ़ सकता है। इस वर्ष आपके पिता को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। साल की यह अवधि आपके जीवन में ढेर सारी खुशियां और सुख-समृद्धि लेकर आएग। आपके रुके हुए काम बनेंगे। आपकी हर मनोकामना इस साल पूर्ण होगी। शुरुआती कुछ महीनों को अगर छोड़ दे तो साल की तुलना में यह वर्ष आपके जीवन में अच्छे और सुखद परिणाम लेकर आएगा। आपका हर सपना इस साल पूरा हो सकता है। इस साल आपको मेहनत करने पर हर कार्य में सफलता मिलेगा।

स्वास्थ्य – यह साल आपके लिए चुनौतियों से भरा रहेगा। सेहत के मामलों में आपको सतर्क रहना होगा। वर्ष की शुरुआत आपकी सेहत के लिए कुछ खास अच्छी नहीं रहेगी। आपको अपनी सेहत का ध्यान रखना होगा। वर्ष के शुरुआती महीनों में आपको स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती है लेकिन इसमें जल्द सुधार आएगा और चुस्ती-फुर्ती से अपने काम करोगे। आप कार्यक्षेत्र में उत्तम प्रदर्शन के साथ-साथ अपने लिए समय भी निकालोगे। वर्ष का मध्य हिस्सा आपकी सेहत के लिए उत्तम रहेगा। आपको किसी भी तरह के रोग परेशान नहीं करेंगे। यह समय आपकी मानसिक सेहत के लिए बहुत शुभ रहेगा। आपके मन में विचार आएंगे और आप हर क्षेत्र में अपना बेस्ट दोगे। छात्रों के लिए यह साल अच्छा है। आपका मन पढ़ाई में लगेगा। अपनी मैमरी-पॉवर बढ़ाने के लिए आपको नियमित रुप से योग और ध्यान करना चाहिए। आपको अपने खान-पान में सुधार लाने चाहिए। आपको अपनी डाइट में भीगे बादाम, और अंजीर आदि शामिल करने चाहिए। भीगे बादाम खाने से आपकी स्मरण शक्ति भी बेहतर होती है। एक ओर जहां शनि का गोचर साल की शुरुआत से लेकर मार्च के महीने तक काफी अच्छे परिणाम देता हुआ प्रतीत हो रहा है; वहीं मार्च के बाद शनि ग्रह स्वास्थ्य के में कमजोर परिणाम दे सकता है। विशेषकर ऐसे लोग जिन्हें सीने या हृदय के आसपास से संबंधित कोई परेशानी पहले से है, उन्हें मार्च महीने के बाद से अपेक्षाकृत अधिक सावधानी पूर्वक निर्वाह करने की आवश्यकता रहेगी। हालांकि मई के बाद से राहु का गोचर चतुर्थ भाव से हट इसलिए परेशानियां कम हो जाएंगी लेकिन अप्रैल से लेकर मई महीने के मध्य भाग तक स्वास्थ्य का अधिक ख्याल रखने की आवश्यकता रहेगी। मई महीने के मध्य भाग के बाद बृहस्पति का गोचर आपके सप्तम भाव में पहुंचकर पहले भाव को देखेगा और समस्याओं को समाप्त करने का काम भले ही शनि की दृष्टि के कारण कुछ समस्याएं आए लेकिन बृहस्पति उन्हें ठीक करवाने में भी मददगार बनेगा। इस तरह से हम कह सकते हैं कि इस वर्ष बीच-बीच में कुछ स्वास्थ्य समस्याएं देखने को मिल सकती हैं लेकिन आपके संयम, समझदारी और बृहस्पति की कृपा से समस्याएं ही दूर हो सकेंगी और आप बेहतर स्वास्थ्य का आनंद ले सकेंगे।

ज्योतिष उपाय – गुरुवार को गाय को हरा चारा गुड़ चना आदि खिलाते रहे। घर से दूर किसी पार्क या मंदिर में पीपल का पेड़ लगाएं और हर बृहस्पतिवार उसकी पूजा करें। श्री राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

बहुत ही अद्भुत है शेखावाटी का जीण माता मंदिर

औरंगजेब भी चमत्कार से हो गया था प्रभावित

राजस्थान के शेखावाटी इलाके में सीकर-जयपुर रोड पर जीण माता का एक बेहद प्राचीन मंदिर स्थित है। इस मंदिर के नाम पर ही गांव का नाम जीण माता गांव रखा गया है। यह मंदिर भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यह मंदिर जंगल में तीन छोटी पहाड़ियों के बीच स्थित है। इसके आसपास का नजारे भी काफी मनमोहक है।

मिलती है ये कथा

मान्यताओं के अनुसार, राजस्थान के चूरू में घांघू गांव के एक राजघराने में जीण माता का जन्म हुआ था, जिन्हें आदिशक्ति का अवतार माना जाता है। एक दिन उनकी अपने बड़े भाई हर्ष से लड़ाई हो गई और उन्होंने वन में जाकर तपस्या शुरू कर दी। आज इसी स्थान पर माता का मंदिर स्थापित है।

मुगलों से कैसे जुड़ा है नाता

एक बार मुगल बादशाह औरंगजेब की सेना ने शेखावाटी के मंदिरों में तोड़फोड़ शुरू कर दी। तब आसपास के लोगों ने परेशान होकर मां जीण माता से गुहार लगाई। माता ने अपने चमत्कार से औरंगजेब की पूरी सेना पर मधुमक्खियों की विशाल सेना छोड़ दी, जिससे परेशान होकर औरंगजेब के सैना को वहां से भागना पड़ा। इस घटना के बाद से जीण माता को भंवरों की देवी भी कहा जाने लगा और उनकी मान्यता काफी बढ़ गई। माता के चमत्कार से प्रभावित होकर मंदिर में अखंड ज्योति शुरू की, जिसका तेल दिल्ली दरबार से भेजा जाता था। इस मंदिर में आज भी वही ज्योति अखंड रूप से जल रही है।

ये हैं मान्यता

इस मंदिर को लेकर यह मान्यता है कि कुष्ठ रोगियों को दर्शन करने मात्र से स्वस्थ हो जाते हैं। मंदिर में भक्तों द्वारा स्वर्ण छत्र भी चढ़ाए जाते हैं। इस मंदिर में जीण भगवती की अष्टभुजी प्रतिमा स्थापित है। पहाड़ के नीचे एक मंडप स्थित है, जिसे गुफा कहा जाता है। चैत्र व शारदीय नवरात्र में यहां मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। इसी के साथ खाटू श्याम जी के फाल्गुनी व मासिक मेलों में आने वाले लोग भी जीण माता के दर्शन करने पहुंचते हैं।

शनि प्रदोष व्रत आज

जानिए क्या है सही विधि और क्या करने से बचें?

शनि प्रदोष व्रत, भगवान शिव के भक्तों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण व्रत माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन शिव भक्तों को उपवास रखना चाहिए और सूर्य देव के दर्शन होने के बाद भी व्रत पारण करना चाहिए। शनि प्रदोष व्रत ऐसा व्रत है जिससे कई नियम भी जुड़े हैं। वैसे तो भगवान शिव का नाम भोलेनाथ भी है। जो भक्तों से आसानी से नाराज नहीं होते। लेकिन शनि प्रदोष व्रत को लेकर मान्यताएं अलग हैं। जिनके अनुसार शनि प्रदोष व्रत रखने में चूक पर भगवान शिव के कोप का भागी भी बनना पड़ सकता है। इतना ही नहीं व्रत रखने वालों की गलती से आर्थिक हालात प्रभावित होने की भी संभावना होती है। इसलिए ये जान लेना जरूरी है कि इस व्रत वाले दिन आप क्या करें और क्या न करें।

शनि व्रत की तिथि

शनि प्रदोष व्रत इस बार 28 दिसंबर को पड़ने वाला है। पाचांग के मुताबिक हर साल पौष महीने की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि जब आती है तब शनि प्रदोष व्रत होता है। इस साल ये तिथि 28 दिसंबर को पड़ने वाली है। इस तिथि कि का समय होगा रात 2 बज कर 26 मिनट। जो अगले दिन यानि 29 दिसंबर 2024 की रात 3 बजकर 32 मिनट तक जारी रहेगी। बात करें इस दिन के पूजन के सही समय की तो 2 घंटे 77 मिनट का ये मुहूर्त शाम 5 बजकर 33 मिनट से होगा और 8 बजकर 17 मिनट तक जारी रहेगा।

इस दिन जरूर करें ये काम

इस दिन के लिए मान्यता है कि शिव परिवार की पूरे विधि विधान से पूजन करना बहुत शुभ होता है। जो लोग पूरी आस्था के साथ व्रत रखते हैं, उनकी संतान को सुखी जीवन मिलता है साथ ही उसकी सभी मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। ये भी मान जाता है कि इस पूजन के साथ साथ भगवान शिव का जल से अभिषेक भी करना चाहिए और रुद्राभिषेक भी करना चाहिए।

शनि प्रदोष व्रत वाले दिन क्या न करें?

सिंदूर न चढ़ाएं

शनि प्रदोष व्रत हो या भगवान शिव का कोई अन्य व्रत रख रहे हों, तब भी उन्हें सिंदूर अर्पित न करें। ऐसा माना जाता है कि भगवान शिव बैरागी होते हैं और सिंदूर हमेशा ही सौभाग्या का प्रतीक होता है। इसलिए भगवान शिव की प्रतिमा पर कभी कुमकुम या फिर सिंदूर नहीं करना चाहिए।

ऐसा भोजन न करें

जिस दिन शनि प्रदोष का व्रत रखें उस दिन गलती से भी नॉन वेज का सेवन न करें। ऐसा करने से मान जाता है कि भगवान शिव क्रोधित हो सकते हैं।

तुलसी की पत्तियां न चढ़ाएं

सिंदूर की तरह ही भगवान शिव तुलसी की पत्तियां नहीं अर्पित की जानी चाहिए। तुलसी माता लक्ष्मी का एक स्वरूप मानी जाती हैं। इसलिए उन्हें भगवान शिव को नहीं चढ़ाना चाहिए।

नारियल के पानी से न करें अभिषेक

नारियल का पानी भी माता लक्ष्मी का ही प्रतीक माना जाता है। इसलिए भगवान शिव का अभिषेक पानी से करना भी शुभ नहीं माना जाता है।

खंडित अक्षत

भगवान शिव को पूजन करते समय अक्षत यानी कि चावल अर्पित किए जाते हैं। लेकिन ये चावल के दाने खंडित नहीं होना चाहिए। पूजन जो भी चावल के दानें चढ़ाए जाएं वो पूरे होने चाहिए। साथ ही ये माना जाता है कि भगवान शिव को चढ़ाए जाने वाले अक्षत धुले हुए भी होना चाहिए।

काले कपड़े

भगवान शिव का शनि प्रदोष व्रत के दिन पूजन करते समय काले कपड़े पहनना भी शुभ नहीं माना जाता है। इस दिन के व्रत से भगवान शिव की कृपा पाने के हरा, सफेद या पीले वस्त्र पहनने की सलाह दी जाती है।

संपादकीय

सरकार के खिलाफ ही सरकार

दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी अजब-गजब की राजनीति खेली जा रही है। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 'महिला सम्मान राशि' और 'संजीवनी' नामक दो प्रमुख योजनाएं घोषित की हैं। उन्होंने पात्र महिलाओं को 1000 रुपए माहवार देने का आश्वासन दिया है और सत्ता में आने के बाद यह राशि 2100 रुपए तक बढ़ाने का वायदा भी किया है। 'संजीवनी' के तहत 60 साल से ज्यादा उम्र वाले बुजुर्ग सरकारी और निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज करा सकेंगे। पूरा खर्च सरकार वहन करेगी। ऐसी चुनावी घोषणाएं पश्चिम बंगाल, मप्र, हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड सरीखे 10 राज्यों में की जा चुकी हैं, लेकिन नौकरशाही ने न तो कोई सवाल उठाया और न ही सरकारी विभागों ने इन घोषणाओं के खिलाफ विज्ञापन देकर उन्हें खारिज किया। दिल्ली में 'आप' की ही सरकार है। बेशक मुख्यमंत्री केजरीवाल के बजाय आतिशी हैं। जाहिर है कि केजरीवाल ने जिन योजनाओं की घोषणाएं कीं, उन्हें मुख्यमंत्री आतिशी का भी समर्थन है, लेकिन दिल्ली सरकार के संबंधित विभागों ने एक विज्ञापन जारी कर कहा है- सरकार ऐसी कोई स्कीम नहीं चला रही। इतना ही नहीं, महिला और स्वास्थ्य विभागों ने दिल्ली के लोगों को आगाह किया है कि 'अस्तित्वहीन' योजनाओं में पंजीकरण के नाम पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। कोई व्यक्ति या राजनीतिक दल ऐसे फॉर्म भरवाता है अथवा निजी जानकारी मांगता है, तो यह 'धोखाधड़ी' है। इन योजनाओं की कोई सरकारी अधिसूचना भी जारी नहीं की गई है।'' जाहिर है कि विज्ञापन का स्पष्ट संकेत केजरीवाल और 'आप' की तरफ है। यह कैसा मजाक है? दिल्ली सरकार अपने ही खिलाफ काम कर रही है अथवा लोकतांत्रिक व्यवस्था को खारिज किया जा रहा है? किसी भी चुनाव से पहले राजनीतिक दल 'रेवडियों' के आश्वासन देते हैं अथवा योजनाओं की घोषणा करते हैं। ऐसे ही चुनावी वायदों पर जनता वोट देती है। यह लोकतांत्रिक अधिकार कैसे छीना जा सकता है? कुछ हालिया सालों के उदाहरण गौरतलब हैं। हिमाचल में 2022 के चुनाव से पहले और कर्नाटक में 2023 के चुनाव से पहले महिलाओं में नकदी राशि बांटने की घोषणाएं कांग्रेस ने की थीं। दोनों ही राज्यों में भाजपा सत्तारूढ़ थी। भाजपा ने छत्तीसगढ़ और ओडिशा में महिला वोट बटोरने की खातिर ऐसी ही घोषणाएं की थीं। दोनों राज्यों में क्रमशः कांग्रेस और बीजू जनता दल की सरकारें थीं, लेकिन चुनावों के बाद भाजपा दोनों ही राज्यों में सत्तारूढ़ हुई। इन तमाम संदर्भों में किसी भी सरकारी विभाग और मंत्रालय ने ऐसी घोषणाओं को न तो खारिज किया और न ही विज्ञापन जारी करने का दुस्साहस किया। आखिर दिल्ली में ऐसा क्यों हुआ? क्या जनादेशी सत्ता नौकरशाही के सामने बौनी है? क्या केंद्र सरकार के इशारे पर दिल्ली के उपराज्यपाल ने विभागों को ऐसी हरकत के लिए बाध्य किया? उपराज्यपाल भी केंद्र सरकार के एजेंट हैं। उन्हें कोई जनादेश हासिल नहीं है, लेकिन अभी तक दिल्ली में यह सवाल गुत्थी बना हुआ है कि अद्र्धराज्य का प्रमुख, कार्यकारी चेहरा कौन है? यदि मुख्यमंत्री आतिशी ने सरकारी अधिकारियों के खिलाफ 'प्रशासनिक कार्रवाई' करने का बयान दिया है, तो क्या वह ऐसा करने में सक्षम होंगी? दरअसल दिल्ली सरकार की नौकरशाही उपराज्यपाल के संरक्षण में है। अफसर मुख्यमंत्री तक की बात नहीं सुनते, लिहाजा ऐसी हरकत करना बड़ा सामान्य है। मुख्यमंत्री आतिशी ने यह आरोप लगाया है कि भाजपा के पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा सरकारी आवास से महिलाओं को 1100 रुपए प्रति बांट रहे हैं। इस तरह नकदी बांटना क्या चुनाव की मर्यादा के तहत आता है या रिश्वत बांटना है, यह देखना होगा।

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 'महिला सम्मान राशि' और 'संजीवनी' नामक दो प्रमुख योजनाएं घोषित की हैं। उन्होंने पात्र महिलाओं को 1000 रुपए माहवार देने का आश्वासन दिया है और सत्ता में आने के बाद यह राशि 2100 रुपए तक बढ़ाने का वायदा भी किया है। 'संजीवनी' के तहत 60 साल से ज्यादा उम्र वाले बुजुर्ग सरकारी और निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज करा सकेंगे। पूरा खर्च सरकार वहन करेगी। ऐसी चुनावी घोषणाएं पश्चिम बंगाल, मप्र, हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड सरीखे 10 राज्यों में की जा चुकी हैं, लेकिन नौकरशाही ने न तो कोई सवाल उठाया और न ही सरकारी विभागों ने इन घोषणाओं के खिलाफ विज्ञापन देकर उन्हें खारिज किया। दिल्ली में 'आप' की ही सरकार है। बेशक मुख्यमंत्री केजरीवाल के बजाय आतिशी हैं। जाहिर है कि केजरीवाल ने जिन योजनाओं की घोषणाएं कीं, उन्हें मुख्यमंत्री आतिशी का भी समर्थन है, लेकिन दिल्ली सरकार के संबंधित विभागों ने एक विज्ञापन जारी कर कहा है- सरकार ऐसी कोई स्कीम नहीं चला रही।

भारत में नये अर्थ के निर्माता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति का एक खास रंग देने की महक उठती है

उदारीकरण एवं आर्थिक सुधार के महासूर्य का अस्त होना!

ललित गर्ग

डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से आर्थिक सुधार का महासूर्य अस्त हो गया, भारतीय राजनीति में एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, जो राष्ट्र के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। वे निश्चित ही आर्थिक सुधारों एवं उदारीकरण के नींव के पत्थर थे, मील के पत्थर थे। वे आर्थिक सुधार की बुलंद आवाज थे। उन्हें आर्थिक सुधार, भारत में वैश्विक बाजार व्यवस्था एवं उदारीकरण का जनक कहा जा सकता है।

भारत के धुरंधर अर्थशास्त्री, प्रशासक, कद्दावर नेता, दो बार प्रधानमंत्री रह चुके डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से आर्थिक सुधार का महासूर्य अस्त हो गया, भारतीय राजनीति में एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, जो राष्ट्र के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। वे निश्चित ही आर्थिक सुधारों एवं उदारीकरण के नींव के पत्थर थे, मील के पत्थर थे। वे आर्थिक सुधार की बुलंद आवाज थे। उन्हें आर्थिक सुधार, भारत में वैश्विक बाजार व्यवस्था एवं उदारीकरण का जनक कहा जा सकता है। जिन्होंने न केवल देश-विदेश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हो गये हैं। डॉ. सिंह यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त राष्ट्रनायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, भारत में नये अर्थ के निर्माता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति का एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. सिंह के निधन पर कहा है कि जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना आसान बात नहीं है। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।' दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय वित्त मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार चलाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया।

विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे, उनके लिये वे मार्गदर्शक ही नहीं, प्रेरणास्रोत भी है। वे बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से भारतीय राजनीति एवं लोकतांत्रिक संस्थान चमकते रहे हैं। डॉ. सिंह ने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोलने के लिए उदारीकरण सुधार लागू किए। साथ ही, उन्होंने लाइसेंस राज समाप्त कर, निजीकरण और राज्य नियंत्रण में कमी की। डॉ. सिंह द्वारा विदेशी निवेश को आकर्षित करने के साथ निर्यात को प्रोत्साहित किया गया। डॉ. सिंह का जन्म ब्रिटिश भारत के पंजाब में 26 सितम्बर 1932 को हुआ था। उनकी जन्मतिथि भी 26 एवं निधन तिथि भी 26 एक संयोग ही कहा जायेगा। उनकी माता का नाम अमृत कौर और पिता का नाम गुरुमुख सिंह था। देश के विभाजन के बाद सिंह का परिवार भारत चला आया। डॉ. सिंह की पत्नी का नाम गुरशरण कौर है, जो कि एक गृहिणी और गायिका भी हैं। उनके तीन बेटियां हैं। पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे कैमब्रिज विश्वविद्यालय गये। जहाँ से उन्होंने पीएच. डी. की। तत्पश्चात् उन्होंने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। डॉ॰ सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ॰ सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किये गये। इसके तुरन्त बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। इसके बाद के वर्षों में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ॰ सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मन्त्री रहे। डॉ. सिंह ने भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में लगातार दो कार्यकाल पूरे किए हैं। पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू किया। वहीं सूचना का अधिकार अधिनियम भी उनके कार्यकाल में आया। इसके अतिरिक्त उन्हें ऐतिहासिक भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता पर हस्ताक्षर के लिए भी जाना जाता है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया। हालांकि, इस दौरान उन्हें 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला और राष्ट्रमंडल खेल घोटाले जैसे विवादों का भी सामना करना पड़ा। यह बात हम सभी जानते हैं कि उन्हें मौन पीएम भी कहा जाता था, हालांकि उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए सार्वजनिक रूप से इसका सटीक जवाब भी दिया था। विकास के प्रति डॉ. सिंह की प्रतिबद्धता और उनकी अनेक उपलब्धियों को उन अनेक सम्मानों के माध्यम से मान्यता मिली है जो उन्हें प्रदान किए गए हैं। इनमें 1987 में पद्म विभूषण, 1993 में वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी पुरस्कार, 1993 और 1994 में वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी पुरस्कार और 1995 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार शामिल हैं।

दृष्टि कोण

मुफ्त की चुनावी घोषणाएं बिगाड़ रहीं हैं आर्थिक सेहत

दिल्ली चुनाव को अभी एक महीने से ज्यादा का समय बाकी है। उससे पहले दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने महिला सम्मान योजना को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत महिलाओं के खाते में हर महीने 1000 रुपये आएंगे। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चुनाव के बाद इसको बदलकर 2100 रुपए करेंगे। चुनाव जीतने के लिए मुफ्त की रेवड़ी बांटने वाली आप अकेली पार्टी नहीं हैं। जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, राजनीतिक दलों में खैरात बांटने की होड़ लग जाती है। इसका एकमात्र मकसद चुनाव जीतना है। इसके नुकसान-फायदों की राजनीतिक दलों का परवाह नहीं हैं। यह अलग बात है कि चाकू खरबूजे पर गिरे या खरबूजा चाकू पर, कटना तो खरबूजे को ही है। मसलन फ्री का माल लेने वाले को भी आखिरकार इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। किसी न किसी रूप में टैक्स का बोझ उन पर भी पड़ता है। फ्री की योजनाओं का फायदा उठाने वाले भी इससे बढने वाली महंगाई की मार से बच नहीं सकते। इससे पहले राजस्थान में विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वोटरों को फ्री में स्मार्टफोन और तीन साल के लिए फ्री इंटरनेट का वायदा किया था। गहलोत ने राज्य के हर परिवार को हर महीने 100 यूनिट तक फ्री बिजली फ्री देने का ऐलान किया था। मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कांग्रेस की सरकार बनने पर हर परिवार को 100 यूनिट तक फ्री बिजली देने का वादा किया। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना योजना के तहत सवा करोड़ गरीब महिलाओं के खाते में एक हजार रुपये जमा कराए। कांग्रेस ने वादा किया था कि उसकी सरकार आई तो हजार नहीं बल्कि 1,500 रुपये दिए जाएंगे। शिवराज ने युवाओं को लुभाने के लिए 12वीं कक्षा के कुल 9000 टॉपर्स को एक-एक स्कूटी देने का भी ऐलान किया था। चुनावी रेवड़ी बांटना का कल्चर शुरु से ही विवादों से घिरा रहा है। सुप्रीम कोर्ट, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, आर्थिक विशेषज्ञ, चुनाव आयोग और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक इस पर चिंता जता चुके हैं। कोई भी राजनीतिक दल व्यापक देशहित से जुड़े ऐसे मुद्दों का समाधान तलाशना तो दूर बल्कि चर्चा तक करना नहीं चाहता। सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त राशन और अन्य मुफ्त योजनाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि आखिर लोगों को ₹फ्री की रेवड़ीं₹ कब तक बांटी जाएगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान मुफ्त राशन देना समय की जरूरत थी, लेकिन अब रोजगार और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि देश के 81 करोड़ लोगों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मुफ्त या सब्सिडी वाला राशन दिया जा रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, ₹तो मतलब सिर्फ टैक्सपेयर्स ही ऐसे लोग हैं जिन्हें मुफ्त राशन नहीं मिल रहा है। यह स्थिति गंभीर विचार का विषय है।₹ वर्ष २०२२ में श्रीलंका का आर्थिक संकट सामने आया तो इसने दुनियाभर की सरकारों को चेता दिया। सर्वदलीय बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि श्रीलंका से सबक लेते हुए हमें मुफ्त के कल्चर से बचना चाहिए। जयशंकर ने कहा कि श्रीलंका जैसी स्थिति भारत में नहीं हो सकती, लेकिन वहां से आने वाला सबक बहुत मजबूत है। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक रैली में रेवड़ी कल्चर पर सवाल उठाए थे। पीएम मोदी ने कहा था कि आजकल हमारे देश में मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने का कल्चर लाने की भरसक कोशिश हो रही है। ये रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। रेवड़ी कल्चर वालों को लगता है कि जनता जनार्दन को मुफ्त की रेवड़ी बांटकर उन्हें खरीद लेंगे। मोदी ने कहा था कि हमें मिलकर रेवड़ी कल्चर को देश की राजनीति से हटाना है। भारत में ऐसी लुभावनी पर आर्थिक तौर पर घातक चुनावी वायदों की शुरुआत तमिलनाडु से मानी जाती है। वर्ष 2006 में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव में डीएमके ने सरकार बनने पर सभी परिवारों को फ्री कलर टीवी देने का वादा किया। डीएमके के इस चुनावी वादे को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। हालांकि, डीएमके जीत गई। वादा पूरा करने के लिए 750 करोड़ रुपये का बजट लगाया गया। मामला सुप्रीम कोर्ट में चल ही रहा था कि 2011 के विधानसभा चुनाव में विपक्षी अन्नाद्रमुक ने टीवी के जवाब में मिक्सर ग्राइंडर, इलेक्ट्रिक फैन, लैपटॉप, कम्प्यूटर, सोने की थाली आदि बांटने का वादा कर दिया। शादी होने पर महिलाओं को 50 हजार रुपये और राशन कार्ड धारकों को 20 किलो चावल देने का वादा भी किया। नतीजे आए तो अन्नाद्रमुक की सरकार बन गई। 2006 के चुनावी वादे पर जुलाई 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फ्रीबीज सभी लोगों को प्रभावित करती है, जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की जड़ को काफी हद तक हिला देती हैं।

कुछ अलग

दूसरे टाइप के लेखक

वे मेरे जैसे लेखक नहीं थे, वे दूसरे टाइप के लेखक थे। मेरा काम लिखना और छपवाना था, उनका इससे दूर-दूर तक का नाता न था। दरअसल वे लेखक टाइप बुद्धिजीवी थे, जो गोष्ठियों में गहन विमर्श, उनकी अध्यक्षता और कहीं व्याख्यान देते पाए जाते थे। मुझसे यह सब नहीं हो पाता था। कहीं कोई विचार मंत्रणा होनी होती तो उन्हें बुलाया जाता। कला केन्द्रों में भी उन्हीं की दरकार थी। लिखना और फिर उसे छपवाना, वे इसे हल्की बात मानते थे। उनके कहे आप्त वचन छपते थे समाचार-पत्रों में। उनका कोई सम्मेलन होता और उनकी सूची छपती तो मैं उन नामों को पहचान नहीं पाता। यह दिवालियापन मेरा था, इसमें उनकी तनिक भी गलती नहीं थी। सुना था उन्होंने कभी लिखा था, और इतना प्रभावी लिखा था कि उनका नाम हो गया और वे देश के बौद्धिक वर्ग की शिरकत करने में आगे आ गए थे। मैंने लाख कोशिश की कि मैं उन जैसा दूसरे टाइप का लेखक बन जाऊं, लेकिन एक तो लिखने की आदत नहीं छूट रही थी, दूसरा लोग उन जैसी पहचान मुझे दे भी नहीं पा रहे थे। सत्य तो यही है कि मैं दूसरे टाइप का लेखक बनना चाहता था, परंतु शायद यह मेरे भाग्य में नहीं है। बात-बात में हंसना, सहज रहना, मजाक बाजी करना, ये मेरे कुटेव थे-जो मुझे दूसरे टाइप का लेखक नहीं बनने दे रहे थे। उनकी तरह रहना मेरे बस की बात नहीं थी। वे जो बोलते थे, मेरी समझ से परे था। सदैव गंभीर मुद्रा में आसमान को ताकना, चेहरे पर तनिक हास्य क्या आ जाए और नया तुला बोलकर सबको हतप्रभ कर देना, उनकी अपनी फितरत और अंदाज था। खूब लिखने-छपने के बाद भी वे मुझे नहीं जानते थे। पहली बात तो उन तक पहुंचना आसान नहीं था, फिर भी कभी कोई उनसे मिलवाता तो वे चालाकी से मुझे नजरअंदाज कर जाते और मैं मन मसोसकर रह जाता। मेरी अपनी उत्कंठा थी कि वे मुझे जानें और मैं उन्हें जानूं। लेकिन ऐसा कभी संभव ही नहीं हो पाया, क्योंकि वे दूसरे टाइप के लेखक थे, मुझे इतना तो पता चल गया था-उनमें से कुछ अंग्रेजी की दुनिया के थे, कुछ विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर थे, कुछ फिल्मी दुनिया के थे और कुछ अन्य भारतीय भाषाओं के पहुंचे हुए और घुटे हुए थे। कुछेक बड़े पदों पर आसीन थे तो कुछेक बड़े पदों से सेवानिवृत्त होकर इस दूसरे टाइप के लेखक बन गए थे। वे संगठनों से जुड़े हुए थे, उनमें पदाधिकारी थे और उनका अपना पंथ था। दूसरे टाइप के लेखकों का रहन-सहन और पहन-पहनावा यानी उनकी जीवन शैली भी मुझसे काफी भिन्न थी। वे खाते भी थे, पीते थे और आचरण से भी शुद्ध नहीं होने के बावजूद अपना कदम और कद अहम बनाए हुए थे। कपड़े भी एकदम पाश्चात्य सभ्यता के, मुड़े-तुड़े और महंगे। इनके साथ इन्हीं की तरह की कुछ महिला लेखिकाएं भी थीं। ये सब महानगरों से ताल्लुक रखते थे। मेरे गांव के घासियारे नहीं थे। चेहरे पर शालीनता और कुलीनता दोनों एक साथ देखी जा सकती थी। बस मैं इसी टाइप का बनना चाहता था, लेकिन अफसोस असीम प्रयासों के बावजूद मैं अपना मूल 'टाइप' नहीं बदल सका। दूसरे टाइप के लेखक मुझे लुभाते थे, खींचते थे और आकर्षक लगते थे। दूसरे टाइप के लेखक कितने अलग होते हैं, अक्सर मैं सोचा करता हूं।

देश दुनिया से

प्रदेश में हो अपना क्रीड़ा संस्थान

हिमाचल प्रदेश में यूरोप व अमेरिका की तरह जलवायु होने के कारण यहां पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एक उच्च स्तरीय खेल संस्थान की जरूरत है क्योंकि बेहतर आबोहवा में प्रशिक्षण के लिए करोड़ों खर्च करके हमारे खिलाड़ी विदेश जाते हैं। देश में राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला बहुत बढिया प्रशिक्षण स्थल है मगर वहां गर्मियों में ट्रेनिंग करना बहुत मुश्किल है। जब हम राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला में प्रवेश करते हैं तो गेट से सौ मीटर आगे चल कर बायीं ओर एक शिला पर लिखा है विश्वविद्यालयों के ग्रंथकीट नहीं, वरिष्ठ लिपिक नहीं, अपितु हमें ऐसे महापुरुष निकालने चाहिए जो विश्व पटल पर भारत को गौरव प्रदान कर सकें। खेल संस्थान का मतलब विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कराने वाला संस्थान है। हिमाचल प्रदेश सरकार की खेल नीति को नया स्वरूप मिल चुका है। इस नीति में स्तरीय ढांचे की बात तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम को खिलाड़ी के अनुरूप करने की कोशिश की है जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देकर खिलाड़ी प्रदेश व देश को पदक जीतकर तिरंगे को सबसे ऊपर उठा कर जन-गण-मन की धुन पूरे विश्व को सुना सके। हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन हुक्मरानों ने खेल विभाग को कभी खेल प्राधिकरण तो कभी खेल संस्थान बनाने की वकालत की है, मगर हिमाचल प्रदेश में खेलों की हकीकत सबके सामने है। नई खेल नीति में राज्य खेल संस्थान का भी जिक्र है। हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए विश्व स्तरीय खेल ढांचा तो बनकर तैयार हो चुका है, मगर प्रशिक्षकों व अन्य सुविधाओं के अभाव में यहां पर उस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में अभी तक भी खेल संस्कृति का अभाव साफ देखा जा सकता है। धूमल सरकार में बनी खेल नीति में हिमाचल के खिलाडियों को सरकारी नौकरी में तीन प्रतिशत आरक्षण बहुत बड़ी सौगात है। अब दो दशक बाद विभिन्न पहलुओं के ऊपर नयी खेल नीति में सुधार किया गया है, मगर देखते हैं इसका जब जमीनी हकीकत से सामना होगा तो वास्तव में सरकारी तंत्र व खेल संस्थान इसे कितना सही कार्यनिष्पादित करवा पाते हैं। खेलों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो, इससे जब हजारों विद्यार्थी फिटनेस कार्यक्रम से गुजरेंगे तो उनमें कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। खेल नीति में हिमाचली खिलाडियों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन के लिए राज्य में अधिक से अधिक खेल अकादमियां व शिक्षा संस्थानों में खेल विंग, स्थान की सुविधा व प्रतिभा को देखते हुए सरकारी व खेल संघों के माध्यम से खोलने को कहा गया है तथा भविष्य में विभिन्न बड़ी कंपनियों से सीआरएस के माध्यम से राज्य में खेल ढांचे को सुदृढ़ करने की मंशा भी है। मनरेगा से भी ग्रामीण क्षेत्रों में प्ले फील्ड की सुविधा जुटाने की बात कही गई है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद भी अभी तक सुधरा नहीं है। यह अलग बात है कि कुछ जुनूनी प्रशिक्षकों के बल पर कभी-कभी अच्छे परिणाम जरूर आए हैं। इसके बावजूद हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर कुछ एक खेलों को छोड़ कर अधिकांश बार पिछड़ा ही रहा है। हिमाचल हो या देश का कोई अन्य राज्य, उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने के लिए केवल प्रशिक्षक ही मुख्य किरदार दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत के खेल मंत्रालय व कई राज्यों ने भी अपने यहां हाई परफॉर्मेंस प्रशिक्षण केन्द्र खोलने पर जोर दिया है तथा वहां पर वे उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाले प्रशिक्षकों को अनुबंधित कर रहे हैं। खेलो इंडिया, गुजरात व पंजाब के उच्च खेल परिणाम दिलाने वाले प्रशिक्षण केन्द्रों की तरह ही हिमाचल प्रदेश में भी अधिक से अधिक इस तरह के हाई परफॉर्मेंस केंद्र व अकादमियां खोलनी होंगी। इन प्रशिक्षण केन्द्रों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन करवाने वाले अनुभवी प्रशिक्षकों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने की शर्तों पर पांच वर्षों के लिए अनुबंधित करना चाहिए, ताकि हिमाचल प्रदेश की संतानों को भी हिमाचल प्रदेश में रह कर ही बेहतर प्रशिक्षण सुविधा मिल सके। केन्द्र व केरल सरकार की तर्ज पर प्रशिक्षकों को भी खिलाड़ी की तरह नकद ईनामी राशि व अवार्ड का प्रावधान किया गया है। आप अगर हर विद्यार्थी को फिटनेस के लिए खेल मैदान में ले जाएंगे, तो उनमें से जरूर कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। प्रतिभा खोज के बाद पढ़ाई के साथ-साथ प्रशिक्षण के लिए अच्छी खेल सुविधाएं मुहैया कराई जानी चाहिएं। इसके लिए राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान की तर्ज पर अपना राज्य क्रीड़ा संस्थान हो। इसके लिए खेल मंत्री कृतसंकल्प नजर आते हैं। जल्द ही इसे अमलीजामा पहनाया जा सकता है। खेल संस्थान में हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों को वैज्ञानिक आधार पर लंबी अवधि के प्रशिक्षण शिविर लगें तथा प्रदेश के शारीरिक शिक्षकों व पूर्व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों के लिए सेमिनार व कम अवधि के प्रशिक्षक बनने के कोर्सेज हों। साथ ही साथ यहां पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पूर्व लगने वाले कोचिंग कैम्प भी अनिवार्य रूप से लगाए जाएं ताकि पहाड़ के लोगों को भी वही सुविधा उपलब्ध है जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट प्रदर्शन किए जा सकें। खेल नीति में उन राष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए वजीफे की बात की गई है जो खेल छात्रावास के बाहर हों। उन्हें भी खेल छात्रावास के अंतर्गत दैनिक खुराक भत्ता व अन्य सुविधाओं के ऊपर खर्च होने वाली राशि के बराबर वजीफा देने की वकालत हो। खेल प्राधिकरण बनने से पहले राष्ट्रीय स्तर पर यह कार्य राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला करता था। खेल नीति में प्रदेश का अपना खेल संस्थान हो, ऐसी बात कही गई है। हिमाचल प्रदेश में खेल संस्थान बनता है तो यह यहां के खिलाडियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पदक विजेता बनाने में जहां सहायक सिद्ध होगा, वहीं साथ ही गर्मियों के लिए देश के पास एक अच्छा प्रशिक्षण केन्द्र हो जाएगा।

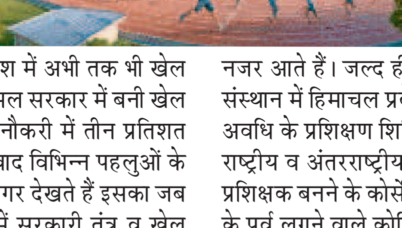

आप का नजरिया

भाजपा के अपने कांग्रेसी

अकेले मिले भी तो कैसे मिले, दुनिया की निगाहों में खटक गए। चर्चाओं से सियासी समुद्र के ज्वारभाटे सामने आते हैं, इसलिए बेताज भी उनकी खबर से बादशाह नजर आते हैं। खबर उस दरबार की है, जो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के सान्निध्य में, पार्टी की नब्ज पर हाथ रखे हुए हिमाचल के कुछ नेताओं से मिल रहा था। अचानक पार्टी में आ कर गौण हुए इन नेताओं का भाजपाईकरण, पार्टी अध्यक्ष से औपचारिक भेंट नहीं निजी अस्तित्व के सवाल पूछ रहा था तो यह खबर नहीं, घटनाक्रम है प्रदेश की सियासत का नया क्रम है। मिलने वाले छह नेता अपने वर्ण से कांग्रेसी रहे हैं, लेकिन भाजपा में शरीक होकर उच्च श्रेणी के होकर भी अछूत हो गए। छह नेताओं का अचानक मिलन, अपने आप में गठन और अपने लिए संगठन में बहुत कुछ खोज रहा है। यह इसलिए भी कि भाजपा की छांव में जब कांग्रेस से कुछ दरख्त चाहिए थे, इन तत्कालीन विधायकों ने उम्र के रिश्तों और भविष्य के खतरों से बेखबर होकर अपना सर्वस्व पार्टी को दे दिया। आज भी राज्यसभा में भाजपा सदस्यों की गिनती में बढ़ोतरी होती है, तो कहीं हर्ष महाजन की जीत में अंगुली इन्हीं नेताओं की ओर उठती है। उसके बाद हुए उपचुनाव में तीन नेताओं को अपनी जमीं खोनी पड़ी। बेशक सुधीर शर्मा, इंद्रदत लखनपाल और आशीष शर्मा के पास विधायक होने का रुतबा लौट आया, लेकिन जहां लुढक़ा वहां भाजपा रिक्त नहीं हो सकती, विरक्त नहीं हो सकती। यह कल की भाजपा नहीं, आज की भाजपा है, जो पार्टी कॉडर को जमीन से लेकर आसमान तक ढूंढती है। ये छह नेता कांग्रेस के आकाश से खोजे गए, तो क्या वक्त गुजर जाने के बाद जमीन पर पटक दिए गए। क्या संगठनात्मक चुनावों में भाजपा की किश्तियों ने इनसे किनारा किया। क्या बढ़े हुए मंडलों की तादाद में इन नेताओं के आगाज को ग्रहण लग रहा है। यह स्पष्ट है कि मंडलों की फिरौतियों में भाजपा के बीच, कई धड़े और मंसूबे निकल आए हैं और अगर कांग्रेस निशानों में इस खटपट का उल्लेख करती है, तो भाजपा की किश्ती पर कई 'मांझीराम' सफर कर रहे हैं। कितने हिमाचल के घर में हैं, कितने दिल्ली की मुंडेर पर हैं पंछी, यह गिनती होने लगी है। आखिर एक साथ छह नेताओं का कदमताल यह भी तो ज्ञापित कर रहा है कि भाजपा के रक्त में कांग्रेस का बीज कहां तक छुपा है। भाजपा के लिए कांग्रेस की परवरिश से आ मिले नेताओं के उच्चारण और सियासी मजहब तो स्वीकार करने ही पड़ेंगे। ऐसे में भाजपा की संगठनात्मक शक्ति के नए मंजर पर स्वीकारोक्तियां तो बढेंगी ही और इसी में से एक का गुलदस्ता थामे सुधीर शर्मा, आशीष शर्मा, राजिंद्र राणा, इंद्रदत्त लखनपाल, चैतन्य शर्मा व देवेंद्र भुट्टो अगर जगत प्रकाश नड्डा के उजाले से मिल रहे हैं, तो यह नजारा केवल एक तस्वीर नहीं, बल्कि 'श्वेत एवं श्याम' पत्र भी हो सकता है। नेताओं की इस टोली में केवल भाजपा नहीं और न ही कांग्रेस, बल्कि हिमाचल के कई राजनीतिक संतुलन, संभावना व क्षमता है। माना कि इस बार राजिंद्र राणा पर भाजपा का भीतरघात असर कर गया, लेकिन अगली चौसर में एक अलग पारी बिछेगी। सुधीर शर्मा के मार्फत भाजपा ही नहीं जीती, वहां कांग्रेस सरकार का शिविर हारा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तनाव से बचने के लिए मधुर संगीत का सहारा लें। चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी।इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। घर में रस्म–रिवाज़ आदि होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द करनी पडेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। अगर हाल में आप व आपका जीवनसाथी बहुत ख़ुश महसूस नहीं कर रहे थे, तो आज हालात बदल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

भले ही आप उत्साह से लबरेज़ हों, फिर भी आज आप किसी ऐसे की कमी महसूस करेंगे जो आज आपके साथ नहीं है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस–पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोंगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालांकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। उदार बनें और ईमानदारी से तारीफ़ करें। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन–साथी को तनाव दे सकती है। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ख़ुद तनावग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। पेशेवर तौर पर आज का दिन सकारात्मक रहेगा। इसका भरपूर उपयोग करें। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार–चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। यात्राओं से व्यवसाय के नए मौक़े मिलेंगे। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आज आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरुरत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। अपनी उपयोगिता की ताक़त को सकारात्मक सोच और बातचीत के ज़रिए विकसित करें, ताकि आपके परिवार के लोगों को लाभ हो। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपको कुछ शानदार आशीर्वाद दें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। किसी तीसरे इंसान का दख़ल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। यह वह दिन है जब आपको अपनी अहम योजनाओं पर रोशनी डालने के लिए ख़ास और बड़े लोगों से मिलना चाहिए। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद को दरकिनार महसूस कर सकता है।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 28 दिसंबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 03:34 तक
नक्षत्र : अनुराधा रात्रि 10:13 तक
योग : शूल रात्रि 10:22 तक
करण : गर सायं 03:06 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:44 , सूर्यास्त 05:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:40 , सूर्यास्त 06:02 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:34, सूर्यास्त 05:53 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:34, सूर्यास्त 05:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : शनि प्रदोष व्रत , पूर्वाषाढा में रवि रात्रि 12:25 से भद्रा रात्रि 03:33 से ,गण्डमूल रात्रि 10:14 से

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

डॉ. मनमोहन सिंह साधारण पृष्ठभूमि से उभरकर बने आर्थिक सुधारों के युगपुरुष : भजनलाल

जयपुर,27 दिसंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के पर शुक्रवार को गहरा शोक व्यक्त किया। शर्मा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह ने छोटे से गांव एवं साधारण परिवार से निकलकर ज्ञान और समर्पण से देश को आर्थिक सुधारों के एक नए युग में प्रवेश कराया। वित्त मंत्रालय के सचिव, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर, केन्द्रीय मंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में देश सेवा में अमूल्य योगदान के लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा। उनके विनम्र और सहज व्यक्तित्व ने सार्वजनिक जीवन में उन्हें विशेष स्थान दिलाया। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने और परिवारजनों को यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

राज्यपाल ने पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह के निधन व्यक्त की शोक संवेदना

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह का निधन अपूरणीय क्षति है। उन्होंने से उनकी पुण्यात्मा को शांति प्रदान करने और परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह का निधन देश के लिए क्षति है। शर्मा ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा उनके परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

दौसा में एक्सप्रेस–वे के पास 3000 हैक्टेयर जमीन में बनेगी इंडस्ट्रियल टाउनशिप, जमीन की तलाश

दौसा,27 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्य की भाजपा सरकार के पहले ही साल में हुए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के बाद रीको और उद्योग विभाग के अफसर पूंजी निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने में जुट गए हैं। राजस्थान औद्योगिक विकास और निवेश निगम के शीर्ष अधिकारियों ने हाल ही RIICO के अध्यक्ष और उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा तथा RIICO प्रबंध निदेशक इंदरजीत सिंह ने दौसा और आसपास के क्षेत्रों का दौरा किया।

यह दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे के पास प्रस्तावित औद्योगिक टाउनशिप के लिए भूमि की तलाश के उद्देश्य से किया गया। प्रमुख सचिव अजिताभ शर्मा और इंदरजीत सिंह ने दौसा के जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार से मुलाकात कर एक्सप्रेस वे के आसपास भूमि उपलब्धता पर चर्चा की।

इस दौरान अजिताभ शर्मा ने कहा हमारी प्राथमिकता 3,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि की पहचान करना है, जो दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेस– वे के पास ग्रीनफील्ड औद्योगिक टाउनशिप के लिए उपयुक्त हो। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इसी साल अगस्त में घोषणा की थी कि राज्य सरकार एक्सप्रेस वे के पास एक नया औद्योगिक पार्क स्थापित यह पहल राजस्थान के औद्योगिक परिदृश्य को बदलने और राज्य को औद्योगिक विकास के नए युग में प्रवेश कराने के उद्देश्य से की जा रही है।

उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने कहा कि भूमि अधिग्रहण से पहले भूमि संग्रहण (एग्रीगेशन) पहला कदम है। हम उपयुक्त की पहचान के लिए यहां आए हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट के तुरंत बाद RIICO पहला विभाग है, जिसने योजनाओं को अमलीजामा पहनाना शुरू किया। समिट के एक सप्ताह के भीतर एक जर्मन कंपनी को भूमि आवंटित की गई और अब औद्योगिक टाउनशिप के विकास के लिए भूमि की का कार्य प्रारंभ किया गया है। RIICO के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि RIICO के सभी क्षेत्रीय प्रमुखों को निवेशकों को भूमि उपलब्ध कराने और सभी आवश्यक नियामक अनुमतियां दिलाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्हें जिला प्रशासन के साथ तालमेल बनाकर क्लीयरेंस, एनओसी और प्लांट स्थापित करने लिए जरूरी अनुमतियां प्राप्त करने को कहा गया है। यह पहल राज्य के औद्योगिक विकास को तेज गति देने और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए की जा रही है।

3 वर्षीय बालिका के बोरवेल में गिरने के 100 घंटे बाद भी रेस्क्यू अधर में

कोटपूतली,27 दिसंबर (एजेंसियां)।

कोटपूतली के कीरतपुरा गांव में 3 वर्षीय बच्ची के 700 फीट गहरे बोरवेल में गिरने के मामले 5 दिन बीत चुके हैं, लेकिन एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें अब तक बच्ची को निकालने में असफल रही हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन में बार–बार आ रही रुकावटों और रणनीति बदलने की वजह से परिजन और ग्रामीण प्रशासन पर सवाल उठा रहे हैं।

रेस्क्यू के दौरान 30 फीट लंबे लाइनर और खराब मौसम जैसी बाधाएं सामने आ रही हैं। टीम ने ऑपरेशन को तेज करने के लिए 100 टन क्षमता वाली नई क्रेन मंगवाई है, जबकि पहले से मौजूद 50 टन की क्रेन को वापस भेज दिया गया। भारी बारिश और मिट्टी धंसने से ऑपरेशन में मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं।इससे पहले दौसा में 5 वर्षीय आर्यन को 56 घंटे में बचाने वाले एनडीआरएफ टीम लीडर योगेश कुमार मीणा की रणनीति यहां असफल होती दिख रही है। परिजनों का आरोप है कि प्रशासन और टीम की योजना में स्पष्टता की कमी है, जिससे समय पर बच्ची को बचाने देरी हो रही है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि 27 घंटे बाद प्लान बी क्यों अपनाया गया और इतने दिन बाद भी रेस्क्यू क्यों अधर में है। बच्ची को सुरक्षित बाहर निकालने की उम्मीद में परिजनों और ग्रामीणों की आंखें प्रशासन पर टिकी हैं, लेकिन निरंतर देरी ने धैर्य तोड़ दिया है।

ट्रेन में महिला यात्रियों के गहने चोरी करने वाली गैंग का भंडाफोड़

सरगना सहित 8 सदस्य गिरफ्तार

जोधपुर,27 दिसंबर (एजेंसियां)। जीआरपी जोधपुर पुलिस की टीम ने बड़ी कार्रवाई कर ट्रेनों में महिलाओं के गहने चोरी करने वाली गैंग का खुलासा करते हुए गैंग के सरगना सहित आठ सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों को कोर्ट में पेश पुलिस रिमाण्ड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

एसपी अभिजीत सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मारुफ अली पुत्र एवज अली (66) निवासी कोतवाली जिला बिजनौर, गम्भीर सिंह चौधरी उर्फ नागराज पुत्र जसबहार सिंह (50) निवासी हल्दौर जिला बिजनौर हाल हापुड़ उत्तरप्रदेश, इकबाल अहमद अंसारी पुत्र हबीब अहमद निवासी नेहटोर जिला बिजनौर, नौशाद उर्फ गुड्डु पुत्र जिलानी उर्फ राव (44), शरीफ रहमान पुत्र जील्लू रहमान (52), वसीम अहमद खान पुत्र रशीद (42) निवासी सिविल लाईन जिला हरिद्वार उतराखण्ड एवं महावीर सिंह पुत्र रामगोपाल धीमर (35) व अनिल कुमार पुत्र मुकेश कुमार लोदी (28) निवासी छर्रा जिला अलीगढ है।गिरफ्तार आरोपियों के विरूद्ध पूर्व में भी कई प्रकरण दर्ज होना पाया गया है। उक्त गैंग द्वारा देश के कई राज्यो में चोरी की वारदात किये जाने की संभावना के चलते पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है।

दौसा में पश्चिमी विक्षोभ से हुई मावठ किसानों के चेहरे पर खुशी

दौसा,27 दिसंबर (एजेंसियां)।

पश्चिमी विक्षोभ के चलते दौसा में शुक्रवार को बारिश हुई। मावठ से किसानों के चेहरे खिल गए हैं। शाम को बूंदाबांदी के बाद जिला मुख्यालय पर रिमझिम बारिश हुई। इससे सड़कों पर पानी बह निकला। जिला मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्र में हुई मावठ से रबी फसलों को जीवनदान मिला है। इससे चना, सरसों गेहूं की पैदावार बढ़ेगी। जिले भर में हुई मावठ से किसानों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार मावठ शनिवार को भी हो सकती है। इससे फसलों को काफी फायदा होगा।

इससे पूर्व सुबह से ही बादल छाए रहे। सर्द हवाओं के कारण का असर महसूस किया गया, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ। दिन का अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 14 डिग्री दर्ज किया गया। ठंड के चलते सुबह बाजारों में लोग अलाव तापते नजर आए, वहीं कार्यालयों और संस्थानों में उपस्थिति कम रही।

हरियाणा के सभी स्कूलों में 1 से 15 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश घोषित

चंडीगढ़,27 दिसंबर (एजेंसियां)।

सर्दी के मौसम को ध्यान में रखते हुए हरियाणा के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में जनवरी से 15 जनवरी 2024 तक शीतकालीन अवकाश घोषित कर दिया है। इस संबंध में शिक्षा विभाग की ओर से आधिकारिक आदेश जारी कर दिए गए हैं। आदेश के अनुसार 16 जनवरी 2024 को सभी स्कूल फिर से खुल जाएंगे।शीत लहर को देखते हुए लिया गया फैसलाहर साल सर्दियों बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए शीतकालीन अवकाश की घोषणा की जाती है। इस बार भी लगातार गिरते तापमान और कड़ाके की ठंड को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। प्रशासन का मानना है कि छात्रों को ठंड से बचाने और उनके स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने लिए यह कदम बेहद जरूरी है।

शिक्षा विभाग का आदेश

शिक्षा विभाग ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि इन 15 दिनों के दौरान सभी स्कूलों को पूरी तरह से बंद रखना होगा। हालांकि, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को जरूरी कामों के लिए स्कूल आने के निर्देश जा सकते हैं।

छात्रों और अभिभावकों की प्रतिक्रिया

छात्रों और अभिभावकों ने इस फैसले का स्वागत किया है। शीतकालीन अवकाश के दौरान अभिभावकों को सलाह दी गई है कि वे छुट्टियों के दौरान बच्चों को गर्म कपड़े पहनाने, पौष्टिक आहार देने और ठंड से बचाने के लिए घर के रहने के लिए प्रेरित करें। इसके अलावा छात्रों को पढ़ाई से जुड़े छोटे–छोटे कार्यों में व्यस्त रखने से उनके समय का सही उपयोग करने में मदद मिलेगी।

16 जनवरी से नियमित कक्षाएं

शीतकालीन अवकाश के बाद 16 जनवरी से स्कूलों में नियमित कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। प्रशासन ने स्कूल से छात्रों को ठंड से बचाने के लिए हीटर और गर्म पेयजल की सुविधा जैसे पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा है। यह निर्णय न केवल बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि इससे ठंड के मौसम में उनकी पढ़ाई और अन्य गतिविधियों को प्रभावी ढंग जारी रखने में भी मदद मिलेगी।

मनमोहन सिंह के रूप में देश ने एक कुशल राजनीतिक और अर्थशास्त्री को खोया : सैनी

चंडीगढ़,27 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की है। यहां जारी शोक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह जी के निधन देश ने न केवल एक कुशल राजनीतिक बल्कि देश सेवा के लिए समर्पित व्यक्तित्व और कुशल अर्थशास्त्री को खोया है। उन्होंने कहा कि पंजाब के एक साधारण से परिवार एवं छोटे से गांव से भारत के अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री बनने का सफर उनके समर्पण व देश की सेवा को है।

उन्होंने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह जी को हमेशा ही सादगी और विद्वता के लिए याद किया जाएगा। देश के विकास के लिए किए गए आर्थिक फैसलों में उनका योगदान हमेशा अविस्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री ने परमात्मा से प्रार्थना की है कि इस दुःख की घड़ी में शोक संतप्त को यह दुःख सहने का संबल प्रदान करे और दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

बंडारू ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर दुख व्यक्त किया

हरियाणा राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय भारत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह एक अनुभवी राजनितीज्ञ, कुशल अर्थशास्त्री और दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने अपना जीवन देश लोगों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया।

राज्यपाल ने कहा कि देश के विकास में उनके योगदान व लोगों के कल्याण के लिए उनकी प्रतिबद्धता को हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने वित्त मंत्री के रूप में देश को वित्तीय संकट से उबारने लिए उदारीकरण की नीति लागू की थी। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कई संरचनात्मक सुधार किए जिससे भारत की अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूती मिली। दत्तात्रेय ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति देने लिए ईश्वर से प्रार्थना की। दत्तात्रेय ने कहा कि परमात्मा दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे।

देश पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.सिंह के योगदान को हमेशा याद रखेगा : सैलजा

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री, उत्तराखंड की प्रभारी, सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निधन की सूचना से मन बेहद है। उनका जाना पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है, लेकिन मेरे लिए यह परिवार के एक बड़े और मार्गदर्शक के चले जाने जैसा है। भारत के आर्थिक सुधारों में उनका योगदान ऐतिहासिक है जो सदैव याद किया जाएगा।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन हृदय विदारक: अनिल विज

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है और उनके निधन को दुर्भाग्यपूर्ण और हृदय विदारक बताया है। कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का निधन दुर्भाग्यपूर्ण और हृदय विदारक है। मैं उनके निधन पर दुख व्यक्त करता उन्होंने कहा कि इस दुख के कठिन समय में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। प्रभु परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति दें। उनकी यादें हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेंगी।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर जताया शोक

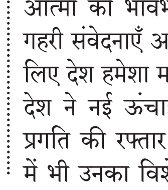

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। इस मौके पर हुड्डा ने कहा दुनिया के महान अर्थशास्त्री, भारत में आर्थिक सुधारों के पुरोधा और अपने काम के जरिये देश को प्रगति पथ पर आगे बढ़ाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन की खबर से मन व्यथित है।

उनके जाने से राजनीतिक जगत को अपूरणीय क्षति हुई है, जो निकटतम में भर पाना बेहद मुश्किल है। वो दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि और परिवारजनों व समर्थकों के प्रति गहरी संवेदनाएँ अर्पित करते हैं। उनके कार्यों, योजनाओं और योगदान के लिए देश हमेशा मनमोहन सिंह को याद रखेगा। उनके कार्यकाल के दौरान देश ने नई ऊंचाईयों को छुआ और दुनिया सबसे ज्यादा तेजी से प्रगति की रफ्तार हासिल की। पूरे देश के साथ हरियाणा के विकास में भी उनका विशेष योगदान रहा।

महाकुंभ में निर्मल गंगा को साकार कर रहा नमामि गंगे मिशन

340 एमएलडी क्षमता के 10 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट हो रहे संचालित

महाकुंभ नगर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 को न केवल आध्यात्मिकता का महापर्व, बल्कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का आदर्श प्रतीक बनाने के लिए नमामि गंगे मिशन ने अनूठी और व्यापक योजनाओं को लागू किया है। गंगा की पवित्रता और सतत प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए, प्रयागराज में वर्तमान में 10 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) संचालित हो रहे हैं, जिनकी कुल क्षमता 340 एमएलडी है।

महाकुंभ 2025 की विशेष तैयारियों को सशक्त बनाने के लिए नमामि गंगे मिशन की ओर से तीन नई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिनके अंतर्गत सलोरी में 43 एमएलडी, रसूलाबाद में 90 एमएलडी और नैनी में 50 एमएलडी क्षमता के अतिरिक्त एसटीपी का निर्माण किया जा रहा है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त गंगा जल उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि गंगा की अविरलता और निर्मलता को दीर्घकालिक रूप से सुनिश्चित करना भी है।

गंगा और यमुना नदियों की निर्मलता और स्वच्छता को पुनर्स्थापित करने के लिए प्रयागराज में अद्वितीय प्रयास किए जा रहे हैं। कभी 81 नालों से प्रदूषित होने वाली इन नदियों की कहानी अब बदल रही है। नमामि गंगे मिशन और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से, इन नालों को स्वच्छता की धारा में परिवर्तित करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

वर्तमान में, 81 में से 37 नालों को पूरी तरह टैप कर उनका उपचार किया जा चुका है, जिससे इन नदियों में प्रदूषण का प्रवाह रुक गया है। इसके अलावा, 5 नालों को सूखा या अप्रभावी पाया गया है, जिन्हें किसी प्रकार के उपचार की आवश्यकता नहीं है। यही नहीं, महाकुंभ 2025 की तैयारियों के तहत, राज्य सरकार ने अपने बजट में 17 नालों को टैप करने का दायित्व लिया है और इसके लिए आवश्यक संसाधन व प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराई जा रही है।

शेष 22 नालों को टैप करने का कार्य नमामि गंगे मिशन (एनएमसीजी) के नेतृत्व में किया जा रहा है, जो स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है।

महाकुंभ 2025 को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए नमामि गंगे मिशन द्वारा शुरू की गईं दूरदर्शी योजनाओं का उद्देश्य गंगा और यमुना नदियों की निर्मलता और स्वच्छता को बनाए रखना है, ताकि नदियों की पवित्रता के साथ-साथ पर्यावरणीय संतुलन को भी संरक्षित किया जा सके। गंगा और यमुना को निर्मल और अविरल बनाए रखने के लिए अत्याधुनिक तकनीक, योजनाबद्ध अवसंरचना और समाज की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से सुनिश्चित किया जा रहा है कि गंगा और यमुना की पवित्रता आने वाली पीढ़ियों तक अक्षुण्ण बनी रहे। मिशन की यह पहलें केवल महाकुंभ को सफल बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका लक्ष्य प्रयागराज की सीवरेज अवसंरचना को दीर्घकालिक रूप से मजबूत करना भी है।

महाकुंभनगर में श्रद्धालुओं को राह दिखाएंगे 800 साइनेज

400 से ज्यादा साइनेज स्थापित

महाकुंभनगर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

इस बार महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को घाट और आश्रमों तक पहुंचने में कहीं भटकना नहीं पड़ेगा। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मेला प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं। महाकुंभनगर के रास्तों की सटीक जानकारी श्रद्धालुओं को मिल सके, इसके लिए सिर्फ मेला क्षेत्र में 800 साइनेज लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। अब तक कुल मिलाकर 400 से अधिक साइनेज की स्थापना कर दी गई है, जबकि 31 दिसंबर तक सभी 800 साइनेज लगाने का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। प्रयागराज का पीडब्ल्यूडी विभाग युद्ध स्तर पर इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है। प्रतिदिन 100 साइनेज की स्थापना का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है।

महाकुंभ में देश के अलग-अलग प्रांतों से करोड़ों लोग आएंगे। इसके अतिरिक्त दुनिया के कई अन्य देशों से भी श्रद्धालु यहां संगम में आस्था की डुबकी लगाने और पुण्य कमाने के लिए आएंगे। ऐसे में भाषायी समस्या न आने पाए, इसका विशेष ध्यान रखा गया है। इसी क्रम में पीडब्ल्यूडी ने सीएम योगी के निर्देश पर विभिन्न भाषाओं में यहां साइनेज स्थापित किए हैं। इसमें हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं के साथ ही अन्य राज्यों की भाषाओं को भी प्रमुखता दी गई है। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी ने बड़ी संख्या में लोगों के प्रयागराज आने की संभावनाओं को देखते हुए भाषायी समस्याओं को दूर करने के लिए निर्देश दिए थे। इसी क्रम में पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट की ओर से यह कदम उठाया गया है। इन साइनेज की मदद से किसी भी राज्य से आने वाले श्रद्धालुओं को घाट और आश्रमों तक पहुंचने में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं आएगी।

पीडब्लूडी प्रयागराज के मुख्य अभियंता, एके द्विवेदी ने बताया कि विभागीय टीम युद्ध स्तर पर साइनेज लगाने के कार्य में जुटी हुई है। केवल मेला क्षेत्र में 800 साइनेज लगाने का लक्ष्य था, जिसमें से 400 साइनेज स्थापित कर दिए गए हैं। प्रतिदिन 100 साइनेज स्थापित करने के लक्ष्य के साथ कार्य किया जा रहा है। हर हाल में पूरे मेला क्षेत्र में सभी 800 साइनेज लगाने का कार्य 31 दिसंबर से पहले पूर्ण कर लिया जाएगा। इसी तरह पांटून ब्रिजों को भी तेजी से क्रियाशील किया जा रहा है। गुरुवार शाम तक 28 पांटून ब्रिज पूर्ण कर लिए गए हैं। किसी किसी ब्रिज में थोड़ा बहुत काम बाकी है, लेकिन जल्द ही इन सभी को क्रियाशील कर दिया जाएगा। शेष 2 ब्रिज भी 31 से पहले पूर्ण कर लिए जाएंगे।

एसटीएफ ने साइबर ठग को दबोचा

चाइना से ऑपरेट हो रहा गैंग बिटक्वाइन में भेजी जाती है रकम

लखनऊ, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

राजधानी में यूपी एसटीएफ ने साइबर ठग को गिरफ्तार किया। यह जिस गैंग का सदस्य है वह चाइना से ऑपरेट हो रहा है। ठगी की रकम बिटक्वाइन में भेजी जाती है। पूछताछ में आरोपी ने चौंकाने वाला खुलासा किया। एसटीएफ की टीम ने ठग को दुबग्गा स्थित अवध अस्पताल के पास से पकड़ा है। आरोपी ने विकास नगर निवासी डॉक्टर अशोक सोलंकी को डिजिटल अरेस्ट रखकर 48 लाख रुपए हड़पे थे।

पूछताछ में पता चला कि गिरोह में शामिल ठगों ने कंबोडिया जाकर ठगी का प्रशिक्षण लिया था। भारत लौटने के बाद फर्जीवाड़ा कर रहे थे। मामले में एसटीएफ पहले ही पांच लोगों को हरियाणा के गुरुग्राम और तीन को लखनऊ से पकड़ चुकी है। एसटीएफ के एडिशनल एसपी विशाल विक्रम सिंह के मुताबिक 22 अगस्त को डॉ. अशोक सोलंकी ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित के मुताबिक 20 अगस्त को जब वह क्लीनिक से लौट रहे थे तो अनजान नंबर से फोन आया था।

फोनकर्ता ने कहा कि वह फेडेक्स सर्विस, अंधेरी ईस्ट, मुंबई से बोल रहा है। आपके एक कुरिअर ईरान के लिए अरमान अली के नाम पर भेजा गया है। इसमें चार एक्सपायर्ड पासपोर्ट, लैपटॉप, पेन ड्राइव, चार क्रेडिट कार्ड, 420 ग्राम प्रतिबंधित मादक द्रव्य और तीन किलो ट्रॉयज आदि सामान भेजा गया है। आपके आधार कार्ड से हवाला के जरिए लेनदेन हुए हैं। मामले में कंपनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। डॉक्टर को झांसे में लेकर दो दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा गया। कभी मुंबई क्राइम ब्रांच, ईडी, सीबीआई तो कभी नारकोटिक्स विभाग का अफसर बनकर बात की और झांसे में लेकर 48 लाख रुपए ऐंठ लिए थे।

इस मामले में एसटीएफ ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया था। बृहस्पतिवार को सर्विलांस की मदद से एसटीएफ की टीम ने दुबग्गा हरदोई रोड से गाजियाबाद के मुरादनगर जलालाबाद निवासी कृष्ण कुमार उर्फ सुनील को गिरफ्तार किया। पकड़े गए जालसाज कृष्ण कुमार के पास से एक मोबाइल फोन, 6 डेबिट कार्ड, तीन चेकबुक, एक बैंक खाते की किट, एक साइन किया हुआ चेक, एक इंटरनेट बैंकिंग सिक्योरिटी कोड डिवाइस, दो सिमकार्ड, 202 पेज का व्हाट्सएप स्क्रीनशॉट, जिसमें बैंक खातों की पूरी डिटेल थी और 2040 रुपए मिले हैं।

कृष्ण कुमार ने पूछताछ में बताया कि वर्ष 2016 में आधुनिक इंस्टीट्यूट दुहाई गाजियाबाद में बीटेक में एडमिशन लिया था, पर एक वर्ष बाद बीटेक ड्रॉपआउट कर मोनार्ड यूनिवर्सिटी हापुड़ से बीएससी किया।

महाकुंभ में नेत्र परीक्षण का बनेगा वर्ल्ड रिकॉर्ड

नागवासुकि मंदिर के पास बनकर तैयार हुआ नेत्र कुंभ

महाकुंभ नगर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 कई मायनों में इस बार वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित करने जा रहा है। मेला प्राधिकरण की ओर से इस बार विभिन्न श्रेणियों में 4 अलग-अलग वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए जाने की तैयारी की गई है, जबकि किसी एक आयोजन में एक साथ सर्वाधिक संख्या में श्रद्धालुओं के जुटने का भी वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित होने की पूरी संभावना है। इसके साथ ही नेत्र परीक्षण और चश्मा वितरण का भी वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित होने जा रहा है। यह पहला अवसर होगा जब किसी आयोजन में एक साथ 5 लाख लोगों के नेत्र परीक्षण किए जाएंगे और तीन लाख चश्मे वितरित किए जाएंगे। इसके लिए नागवासुकि के पास सेक्टर 5 में भव्य नेत्रकुंभ बनकर तैयार है। करीब 10 एकड़ क्षेत्र में स्थापित नेत्र कुंभ 2025 का शुभारंभ 5 जनवरी को किया जाएगा। इसके बाद यहां आने वाले श्रद्धालु निशुल्क अपनी आंखों की जांच करा सकेंगे और आवश्यकता होने पर अपने घर लौटकर करीब के अस्पताल में उसका ऑपरेशन भी करा सकेंगे।

आयोजन समिति के सदस्य डॉ. रंजन बाजपेई ने बताया कि 5 जनवरी को नेत्र कुंभ का शुभारंभ किया जाएगा। उद्घाटन मुख्य अतिथि जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज के कर कमलों से होगा, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में गौरांग प्रभु जी महाराज एवं मुख्य वक्ता के रूप में संघ के सह कार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल जी रहेंगे।

उन्होंने बताया कि पिछले नेत्र कुंभ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के नेत्र परीक्षण किए गए थे। इस बार इसकी संख्या को दोगुना कर दिया गया है। इस बार तीन लाख चश्मा और 5 लाख ओपीडी का लक्ष्य है। एक दिन में 10 हजार ओपीडी का लक्ष्य है। इसके लिए व्यापक व्यवस्था की गई है। इस बार का नेत्र कुंभ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाएगा। पिछली बार इसने लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपनी जगह बनाई थी और इस बार इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में जगह दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए एक समिति बनाई जाएगी, जो आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

उन्होंने कहा कि पूरे भारत वर्ष से हमने 240 बड़े अस्पतालों के साथ टाईअप किया है। पूरे भारत के विभिन्न प्रांतों से डॉक्टर्स अपनी सेवाएं देने के लिए यहां आ रहे हैं। हमारा प्रयास यही है कि लोगों को पुनः ज्योति मिल सके। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों के रहने और उनके खाने पीने की व्यवस्था की गई है। जो जिस प्रांत से आया है, उसको उसके प्रांत का भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। डॉक्टर्स के लिए चार बेड की 40 डॉरमेट्री बनाई गई हैं, जबकि महिला डॉक्टर के लिए भी अलग से डॉरमेट्री की व्यवस्था है। इन डॉरमेट्रीज में कुल 140 डॉक्टर्स रहेंगे। इसके अतिरिक्त तीर्थयात्रियों के लिए 16-16 बेड की डॉरमेट्री बनाई गई है, जबकि कार्यकर्ताओं के लिए 8-8 बेड की डॉरमेट्री निर्मित की गई है।

आयोजन में क्राउड मैनेजमेंट की जिम्मेदारी संभाल रहे राजेश कुमार सिंह ने बताया कि करीब 10 एकड़ में नेत्र कुंभ निर्मित हुआ है। इसमें कुल 11 हैंगर बनाए गए हैं। पिछली बार सिर्फ 5 हैंगर थे। यहां सुव्यवस्थित तरीके से नेत्र जांच की जाएगी। एक बड़ा हैंगर बनाया गया है, जहां सभी श्रद्धालु जमा होंगे।

इसके बाद उन्हें दो अलग-अलग ओपीडी चैंबर्स में भेजा जाएगा, जहां वो अपना रजिस्ट्रेशन कराने के बाद डॉक्टर्स को दिखा पाएंगे। रजिस्ट्रेशन के पीछे डॉक्टर्स चैंबर बनाए गए हैं, जिसमें 4-4 डॉक्टर्स और 10-10 ऑप्टोमेस्ट्रिस्ट रहेंगे। यहीं पर एक मेडिसिन काउंटर और एक रेफरल काउंटर रहेगा। यहां से चश्मे के लिए रेफर किया जाएगा। चश्मे का अलग ब्लॉक बनाया गया है। पिछली बार की तरह इस बार भी इंश्योर किया गया है कि लोगों को बहुत अच्छी क्वालिटी के चश्मे प्राप्त हो सकें। इस बार हमने चश्मा वितरण के लिए सिर्फ एक ही वेंडर को हायर किया है और उसे अच्छे से अच्छी क्वालिटी का चश्मा देने की रिक्वेस्ट की है। ये वेंडर लगभग सभी बड़ी कंपनियों को अपने चश्मे प्रोवाइड कराता है।

आयोजन समिति में शामिल दिल्ली के सुनील कुमार सिंह ने बताया कि नेत्र कुंभ में नेत्र दान करने वालों के लिए भी एक शिविर बनाया गया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह प्रयागराज में सम्राट हर्षवर्धन जी अपना सर्वस्व दान कर देते थे, उसी से प्रेरित होकर पूरे प्रदेश और देश से दान-वीर यहां आते हैं। हमारे यहां अंधता के लगभग डेढ़ करोड़ लोग हैं। इनमें से तमाम लोग ऐसे हैं, जिनके कार्निया खराब हो गए हैं। उनको कार्निया की आवश्यकता है। हमसे बहुत छोटा देश श्रीलंका पूरी दुनिया को कार्निया देता है। हमने संकल्प लिया है कि हम यहां भी नेत्रदान का एक शिविर लगाएंगे और उसमें जो लोग अपने नेत्र दान करने की इच्छा रखते हैं वो यहां नेत्र दान कर लोगों को ज्योति दे सकेंगे। पिछली बार 11 हजार से अधिक लोगों ने नेत्र कुंभ में नेत्रदान किया था।

ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने कहा

सीएम योगी के क्रियाकलापों में दिखती है प्रतिबद्धता

महाकुंभ नगर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 के आयोजन और इसके लिए योगी सरकार द्वारा की जा रही अभूतपूर्व व्यवस्था पर ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना की है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के लिए प्रयागराज में जो विकास कार्य किए जा रहे हैं उसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने पूर्ण लगन से इस कुंभ पर्व की व्यवस्था की है। सिर्फ कुंभ ही नहीं, प्रदेश को उन्नति के पथ पर अग्रसर करने की प्रतिबद्धता उनके क्रियाकलापों में दिखती है। सभी संत और प्रदेशवासी उन्हें धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने प्रदेश को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। यही नहीं, उन्होंने प्रदेश और देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सनातन धर्म के प्रति लोगों को एकजुट करने के लिए भी पीएम मोदी और सीएम योगी के प्रयासों की प्रशंसा की।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रयागराज में जनवरी 2025 से शुरू हो रहे सनातन संस्कृति के सबसे बड़े समागम को भव्य और दिव्य बनाने के लिए वृहद स्तर पर प्रयास कर रही है। इसके लिए 6 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की धनराशि खर्च की गई है। संगम जाने वाले रास्तों का चौड़ीकरण हो या सौंदर्यीकरण विकास परियोजनाओं से प्रयागराज का कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं है। इनका संज्ञान लेते हुए स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने कहा कि प्रयागराज में भव्य और दिव्य कुंभ पर्व होने जा रहा है। जो विकास के कार्य प्रदेश सरकार और सीएम योगी के मार्गदर्शन में किए जा रहे

हैं, वह अभूतपूर्व हैं। बहुत अच्छी व्यवस्था की जा रही है। क्षेत्र का विस्तार भी खूब हो रहा है। सभी विभागों के कर्मचारी और अधिकारी अच्छा काम कर रहे हैं। इसके लिए सीएम योगी का साधुवाद है। हम उनके प्रति भी मंगलकामना करते हैं।

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, काशी में विश्वनाथ कॉरिडोर, विंध्य कॉरिडोर समेत उत्तर प्रदेश और देश में धार्मिक स्थलों के विकास के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पीएम और सीएम के नेतृत्व में देश सांस्कृतिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ रहा है। मोदी और योगी हिंदू संस्कृति और संस्कार के प्रति निष्ठावान हैं। उनका प्रयास है कि हिंदु संस्कृति की जागृति हो, सभी लोग वैदिक सनातन धर्म के अंतर्गत अपने समाज, अपने राष्ट्र, अपने धर्म, अपने धर्म क्षेत्र की उन्नति में प्रयत्नशील हों। इसके दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे। आज सनातन धर्मावलंबी जाग्रत हुए हैं और अपनी संस्कृति को लेकर उनमें जागरूकता आई है। इसके लिए पीएम और सीएम को श्रेय दिया जाना चाहिए।

संभल के विषय पर उन्होंने कहा कि हम चाहेंगे कि सभी दबे, छिपे मंदिरों का पुनरोद्धार हो और सभी चीजें समाज के सामने आएं और उसका लाभ समाज को मिले। सुप्रीम कोर्ट में प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट पर उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का जो भी निर्णय होगा, सभी को मानना चाहिए। सीएम योगी और पीएम मोदी के एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे नारे पर उन्होंने कहा कि सबको एकजुट होना चाहिए। सभी भारतीय हैं, भारतीय संस्कृति से संबद्ध हैं। सबको मिलकर एक साथ रहना चाहिए। समाज को बांटने वाले लोगों से हमें अलग रहना चाहिए। महाकुंभ पर उन्होंने कहा कि पूरे देश और दुनिया के लोग यहां पर आएंगे। सभी को संगम स्नान का पुण्य मिलेगा और उनकी मनोकामना पूर्ण होगी।

पशुधन उत्पादकता बढ़ाने के लिए चारागाह विकास पर फोकस

लखनऊ, 27 दिसंबर (ब्यूरो)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रामीण विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और पशुधन उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य में मनरेगा के तहत ग्राम पंचायतों में चारागाहों का विकास तेजी से किया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पशुधन के लिए चारे की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना और किसानों की आजीविका को मजबूत करना है। ग्राम्य विकास विभाग ने इस दिशा में प्रभावी कदम उठाते हुए प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के तहत, गांवों में उपलब्ध बंजर, अनुपयोगी या सामुदायिक भूमि का उपयोग चारागाहों के विकास के लिए किया जाएगा। इसके माध्यम से इन जमीनों को हरियाली से आच्छादित किया जाएगा, ताकि पशुधन के लिए पर्याप्त चारा उपलब्ध कराया जा सके। मनरेगा योजना अंतर्गत इस अभियान से न केवल पशुधन उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। योजना के तहत, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, जिससे स्थानीय समुदाय की आय में भी वृद्धि होगी। सामुदायिक और व्यक्तिगत कार्यों के माध्यम से रोजगार का यह अवसर ग्रामवासियों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ग्राम्य विकास विभाग के अनुसार, पशुधन उत्पादकता को बढ़ाने के लिए चारे की पर्याप्त उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। पहले भी इस दिशा में प्रयास किए गए हैं, लेकिन इस बार चारागाह विकास को प्राथमिकता देने के लिए जिलों को विशेष निर्देश दिए गए हैं। यह सुनिश्चित किया गया है कि परियोजना का कार्यान्वयन समयबद्ध और प्रभावी ढंग से किया जाए। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने मनरेगा के तहत चारागाह विकास कार्य को अनुमन्य किया है। इसका लाभ उठाते हुए प्रदेश सरकार ने इस योजना को प्रदेशव्यापी स्तर पर लागू करने का निर्णय लिया है। इस योजना का उद्देश्य न केवल पशुधन संवर्धन है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों की समृद्धि और आर्थिक प्रगति सुनिश्चित करना भी है। योगी सरकार की इस पहल से कई सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। यह योजना ग्रामीण समुदायों के लिए एक बहुआयामी लाभ का माध्यम बनेगी। जहां एक ओर यह ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करेगी, वहीं दूसरी ओर गांवों की बंजर भूमि को हरियाली में बदलकर पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास में योगदान देगी।

यह योजना योगी सरकार के समग्र ग्रामीण विकास दृष्टिकोण का हिस्सा है।

साल 2024 में 127 मौतों के बावजूद पर्यटकों के लिए सुरक्षित रहा कश्मीर

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 27 दिसंबर।

पिछले साल की बनिस्बत इस बार कश्मीर में आने वाले पर्यटकों ने एक नया आंकड़ा बनाया है और यह भी एक सच्चाई है कि कश्मीर में इस बार 30 लाख के करीब पर्यटक आए पर उनके खिलाफ किसी प्रकार की आपराधिक घटना या आतंकी हमले की सूचना नहीं है। ऐसे में कश्मीर को वर्ष 2024 में पर्यटकों के लिए सबसे अधिक सुरक्षित साल माना गया है।

यह सच है कि कश्मीर ने पर्यटकों के लिए स्वर्ग के रूप में अपनी प्रतिष्ठा की पुष्टि की है। अधिकारियों का कहना था कि 2024 में पर्यटकों के खिलाफ केवल एक ही अपराध की रिपोर्ट दर्ज की गई है। यह उल्लेखनीय आंकड़ा उस वर्ष सामने आया है जब कश्मीर ने 40,000 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों सहित 3 मिलियन से अधिक पर्यटकों का स्वागत किया है।

कश्मीर आने वाले पर्यटकों ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार, सुरक्षा बलों और हितधारकों, जैसे होटल मालिकों, हाउसबोट मालिकों और शिकारा मालिकों के प्रयासों की लगातार प्रशंसा की है। बेंगलुरु की एक पर्यटक ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि हम बिना किसी डर के, देर रात तक भी कश्मीर की स्वतंत्र रूप से खोज करते रहे हैं। उसके शब्दों में यहां की गर्मजोशी और आतिथ्य अद्वितीय है।

इस वर्ष पहलगाम में हुई एकमात्र घटना कश्मीर के समग्र सुरक्षा रिकार्ड को रेखांकित करती है। पर्यटन उद्योग के हितधारकों ने अधिक शुल्क लेने पर अंकुश लगाने और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं, जिससे पर्यटकों का विश्वास बढ़ा है। बेंगलुरु के एक अन्य पर्यटक ने कहा, कश्मीर वास्तव में सबसे सुरक्षित जगह लगता है। राष्ट्रीय मीडिया में आप जो कहानियां सुनते हैं, वे यहां की वास्तविकता को नहीं दर्शाती हैं। सरकार और पर्यटक पुलिस ने सतर्कता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे सभी पर्यटकों के लिए परेशानी मुक्त और यादगार अनुभव सुनिश्चित हुआ है।

श्रीनगर में एक स्थानीय हाउसबोट मालिक ने कहा, हम पर्यटकों को अपने परिवार की तरह मानते हैं। उनकी खुशी और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। विदेशी पर्यटक, जो कश्मीर में आने वाले पर्यटकों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, ने भी इन भावनाओं को दोहराया है।

जर्मनी के एक यात्री का कहना था कि कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता केवल इसके लोगों की दयालुता से मेल खाती है। वे कहते थे कि मैंने अपनी पूरी यात्रा के दौरान सुरक्षित और स्वागत महसूस किया है।

लाखों पर्यटकों की आमद के बीच कश्मीर की इस तरह के सुरक्षित वाता-वरण को प्रदान करने की क्षमता इसकी तैयारियों और इसमें शामिल सभी लोगों के सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है। पर्यटक कश्मीर की लुभावनी सुंदरता से अचंभित हैं, इसकी शांत डल झील से लेकर राजसी गुलमर्ग की ढलानों तक। मुंबई के एक नवविवाहित जोड़े के शब्दों में कश्मीर का हर कोना शांति और सद्भाव की कहानी कहता है। वे कहते हैं, हम सभी से आग्रह करते हैं कि वे आएं और इस स्वर्ग का प्रत्यक्ष अनुभव करें। सतर्क प्रशासन, समर्पित हितधारकों और लगातार बढ़ती आतिथ्य भावना के साथ, कश्मीर सुरक्षा और प्राकृतिक सुंदरता का रत्न साबित हो रहा है। ऐसे में कश्मीर को उम्मीद है कि इसके अद्वितीय आकर्षण को देखने के लिए और भी अधिक पर्यटक आएंगे।

मारुति सुजुकी के मानद अध्यक्ष ओसामु सुजुकी का निधन

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

वाहन निर्माता जापानी कंपनी सुजुकी मोटर कार्पोरेशन के वरिष्ठ सलाहकार एवं यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के निदेशक और मानद अध्यक्ष ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया है।

मारूति सुजुकी ने आज यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये श्री सुजुकी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। कंपनी ने कहा है कि श्री सुजुकी एक दूरदर्शी नेता थे, जिनके उल्लेखनीय योगदान ने वैश्विक ऑटोमोबाइल उद्योग को आकार दिया। भारत में, उनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व ने 1981 में मारुति उद्योग लिमिटेड के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने विजन के साथ श्री सुजुकी ने लाखों भारतीय परिवारों को किफायती, विश्वसनीय, कुशल और अच्छी गुणवत्ता वाले वाहनों से सशक्त बनाकर भारत को पहियों पर लाने के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में, भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग ने जापानी विनिर्माण और कार्य प्रथाओं को अपनाया, जिन्हें टीमवर्क, उत्प-ादकता और लागत प्रभावशीलता के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है। कंपनी ने कहा श्री सुजुकी की विरासत मारुति सुजुकी और भारत में पूरे ऑटोमोटिव समुदाय में हम सभी के लिए प्रेरणा के रूप में जीवित रहेगी। मोबिलिटी के माध्यम से लोगों के जीवन में मुस्कान लाने का उनका जुनून हमेशा याद रखा जाएगा। इस संकट की घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार, दोस्तों, व्यापारिक साझेदारों और सहकर्मियों के साथ हैं।

आदिवासियों के बीच आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को लेकर एनएचआरसी सख्त

केरल सरकार को जारी करेगी नोटिस

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने तिरुवनंतपुरम जिले के बाहरी इलाके में आदिवासियों के बीच आत्महत्याओं में चिंताजनक वृद्धि की रिपोर्ट के बाद केरल सरकार और राज्य के पुलिस प्रमुख को नोटिस भेजा। एनएचआरसी ने कहा कि अकेले इस साल लगभग 23 आत्महत्याएं दर्ज की गईं। अनुमान के अनुसार 2011-2022 के बीच लगभग 138 घटनाएं जिले के पेरिंगममाला पंचायत में हुईं। एनएचआरसी ने एक बयान में कहा, अब दो साल की अपेक्षाकृत शांति के बाद, जिले की आदिवासी बस्तियों में आत्महत्याओं का सिलसिला फिर से शुरू हो गया है। अधिकार निकाय ने नोट किया कि रिपोर्ट की गई अधिकांश आत्महत्याओं में 20 से 30 वर्ष की आयु के युवा शामिल हैं। परिवार और आदिवासी कार्यकर्ता इन मौतों का कारण सामाजिक दबाव, अंतर-सामुदायिक विवाह और रिश्तों पर उत्पीड़न और बढ़ती शराब के दुरुपयोग और सेक्स रैकेट जैसे मुद्दों के कारण होने वाले गंभीर तनाव को मानते हैं। आयोग ने पाया कि मीडिया रिपोर्ट की सामग्री, यदि सच है, तो केरल में विशेष क्षेत्र में रहने वाले अनुसूचित जनजातियों के व्यक्तियों के जीवन के अधिकार और सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक अधिकारों से संबंधित एक गंभीर मुद्दे का संकेत देती है।

एनएचआरसी ने इस बात पर जोर दिया कि, यदि सच है, तो रिपोर्ट क्षेत्र में आदिवासी लोगों के जीवन के अधिकार और सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक अधिकारों के गंभीर उल्लंघन को उजागर करती है। समाज के कमजोर वर्ग के युवाओं द्वारा आत्महत्या वास्तव में मानवाधिकारों के उल्लंघन से संबंधित एक मुद्दा है जिस पर सरकारी एजेंसियों को तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। एनएचआरसी ने अपने बयान में कहा कि राज्य अपने अधिकार क्षेत्र के तहत प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कर्तव्यबद्ध है।

कश्मीर में भयानक सर्दी में सोपोर के जमे हुए तालाब पर क्रिकेट

30 साल में पहली बार वुलर पहली बार जमने लगी

जम्मू, 27 दिसंबर (ब्यूरो)।

कश्मीर में इस बार भयानक सर्दी कई नजारे पेश कर रही है। अगर सोपोर में जम चुके तालाब पर बच्चे क्रिकेट खेलते नजर आ रहे हैं तो डल झील भी पूरी तरह से जमने की ओर अग्रसर है। जबकि वुलर झील 30 सालों के बाद पहली बार जमने लगी है। जबकि बूंदाबांदी के बीच सूखा खत्म होने की आस भी जगने लगी है।

हाल ही में हुई बर्फबारी के बाद कश्मीर में पारे के लुढ़कने के बीच कश्मीर में जम चुके तालाब पर बच्चों द्वारा क्रिकेट का भरपूर आनंद लेने का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में कश्मीरी बच्चे चिल्लेकलां के दौरान बेहद ठंडी परिस्थितियों का आनंद लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो सोपोर का बताया जा रहा है। बच्चे क्रिकेट खेलते और जमे हुए तालाब पर फिसलते हुए दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में हुई बर्फबारी के कारण कश्मीर में तापमान में भारी गिरावट देखी गई है। हालांकि, जम्मू कश्मीर प्रशासन ने किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए जमी हुई झीलों पर चलने पर प्रतिबंध लगा दिया है। हाल ही में कश्मीर में बर्फीली रात देखी गई, जब पिछले पांच दशकों में सबसे ठंडी रात दर्ज की गई, जब तापमान -8.5 डिग्री तक गिर गया। पारे में गिरावट चिल्लेकलां की शुरुआत का संकेत माना जाता है, जिसे 'भयानक ठंड' के रूप में भी जाना जाता है। यह अवधि आमतौर पर 21 दिसंबर से शुरू होती है और 29 जनवरी तक चलती है।

यह भी सच है कि ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी को छोड़कर, दिसंबर का महीना उम्मीदों के विपरीत रहा है। मैदानी इलाकों या पहाड़ों पर कोई बड़ी बर्फबारी नहीं हुई, जिससे शीत लहर की स्थिति बनी और हिमालयी क्षेत्र में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम विशेषज्ञों ने ला नीना प्रभाव के कारण इस सर्दी के मौसम में जम्मू और कश्मीर में आगामी कठोर सर्दियों और भारी बर्फबारी की चेतावनी दी थी मध्य और पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में समुद्र की सतह का तापमान ठंडा होने से भारत में अधिक वर्षा हुई भले ही जम्मू और कश्मीर क्षेत्र में नवंबर में लगभग 70 प्रतिशत कम वर्षा हुई, जिससे कृषि और बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ। तापमान चरम पर रहा, लेकिन वर्षा न्यूनतम रही।

श्रीनगर में मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक मुख्तार अहमद कहते हैं कि दिसंबर में अधिकांश समय कोई बड़ी वर्षा नहीं होगी। उनका कहना था कि वर्षा या बर्फबारी के हमारे बड़े स्रोत पश्चिमी विक्षोभ (भूमध्य सागर से नमी वाली हवाएं) हैं। अब तक हमने 7-8 पश्चिमी विक्षोभ देखे हैं जो कमजोर थे और नमी नहीं थी, इसलिए कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ा। यही कारण है कि दिसंबर काफी हद तक ठंडा और शुष्क रहा है। वे कहते हैं कि ला नीना के कारण उन्हें अच्छी बर्फबारी की उम्मीद थी। उनका मानना था कि ला नीना हमेशा बर्फबारी नहीं लाता है। उन्होंने कहा कि उन्हें 3 से 5 जनवरी के बीच हल्की बारिश की उम्मीद है। वे कहते थे कि जनवरी की शुरुआत में मध्य और निचले इलाकों में लंबे समय तक बारिश और बर्फबारी का अनुमान है। हालांकि बागवानी विभाग के विशेषज्ञ मोहम्मद अमीन कहते थे कि यदि ठंड और सूखे की स्थिति जारी रही तो इससे कृषि और बागवानी पर असर पड़ सकता है। उनका कहना था कि कृषि फसलें तत्काल प्रभावित होंगी क्योंकि उन्हें सिंचाई की आवश्यकता है जबकि लंबे समय में यदि आने वाले महीनों में भी बारिश नहीं हुई तो इसका असर सेब, नाशपाती और अन्य बागवानी फसलों की वृद्धि पर पड़ेगा।

केजरीवाल की ओछी राजनीति से दिल्ली को नहीं मिला पीएम-अभिम योजना का लाभ: भाजपा

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-अभिम) को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया है और कहा है कि आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी की ओछी राजनीति की वजह से राष्ट्रीय राजधानी को अब तक इस योजना का लाभ नहीं मिल पाया है।

भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और सुश्री बांसुरी स्वराज ने शुक्रवार को उच्च न्यायालय के फैसले को लेकर पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित किया। इस मौके पर दिल्ली प्रदेश भाजपा के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि दिल्ली के लोगों की स्वास्थ्य चिंता को लेकर भाजपा सांसदों ने न्यायालय के माध्यम से जो लड़ाई शुरू की है, उसका जल्द ही परिणाम सामने आएगा। संवाददाता सम्मेलन पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता शुभेन्दू शेखर अवस्थी भी उपस्थित थे।

श्री बिधूड़ी ने कहा, 'पीएम-अभिम योजना' के अंतर्गत दिल्ली में अस्पतालों, लैबों और अन्य सुविधाओं के मिलने का रास्ता खुल गया है। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का इस बात के लिए आभार व्यक्त करते हैं कि दिल्ली में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए उन्होंने इस योजना के अंतर्गत 2406 करोड़ रुपए से अधिक की राशि मंजूर की थी। मगर, श्री केजरीवाल और उनकी पार्टी की ओछी राजनीति के कारण दिल्ली को इस राशि का लाभ नहीं मिल सका। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली उच्च न्यायालय का भी धन्यवाद करते हैं कि उसके निर्देश के बाद अब दिल्ली सरकार को केंद्र के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है।

उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि जिस तरह अब दिल्ली को पीएम-अभिम योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा मिलना संभव हो गया है उसी तरह दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना भी शीघ्र लागू होगी। दिल्ली के लोग भी देश के बाकी राज्यों की तरह पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज करा सकेंगे।

इस दौरान सुश्री स्वराज ने कहा कि आयुष्मान भारत केन्द्र सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसके दो पहलू हैं। उन्होंने बताया कि इसका पहला पहलू आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना है जिसके तहत पांच लाख रुपये का मुफ्त इलाज परिवार को मिलता है और 29 अक्टूबर 2024 से हर 70 साल से बड़े बुजुर्गों को मुफ्त इलाज देने की बात कही गई है, लेकिन दिल्ली में श्री केजरीवाल ने यह लागू नहीं की है।

उन्होंने बताया कि इसका दूसरा पहलू है 'पीएम-अभिम योजना' है जिसकी घोषणा फरवरी 2021 में की गई थी और अक्टूबर 2021 में शुरू की गयी थी। इस योजना के तहत पैसा आवंटित किया जा रहा है ताकि स्वास्थ्य से संबंधित बुनियादी ढांचा का उन्नयन किया जा सके। दिल्ली के लिए 2406.77 करोड़ रुपये आवंटन किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत 1139 शहरी स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र बनने थे, 11 डिस्ट्रिक्ट इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब, 09 क्रिटिकल केयर ब्लॉक्स बनने थे। वहीं 950 बिस्तर का क्रिटिकल केयर ब्लॉक्स बनने थे, लेकिन यह दुर्भाग्य की बात है कि एमओयू बना हुआ रखा है, हस्ताक्षर नहीं होता, क्योंकि दिल्ली के विकास में अवरोध डालने के अलावा श्री केजरीवाल को और कुछ नहीं आता।

उन्होंने कहा कि न्यायालय ने स्वयं संज्ञान लेते हुए 24 दिसम्बर को एक आदेश जारी किया, जिसमें साफ लिखा हुआ है कि जब 33 राज्य और केन्द्र शासित प्रदेशों ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर दिया है तो दिल्ली सरकार को क्या दिक्कत है और इसके लिए 05 जनवरी 2025 का समय निर्धारित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने पीएम-अभिम योजना को लेकर दिल्ली सरकार को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रा के साथ पांच जनवरी तक एमओयू पर हस्ताक्षर करने का निर्देश दिया है।

दिल्ली में कांग्रेस और आपा के बीच तकरार

लगातार बढ़ रही सियासी खाई, गठबंधन पर संकट

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली की राजनीति में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आपा) के बीच खींचतान बढ़ती जा रही है। आईएनडीआईए गठबंधन में शामिल इन दोनों दलों के बीच तनातनी ने नया मोड़ ले लिया है। दिल्ली विधानसभा चुनावों में दोनों दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ लड़ने का ऐलान कर दिया है। जुबानी जंग के बीच गठबंधन की एकता पर सवाल उठने लगे हैं।

कांग्रेस नेता अजय माकन ने आम आदमी पार्टी और उसके प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला करते हुए उन्हें फर्जीवाल करार दिया। माकन ने केजरीवाल पर एंटी-नेशनल होने का भी आरोप लगाया। इस बयान के बाद सियासी पारा चढ़ गया। इसके जवाब में दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कांग्रेस पर बीजेपी से मिलीभगत का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, आप को हराने के लिए बीजेपी के साथ गुप्त समझौता कर रही है।

यह लगभग तय हो गया है कि दिल्ली विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और आप साथ नहीं लड़ेंगी। आप पहले ही पंजाब में कांग्रेस के साथ गठबंधन से इनकार कर चुकी है और अब दिल्ली में भी उसी राह पर है।

कांग्रेस और आप के अलग-अलग चुनाव लड़ने से सबसे बड़ा असर मुस्लिम वोट बैंक पर पड़ सकता है। दिल्ली में लगभग 12% मुस्लिम मतदाता हैं, जो आठ विधानसभा सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

त्रिलोकपुरी और दिलशाद गार्डन जैसी सीटों पर मुस्लिम मतदाताओं की अहम भूमिका रही है।

2015 और 2020 में मुस्लिम वोटर आम आदमी पार्टी के पक्ष में एकतरफा वोट कर चुके हैं।

अगर कांग्रेस और आप अलग-अलग चुनाव लड़ती हैं, तो मुस्लिम वोटों का बंटवारा हो सकता है। इसका सीधा फायदा बीजेपी को मिलने की संभावना है। अब तक मुस्लिम मतदाता एकतरफा वोट देते आए हैं, लेकिन इस बार कांग्रेस और आप के अलग-अलग दावों से स्थिति बदल सकती है।

कांग्रेस और आप के बीच की यह सियासी खाई सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं है। यह गठबंधन की एकता पर भी सवाल खड़े कर रही है। अगर दोनों पार्टियां अपने रुख पर कायम रहती हैं, तो इसका असर न केवल दिल्ली, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़ सकता है।

डॉ. मनमोहन सिंह ने 1991 के ऐतिहासिक बजट में किए थे कई बड़े ऐलान

नई दिल्ली,27 दिसंबर (एजेंसियां)।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात को 92 साल की आयु में निधन हो गया। डॉ. सिंह न केवल प्रधानमंत्री रहे, बल्कि वित्त मंत्री के रूप में भी काम किया। उनके नाम पर कई बड़ी उपलब्धियां हैं, जब देश 90 के दशक में आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा था, तब बतौर वित्त मंत्री उन्होंने कई बड़े फैसले लिए, जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर बदल दी। आर्थिक उदारीकरण में उनका विशेष योगदान रहा है।

आर्थिक सुधारों के जनक डॉ. सिंह को 1991 के अपने उस ऐतिहासिक केंद्रीय बजट की व्यापक स्वीकृति सुनिश्चित करने के लिए अग्नि परीक्षा का सामना करना पड़ा था, जिसने देश को अपने सबसे खराब वित्तीय संकट से उबारा था। भारत के आर्थिक सुधारों के शिल्पकार डॉ. सिंह ने 1991 के ऐतिहासिक केंद्रीय बजट को मंजूर करवाने के लिए काफी संघर्ष किया था। यह वही बजट था, जिसने भारत को सबसे गंभीर वित्तीय संकटों से उबारते हुए नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

पार्टी के दबाव में डॉ. सिंह ने उर्वरक की कीमतों में 40 फीसदी वृद्धि को घटाकर 30 फीसदी करने पर सहमति दी, लेकिन एलपीजी और पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि को जस का तस रखा। वर्ष 1991 का यह बजट और इसके बाद का घटनाक्रम न केवल भारत की वित्तीय स्थिरता का आधार बना, बल्कि इसने यह साबित किया कैसे मुश्किल परिस्थितियों में दूरदर्शिता और दृढ़ता से एक नई दिशा तय की जा सकती है।

न्यूज ब्रीफ

ममता मशीनरी का शेयर अपने निर्गम मूल्य से 147 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध

MAMATA MACHINERY

नई दिल्ली। पैकेजिंग मशीन बनाने वाली कंपनी ममता मशीनरी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 243 से करीब 147 प्रतिशत उछाल के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर 146.91 प्रतिशत की बढ़त के साथ 600 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। इसके बाद यह 159.23 प्रतिशत चढ़कर 629.95 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 600 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,550.17 करोड़ रुपये रहा। ममता मशीनरी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पेशकश के पिछले सोमवार तक कुल 194.95 गुना अभिदान मिल था। कंपनी के 179 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 230-243 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित था। ममता मशीनरी पैकेजिंग उद्योग के लिए विनिर्माण समाधान प्रदान करती है। कंपनी अपनी मशीनें 'वेगा' और 'विन' ब्रांड नामों के तहत बेचती है ।

कोयला सेक्टर में 2025 में अनेक गतिविधियां की संभावना, गैसीकरण क्षेत्र में भी सरकार अधिक काम करने की बना रही योजना

नई दिल्ली। कोयला सेक्टर में आगामी वर्ष 2025 में भारत में कई महत्वपूर्ण गतिविधियां होने की संभावना है। इसमें सरकार की कोल एक्सचेंज की शुरुआत सहित अनेक पहल सम्मिलित हैं।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशियाई बाजारों में तेजी का रुख

नई दिल्ली,27 दिसंबर (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान सांकेतिक गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में छुट्टी होने की वजह से पिछले सत्र के दौरान कोई कारोबार नहीं हुआ। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर मजबूती नजर आ रही है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान सीमित दायरे में कारोबार होता रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 6,037.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.02 प्रतिशत टूट कर 20,027.75 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 43,257.35 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

एशियाई बाजारों में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। कोस्पी इंडेक्स बड़ी गिरावट का शिकार हो गया है। फिलहाल ये सूचकांक 1.45 प्रतिशत टूट कर 2,394.56 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,056.45 अंक के स्तर तक गिर गया है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 158 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,022 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,771.13 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है।

फिलहाल ये सूचकांक 1.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 40,235.29 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,121.80 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,320.72 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,400.47 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.29 प्रतिशत उछल कर 3,407.89 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

एनटीपीसी आरईएल की सादला सौर परियोजना से 37.50 मेगावाट वाणिज्यिक आपूर्ति शुरू

नई दिल्ली,27 दिसंबर (एजेंसियां)।

एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने गुजरात के सादुला में स्थित सौर पीवी परियोजना की 200 मेगावाट क्षमता में से 37.50 मेगावाट की वाणिज्यिक आपूर्ति शुरू कर दी है।

यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो एनटीपीसी की स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता को 76,598.18 मेगावाट तक पहुँचा देता है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के माध्यम से गुजरात में स्थित सादुला परियोजना के 37.50 मेगावाट की नई क्षमता का वाणिज्यिक आपूर्ति शुरू होने के साथ ही एनटीपीसी का लक्ष्य है 2032 तक 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित बिजली उत्पादन क्षमता हासिल करना।

एनटीपीसी का लक्ष्य 2032 तक 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता हासिल करना

उनका और एक लक्ष्य है 2032 तक 60 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता हासिल करना। एनटीपीसी के इस कदम से एनटीपीसी के एक अधिकारी ने कहा कि हमारा लक्ष्य है पर्यावरण को सुरक्षित बनाने और मानव समुदाय को उचित ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए अधिक सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता हासिल करना। इसके साथ ही उन्होंने इस समाधान को भी साझा किया कि उनका लक्ष्य है भारत को स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा प्रणाली प्रदान करना।

एनटीपीसी अपने प्रयासों के माध्यम से भारत का ऊर्जा स्वावलंबन बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इस कदम से एनटीपीसी ने अक्षय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के मामले में एक अच्छी दिशा में कदम रखा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कांग्रेस ने...

इस दौरान मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर और परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके निधन को राष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति बताया और कहा कि उन्हें एक दयालु इंसान, विद्वान अर्थशास्त्री और आर्थिक सुधारों के जरिए देश को एक नए युग में ले जाने वाले नेता के रूप में याद किया जाएगा। मोदी ने एक वीडियो संदेश में सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए यह भी कहा कि उनका जीवन भविष्य की पीढ़ियों को सिखाता है कि कैसे विपरीत परिस्थितियों से ऊपर उठकर ऊंचाइयों को प्राप्त किया जाता है। पीएम मोदी ने कहा, मनमोहन सिंह का निधन राष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति है। जीवन के हर क्षेत्र में सफलता हासिल करना कोई साधारण उपलब्धि नहीं है। विभाजन के दौरान भारत आने के क्रम में बहुत कुछ खोने के बावजूद उन्होंने इन उपलब्धियों को हासिल किया।

मनमोहन सिंह के निधन ...

हमारे द्विपक्षीय संबंधों में डॉ.मनमोहन सिंह का योगदान अतुलनीय था। उनका सौम्य व्यवहार हमेशा आकर्षक था क्योंकि एक अर्थशास्त्री के रूप में उनकी विशेषज्ञता और भारत की प्रगति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर कोई सवाल नहीं उठा सकता था। उन्होंने कहा, हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं डॉ.मनमोहन सिंह जी के परिवार और भारतीय लोगों के साथ हैं।

अमेरिका ने भी जताया शोक

अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने डॉ.मनमोहन सिंह को एक ऐसे नेता के रूप में याद किया, जिन्होंने अमेरिका-भारत संबंधों में एक ऐतिहासिक अध्याय की शुरुआत की। अमेरिकी राजदूत ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, हम हमारे प्रिय मित्र और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के निस्वार्थ योगदान को याद करते हैं, जिन्होंने अमेरिका-भारत संबंधों में एक ऐतिहासिक अध्याय की शुरुआत की। भारत के विकास और समृद्धि के प्रति उनका समर्पण हमें प्रेरित करता रहता है। उनके नेतृत्व और दूरदर्शिता के लिए आभारी हूं। डॉ.मनमोहन सिंह 2004 से 2014 तक दो बार भारत के प्रधानमंत्री रहे थे।

चीन ने ऐसे किया याद

चीनी राजदूत जू फेइहोंग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख हुआ, वे एक उत्कृष्ट नेता थे, जिनका भारतीय लोगों द्वारा व्यापक रूप से सम्मान किया जाता था। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति हार्दिक संवेदना। भारत में कई दूतावासों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री सिंह को याद करते हुए तस्वीरों के साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट डाले। फ्रांसीसी दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के परिवार और दोस्तों के प्रति गहरी संवेदना। दुनिया भर में प्रशंसित राजनेता अपने पीछे करुणा और प्रगति की विरासत छोड़ गए हैं। उनके नेतृत्व ने भारत की वैश्विक स्थिति और फ्रांस के साथ संबंधों को मजबूत किया। ईरान दूतावास ने कहा कि सिंह ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ईरान ने भी किया पोस्ट

दिल्ली स्थित ईरान के दूतावास ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, डॉ.मनमोहन सिंह के निधन पर दिल्ली स्थित ईरान के दूतावास ने भारत सरकार और लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की है। वह एक बेहद सम्मानित नेता थे, जिन्होंने ईरान-भारत के ऐतिहासिक संबंधों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर भारत से लेकर दुनिया भर में शोक व्यक्त किया जा रहा है। कई देशों की ओर से भी पूर्व प्रधानमंत्री को लगातार श्रद्धांजलि और शोक संदेश भेजे जा रहे हैं।

अमृतसर में नाश्ता, लाहौर में लंच और काबुल में डिनर...पाकिस्तानी नेता ने डॉ. मनमोहन सिंह को ऐसे किया याद

लाहौर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह से जुड़ी कई यादों को ताजा किया है। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री कसूरी ने कहा कि डॉ.सिंह को इतिहास में एक ऐसे व्यक्ति के रूप में याद किया जाएगा जो भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के लिए प्रतिबद्ध थे।

कसूरी ने कहा कि उनका वह बयान उन्हें सबसे ज्यादा याद आ रहा है, जिसमें डॉ. मनमोहन सिंह ने दोनों देशों के संबंधों में सुधार लाने के वास्ते कहा था, मैं उस दिन का इंतजार कर रहा हूं..जब अमृतसर में नाश्ता, लाहौर में दोपहर का भोजन और काबुल में डिनर करना संभव होगा।'' नवंबर 2002 से नवंबर 2007 तक पाकिस्तान के विदेश मंत्री रहे 83 वर्षीय कसूरी ने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) के दायरे वाले पूरे क्षेत्र में सौहार्दपूर्ण माहौल बनाने का श्रेय सिंह को दिया। उन्होंने कहा कि इसका सबसे अच्छा उदाहरण सिंह का यह बयान है कि ''वह उस दिन का इंतजार कर रहे हैं जब अमृतसर में नाश्ता, लाहौर में दोपहर का भोजन और काबुल में रात्रि भोजन करना संभव होगा।''

कसूरी ने कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि वह ऐसी प्रक्रिया का हिस्सा बनें, जिसमें दोनों देशों के बीच शांति वार्ता के दौरान अभूतपूर्व प्रगति हुई।

हैदराबाद के हेरंब...

किंजल अजमेरा ने 493 या 82.17 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा रैंक हासिल किया है। इंस्टिट्यूट ऑफ इंडियन चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (आईसीएआई) ने घोषणा की है कि इस परीक्षा में कुल 11,500 उम्मीदवार चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में योग्य पाए गए हैं, यानी कुल 11,500 उम्मीदवार इस परीक्षा को पास कर सके हैं।ग्रुप 1 में कुल 66,987 उम्मीदवार सीए फाइनल नवंबर परीक्षा में शामिल हुए थे। इनमें से 11,253 पास हुए हैं। इस ग्रुप में पास प्रतिशत 16.8 प्रतिशत है। वहीं, ग्रुप 2 में 49,459 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी और 10,566 उम्मीदवार पास हुए। ग्रुप 2 में पास प्रतिशत 21.36 प्रतिशत है। दोनों ग्रुप्स के लिए 30,763 उम्मीदवार उपस्थित हुए और उनमें से 4,134 पास हुए, अर्थात पास पर्सेंटाइल 13.44 प्रतिशत रहा। जानकारी दे दें कि आईसीएआई ने ग्रुप 1 के लिए परीक्षा 3, 5 और 7 नवंबर को आयोजित की थी। वहीं, ग्रुप 2 की परीक्षा 9, 11 और 13 नवंबर को आयोजित की गई थी।

'जय श्रीराम' का...

ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ऐसे शरारती काम करने वालों को उचित सजा मिले।' मेघालय पुलिस ने होटलों, होमस्टे (घर पर आतिथ्य की सुविधा) और टूर ऑपरेटर से कहा है कि अगर उनके पास आकाश सागर के बारे में कोई जानकारी है तो वे पुलिस को इसकी सूचना दें।

शर्ट उतारकर तमिलनाडु ...

अगर आप पिछले 3 सालों में जो कुछ हुआ है उसे देखें तो आम लोगों, महिलाओं, बच्चों और उच्च भ्रष्टाचार के खिलाफ़ लगाता अन्याय हो रहा है।

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कहा कि वह द्रमुक सरकार के हटने तक चप्पल नहीं पहनेंगे और नंगे पैर ही चलेंगे। अन्नामलाई ने आरोपी की द्रमुक नेताओं के साथ तस्वीरें दिखाते हुए आरोप लगाया कि वह सत्तारूढ़ पार्टी की छात्र शाखा का पदाधिकारी है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने सत्तारूढ़ पार्टी से जुड़े होने की वजह से अपराध को अंजाम दिया। कोयंबटूर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि चूंकि आरोपी द्रमुक से जुड़ा था, इसलिए पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं की।तमिलनाडु के कानून मंत्री एस. रेगुपति ने कहा कि यूनिवर्सिटी की छात्रा के यौन उत्पीड़न मामले का आरोपी द्रमुक का प्राथमिक सदस्य भी नहीं है। पुलिस ने पाया है कि 37 वर्षीय आरोपी पहले से ही कम से कम 10 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। आरोपी ज्ञानशेखरन ने पीड़िता को धमकाया था और कहा था कि जब भी वह उसे बुलाए, उसे मिलने आना होगा। इस बीच राष्ट्रीय महिला आयोग ने घटना का संज्ञान लिया और इसकी निंदा की।

आयोग ने तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शंकर जीवाल को खत लिखकर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 71 लागू करने को कहा, जो बार-बार अपराध करने वालों से निपटने से संबंधित है। इसने कहा,'आयोग ने पाया है कि आरोपी आदतन अपराधी है और उसने पहले भी इसी तरह के अपराध किए हैं और वह द्रमुक की सैदाई-पूर्व छात्र शाखा का उप-संगठक है। इसके अलावा, यह आरोप लगाया गया है कि उसके खिलाफ दर्ज सभी मामलों को ठंडे बस्ते में डाला जा रहा है।'

आयोग ने डीजीपी से ज्ञानशेखरन के खिलाफ दर्ज सभी प्राथमिकी की कॉपिया और ऐसे मामलों में की गई कार्रवाई का विवरण भेजने को कहा है। आयोग ने कहा कि पुलिस ने पीड़िता की पहचान का विवरण सार्वजनिक कर दिया है और पीड़िता की पहचान उजागर करने के लिए दोषी पुलिस अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। अन्नाद्रमुक, भाजपा और माकपा समेत कई पार्टियों ने ऋखठ की कॉपियों के जरिए पीड़िता की जानकारी उजागर करने के लिए पुलिस की निंदा की।

किसान नेता दल्लेवाल...

शीर्ष अदालत ने पंजाब सरकार के खिलाफ अवमानना याचिका दायर होने के कारण उससे शनिवार तक अनुपालन रिपोर्ट मांगी है। पीठ ने मामले में नोटिस जारी करते हुए पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का भी आदेश दिया। पीठ के समक्ष महाधिवक्ता ने कहा कि पंजाब के कैबिनेट मंत्री श्री दल्लेवाल से मिलने गए थे, जहां उन्हें प्रधानमंत्री को संबोधित एक पत्र सौंपा गया था। उस पत्र में कहा गया था कि अगर केंद्र हस्तक्षेप करता है, तो स्थिति शांत हो जाएगी।

उन्होंने बताया कि श्री दल्लेवाल ने कहा कि अगर कुछ बातचीत हो सकती है तो वह चिकित्सा सहायता के लिए सहयोग करने को तैयार हैं।

अदालत के समक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जब उनकी (दल्लेवाल) जान को खतरा हो तो कुछ लोग उन्हें बंधक नहीं बना सकते। पीठ ने कहा, जैसे ही वह ठीक होंगे, हम उनकी बात सुनेंगे।

श्री मेहता ने आगे कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर सकती है कि उन्हें प्रदर्शन स्थल से अस्पताल ले जाया जाए।इस पर श्री सिंह ने किसान नेता को अस्पताल में भर्ती किए जाने के दौरान धक्का-मुक्की की आशंका का संकेत दिया।इस पर पीठ ने कहा, हमें उन किसानों पर गंभीर संदेह है जो सचेत नहीं हैं और उनके (दल्लेवाल) जीवन के बारे में चिंतित नहीं हैं।

शीर्ष अदालत ने 20 दिसंबर को पंजाब सरकार से यह सुनिश्चित करने को कहा था कि खनौरी सीमा पर पिछले 24 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता श्री दल्लेवाल के स्वास्थ्य को कोई नुकसान न पहुंचे। पीठ ने कहा कि श्री दल्लेवाल को पंजाब और हरियाणा के बीच खनौरी सीमा पर विरोध स्थल के 700 मीटर के भीतर स्थापित अस्थायी अस्पताल में बेहतर इलाज के लिए ले जाया जा सकता है। वह 26 नवंबर से आंदोलनकारी किसानों की मांगों को लेकर अनशन पर बैठे हुए हैं।शीर्ष अदालत ने 19 दिसंबर को पंजाब सरकार से श्री दल्लेवाल को स्वास्थ्य जांच कराने के लिए मनाने को कहा था। तब भी अदालत ने उनकी मेडिकल जांच नहीं कराने के लिए पंजाब सरकार को फटकार लगाई थी।

बठिंडा में पुल ...

एक निजी परिवहन कंपनी की बस बठिंडा-शार्दुलगढ़ लोकल रूट पर चल रही थी। घायल लोगों को बस से अस्पताल ले जाया जा रहा है। बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

ये हादसा कैसे हुआ ये अभी तक साफ नहीं हो पाया है। बठिंडा के एसएसपी अवनीत कोंडल दुर्घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। एसएसपी अवनीत कोंडल ने बताया कि तलवंडी साबो के एसएचओ मौके पर पहुंचे। हादसे को लेकर आशंका जताई जा रही है कि बारिश हो रही थी और शायद बस की रफ्तार बहुत तेज थी इसी के चलते हादसा हुआ है। हालांकि हादसा कैसे हुआ इसको लेकर अभी को जानकारी नहीं मिली है। वहीं हादसे का शिकार हुई बस में सवार सभी यात्रियों को बाहर निकाल लिया गया है। 24 यात्रियों को हालत गंभीर बताई जा रही है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 28 दिसंबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

बाह्य व आन्तरिक दुनिया में सफल होना ही धर्म है : सुधांशु महाराज

हैदराबाद, 27 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व जागृति मिशन, हैदराबादा मंडल के तत्वावधान में पब्लिक गार्डन स्थित ललित कला तोरणम में शुक्रवार को चार दिवसीय विराट भक्ति सत्संग के दूसरे दिन संत सुधांधु जी महाराज ने कहा कि व्यक्ति के जीवन से समय हाथ से निकल जाए तो वापस नहीं आता है और शरीर से भी प्राण निकल जाए वापस नहीं आता है लेकिन जाने वाले की याद ही आती है। यह शरीर क्षणभंगुर है, अपने जीवन को अच्छे ढंग से जीकर आनन्द लिया जाए तो यह मनुष्य रूप में आपका आना सार्थक हो जाएगा। बाहरी दुनिया और आन्तरिक दुनिया में सफल होने के लिए धर्म और सत्संग का सहारा लेकर ही व्यक्ति खुद को सफल और एक अच्छा इंसान बना सकता है।पूज्य महाराजश्री ने कहा कि हर पल मुस्कुराते हुए जीने के लिए हमें धर्म से अपना सम्बन्ध जोड़ना होगा तभी एक सफल व्यक्ति होंगे। हमारे पास सब कुछ है फिर भी हम खुश नहीं हैं, पूरे मनोभाव से खुश रखकर काम करने से जीवन में खुशी का आगमन होगा। पूज्य महाराजश्री ने कहा परमात्मा को दर दर खोजने से नहीं मिलते हैं, अपितु प्रभु में खो जाने से ही मिलते हैं। अपने सद्गुरु से पूर्ण समर्पण भाव से भक्ति करने से जीवन में खुशी और आनन्द अवश्य प्राप्त होता है।

विश्व जागृति मिशन, हैदराबाद मंडल के प्रमुख तथा पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड ने बताया कि पूरे विश्व में योग को जन जन तक पहुंचाने के लिए सतत संलग्न रहे ध्यान एवं योग गुरु डॉ. आर्चिका दीदी जी का सान्निध्य हैदराबादवासियों को शनिवार को सत्संग के माध्यम से मिलेगा। उन्होंने डॉ. दीदी के साथ बैठकर खुद को धर्म व संस्कृति से जोड़ने को कहा।

आयोजन में मंडल के महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल, शंकरलाल अग्रवाल, बंकटलाल गिल्डा, कैलाशनारायन भांगडीया,नरेश बब्बानी,जसमत भाई पटेल,सज्जनलाल श्रीवास्तव,पी.रघुवीर ,सुमेरसींह राठौर, सुखदेव जोशी,रामनिवास जोशी, डी.गोपाल, राजकुमार दायमा,डॉ.सवरूपानंद नायक ,राजू भागचंदानी,शिवराज पाटिल, मानमल सैन,प्रकाश देवकर, भरत सुत्रवे,सनातन,गोरखनाथ भोसले,कैलाश खेमलानी,सुरेश बिरादर, प्रदीप लेले,जी.ओमप्रकाश, श्यामराव बागाडे, सुनील गोस्वामी, जे.भिक्षापती,भाग्यनारायण, रामचंदर राव, श्रीमती आसमान कंवर राठौर, कांता अग्रवाल, शिबानी मैथी,कालींदी चिंतावार, इंद्रानी भोपे,ममता ठाकुर, बबीता नागरे,नागेश्वरी,मंजु अग्रवाल सरोज अग्रवाल,वंदना श्रीवास्तव, एम. शांती,शोभा भोसले,राणी देवकर,स्मीता दायमा,कांता बिरादर, कविता दायमा व अन्य ने योगदान प्रदान किया।

तीन दिवसीय हाईलाइफ प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 27 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नव वर्ष, त्यौहार एवं विवाह समारोहों को लक्षित हाईलाइफ की तीन दिवसीय फैशन प्रदर्शनी शुक्रवार माधापुर हाईटेक सिटी स्थित एचआसीसी नोवोटेल में शुरू हुई। इसमें देशभर से 350 डिज़ाइनर भाग ले रहे हैं।

हाईलाइफ प्रदर्शनी का उद्घाटन अभिनेत्री कामाक्षी भास्कराला, अभिनेत्री श्रवंती एवं अभिनेत्री सुभाश्री ने किया। अवसर पर बड़ी संख्या में मॉडलों ने परिधान एवं आभूषणों का प्रदर्शन किया। उद्घाटन के बाद मुख्य आयोजक एवं हाईलाइफ के सीईओ अबे डोमिनिक ने कहा कि नववर्ष, त्यौहारों एवं विवाह समारोहों को समर्पित इस प्रदर्शनी में 35 से अधिक डिज़ाइनर भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब शादी ब्याह के समारोह शुरू होंगे। इस बात को ध्यान में रखते हुए फैशन प्रेमियों को उत्सव और शादी की खरीददारी का असाधारण अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। शीर्ष फैशन लेबल, शीर्ष डिजाइनर और कलात्मक संग्रह के रूप में हाईलाइफ प्रदर्शनी देश की अपनी तरह की सबसे बड़ी फैशन और लाइफस्टाइल प्रदर्शनी है। अबे डोमनिक ने कहा कि फैशन, ग्लैमर, स्टाइल और विलासिता का एक रोमांचक प्रदर्शन इस प्रदर्शनी में दर्शनीय है। नवीनतम फैशन एवं डिज़ाइनर वियर, वेडिंग कलेक्शन, ज्वेलरी, एसेसरीज आदि की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शनी में उपलब्ध है। यह प्रदर्शनी 29 दिसंबर तक जारी रहेगी।

कुलदेवी बधर माता के जागरण में परिवार के वरिष्ठ दम्पतियों का सम्मान

हैदराबाद, 27 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति हैदराबाद द्वारा सोमानी, मर्दा, छापरवाल, बागड़ी, मक्कड़, थिरानी सहित अन्य कई माहेश्वरी खापो की कुलदेवी बधर माता का विशाल जागरण का आयोजन पिछले 14 वर्षों से किया जा रहा है। इस वर्ष 15वां वार्षिक महोत्सव रविवार 5 जनवरी, 2025 को बधर माता धाम (माहेश्वरी भवन) बेगम बाज़ार में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें दोपहर 1.30 बजे कुलदेवी का दुर्गासप्तपदी का पाठ–यज्ञ होगा।

सांयकाल 5–30 बजे भक्तों द्वारा कुलदेवी का पूजन किया जाएगा। इस वर्ष कुलदेवी बधर माता खापों के दम्पति जिनके वैवाहिक जीवन को 50 वर्ष या अधिक हो गया हैं, वरिष्ठ दम्पतियों का सेवा समिति द्वारा सम्मान किया जाएगा। ऐसे दम्पतियों की जानकारी समिति द्वारा प्राप्त की जा रही है। समिति के अध्यक्ष राजेश सोमानी और मंत्री गोविंद सोमानी द्वारा भक्तों से विनंती की गई है कि वरिष्ठ दम्पतियों की कोई जानकारी हो तो कृपया समिति को अवगत करवायें और गोविंद सोमानी के फ़ोन नं. 9394858498 पर जानकारी दें। सांयकाल सम्मान समारोह के पश्यात नगरद्वय के भजन गायक अनुराग भूतड़ा कुलदेवी के भजन प्रस्तुत करेंगे। समिति के सभी सदस्यों ने कुलदेवी के भक्तों से आग्रह किया गया है कि अधिक से अधिक संख्या मे कार्यक्रम में उपस्थित हो कर कुलदेवी का आशीर्वाद प्राप्त करे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अन्नदान किया गया

हैदराबाद, 27 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शुक्रवार को श्री बालाजी कृपा, राधे राधे ग्रुप एवं हरचंद्रराय कौशल्यादेवी अग्रवाल परिवार द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार की सेवा की गई। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, भगतराम गोयल, ई. जगन (चंपापेट), कैलाशचंद केडिया, निर्मला केडिया, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, श्याम सुंदर अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, राजेश योगा सरजी, मायारामजी अग्रवाल, संजय. गोयल, राजेंद्र अग्रवाल (पट्टी भाई), संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, सुरेश सिंघल, मनोज अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

श्री राणी सतीजी मंगल पाठ 30 को

हैदराबाद, 27 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिटी कॉलेज के समीप स्थित श्री राणी सती मंदिर प्रांगण में आगामी 30 दिसंबर को दोपहर 2 बजे से श्री राणी सतीजी का मंगल पाठ का आयोजन किया जायेगा।

मंगल पाठ के इस मास के आयोजनकर्ता महेश अग्रवाल ने बताया की श्री राणीसतीजी मंदिर प्रांगण में प्रतिमाह की अमावस्या को संगीतमय मंगल पाठ का आयोजन किया जाता है।

उन्होंने सभी दादी भक्तों से इस महोत्सव में उपस्थित रहकर महोत्सव को सफल बनाने का आग्रह किया है। कार्यक्रम मध्यान्ह 2.00 बजे से सायंकाल 6.00 बजे तक आयोजित किया जायेगा।

परम आराधिका मंजु बाईसा एवं प्रकाश बाईसा के सान्निध्य में शादनगर मंदिर में कीर्तन एवं 21 फीट बाबोसा भगवान मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस अवसर पर शादनगर निवासी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

आयुर्वेदिक चिकित्सा टीम ने एनआईआईएमएच का दौरा किया

हैदराबाद, 27 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

डॉ. शिशिर कांत मिश्रा के नेतृत्व में शुक्रवार को ओडिशा के दस सेवानिवृत्त आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारियों की एक टीम ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज, हैदराबाद का दौरा किया। डॉ. मिश्रा और उनकी पत्नी ने संस्थान को तीन 300 से 400 साल पुराने प्राचीन ओखली और मूसल दान किए। जिनका उपयोग उनके पूर्वजों द्वारा आयुर्वेदिक दवाएं तैयार करने के लिए किया जाता था, जो पूर्व खंड राजवंश, खलीकोट राजवंश और भांजा राजवंश जैसे प्राचीन ओडिशा राजवंशों के राजवैद्य थे। यह दान संस्थान के मेडिको–ऐतिहासिक संग्रहालय को दिया गया था। जिसमें भारतीय चिकित्सा विरासत से संबंधित 1000 से अधिक कलाकृतियाँ हैं। टीम का स्वागत एन.आई.आई.एम.एच, हैदराबाद के सहायक निदेशक प्रभारी डॉ. गोली पेंचाला प्रसाद ने किया, जिन्होंने डॉ. शिशिर कांत मिश्रा और श्रीमती सस्मिता मिश्रा को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया और प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए। डॉ. श्रीदेवी वी, अनुसंधान अधिकारी आयुर्वेद, और डॉ. क्रिस एंटनी, अनुसंधान अधिकारी आयुर्वेद, एन.आई.आई.एम.एच, हैदराबाद ने आगंतुकों को संस्थान के प्रकाशन प्रस्तुत किए। डॉ. विश्वरंजन दास, अनुसंधान अधिकारी (होम्योपैथी) ने संस्थान की ओर से धन्यवाद ज्ञापन व्यक्त किया।

अमीरपेट स्थित गुरुद्वारा में वीर बाल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपास्थित सरला केतनी, दयानंद, शाशीघर रेड्डी, सपना गुप्ता, महेश, श्याम सुंदर गोंड व अन्य।

गोविंददेव गिरजी महाराज कोषाध्यक्ष राम मंदिर तीर्थक्षेत्र न्यास, अयोध्या संस्थापक, गीता परिवार के नगर आगमन पर स्वागत करते हुए अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय संघटन मंत्री शशि कांत अग्रवाल, युवा अध्यक्ष तरुण तुलस्यान, भाजपा कार्यकर्ता श्यामसुंदर कश्यप, कैलाश नारायण भंगड़िया एवं अन्य।

ज्ञानशाला ज्ञानार्थी परीक्षा 12 जनवरी को

हैदराबाद, 27 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण के पावन निर्देशन में ज्ञानशाला प्रकोष्ठ, महासभा द्वारा संचालित ज्ञानार्थी परीक्षा-24 का आयोजन पूरे देश में एक साथ और एक समय में आगामी 12 जनवरी 2025 को होने जा रहा है। इसी संदर्भ में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में परीक्षा व्यवस्था आयोजन संबंधी ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं की एक महत्त्वपूर्ण बैठक डीवी कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में रखी गई ।यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, क्षेत्रीय संयोजक संगीता गोलछा के नेतृत्व में तेलंगाना व आंध्रा की आंचलिक संयोजक सीमा जी दस्सानी व सह संयोजक सरोज लोढा, ज्ञानशाला परामर्शक अंजू बैद के मार्गदर्शन में आयोजित इस बैठक में सभी ईकाई ज्ञानशालाओं की प्रशिक्षिकाओं को परीक्षा संबंधित विशेष दिशा-निर्देश दिए गए।

सिकंदराबाद सभा के तत्वावधान में आयोजित होने जा रही ज्ञानार्थी परीक्षा में इस वर्ष आठ परीक्षा केंद्र स्थापित किए जाएंगे और 270 परीक्षार्थी इस मौखिक परीक्षा में सहभागिता दर्ज कराएंगे।

नमस्कार महामंत्र के साथ बैठक का शुभारंभ हुआ । क्षेत्रीय संयोजक संगीता गोलछा ने उपस्थित परिषद् का स्वागत किया। आंचलिक संयोजक सीमा दस्सानी ने केंद्र द्वारा प्रेषित ज्ञानार्थी व प्रशिक्षक परीक्षा संबंधित नियमों की जानकारी साझा की। केंद्र परीक्षा व्यवस्थापक सरिता नखत ने 12 जनवरी 2025 को प्रशिक्षिकाओं को उनके कार्यक्षेत्र और अध्यापन सामग्री की जानकारी दी। परामर्शदाता अंजू बैद ने परीक्षा से जुड़ी जिज्ञासाओं को समाहित करते हुए सभी को इस महत्वपूर्ण दायित्व को प्रामाणिकता और कुशलता के साथ संपादित करने की प्रेरणा दी।

ज्ञानशाला की प्रशिक्षण व परीक्षा संबंधित सभी सामग्रियों को एक जगह एकत्रित कर सुविधाजनक हल मुहैया कराने में मददगार एक कदम एप की तकनीकी जिज्ञासाओं को समाहित करने में एप डेवलपर और सहायक स्वाति सुर-णा ने अपनी भूमिका निभाई ।वर्ष भर चलने वाली ज्ञानशाला कक्षाओं के माध्यम से ज्ञानार्थियों को जैन धर्म और तेरापंथ की मुख्य जानकारियाँ व विशेष आगमिक कहानियाँ, सूत्र आदि कंठस्थ कराए जाते हैं जिनके वार्षिक मूल्यांकन की दृष्टि से ये परीक्षाएँ अत्यंत महत्त्वपूर्ण होती हैं।बैठक में मुख्य प्रशिक्षक पुष्पा बरड़िया, परीक्षा व्यवस्थापक सरीता नखत व सह संयोजक सुमन सेठिया आदि 50/60 प्रशिक्षिकाओं समेत आंचलिक संयोजक सीमा जी दस्सानी, आंचलिक सहसंयोजक सरोज लोढ़ा आदि उपस्थित थे। बैठक के पश्चात अल्पाहार की व्यवस्था रखी गई। सुमन सेठिया ने मंच का संचालन किया। विज्ञप्ति में अभिभावको से विशेष निवेदन करते हुए परीक्षा व्यवस्थापक सरिता ने कहा कि

12 जनवरी, 2025 को होने वाली इस ज्ञानार्थी परीक्षा में अपने बच्चों को परीक्षा में जरुर संभागी बनाए ..

सहक्षेत्रीय संयोजक उषा जी सुराणा के आभार ज्ञापन के साथ गोष्ठी का समापन हुआ।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा एमएसएमई आउटरीच कैंपेन का आयोजन

हैदराबाद, 27 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद-सैफाबाद ने एमएसएमई आउटरीच कैंपेन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को समर्थन और सशक्त बनाने के संदर्भ में बैंक की प्रतिबद्धता को इंगित करता है।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कारे भास्कर राव, मुख्य महाप्रबंधक और अंचल प्रमुख, हैदराबाद एवं श्रीमती सोनालिका, उप महाप्रबंधक और क्षेत्र प्रमुख, क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद - सैफाबाद की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही, श्री जगदीश लेपाक्षि व श्री रवि मारेम, उप क्षेत्र प्रमुख, और श्री सुब्रमण्य सी.जी., एमएसएमई लोन प्वाइंट प्रमुख ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्राधिकारियों ने एमएसएमई ग्राहकों के साथ बातचीत की और बैंक की पहल व नीतियों के बारे में जानकारी साझा की, जो एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं।इस अभियान में 50 एमएसएमई ग्राहकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वित्तीय सहायता और विकास के अवसरों पर सार्थक चर्चा की। बैंक की आर्थिक प्रगति के प्रति समर्पण को रेखांकित करते हुए, इस कार्यक्रम के दौरान लगभग 400 करोड़ की ऋण राशि को मंजूरी दी गयी।

इस अवसर पर, कारे भास्कर राव ने संबोधित करते हुए कहा कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एमएसएमई के विकास को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जो अनुकूलित समय पर एमएसएमई उद्यमियों को ऋण सहायता प्रदान करता है। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने पर बैंक की प्रतिबद्धता और सुदृढ़ भूमिका की ओर सभी का ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एमएसएमई क्षेत्र का समर्थन करने और स्थायी विकास व प्रगति को बढ़ावा देने वाले दीर्घकालिक साझेदारियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मूल्यांकन, लोकार्पण, वाल्मीकि साहित्य पुरस्कार और कवि सम्मेलन का आयोजन आज

हैदराबाद, 27 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नगरद्वय के कवियों की सक्रिय और लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी द्वारा संचालित सीता युद्धवीर पुस्तकालय और शोध संस्थान, हिंदी लेखक संघ और आदि कवि वाल्मीकि साहित्य पुरस्कार समिति के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार, 28 दिसंबर को दिन में 3 से 6 बजे के बीच आबिड्स स्थित अमृत कॉन्फ्रेंस हॉल, राघव रत्ना टॉवर्स, हैदराबाद में मूल्यांकन, लोकार्पण, वाल्मीकि साहित्य पुरस्कार और कवि सम्मेलन और मुशायरे का आयोजन संपन्न होगा। गीत चाँदनी के अध्यक्ष और वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। सुप्रसिद्ध समाज सेवी श्री अमृत कुमार जैन मुख्य अतिथि होंगे। गीत चाँदनी के कार्यदर्शी, गोलकोण्डा दर्पण के संपादक व कवि गोविंद अक्षय कार्यक्रम का संचालन करेंगे और संस्था की गतिविधियों से अवगत करायेंगे।

आज यहाँ जारी एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए गीत चाँदनी के कार्यदर्शी, गोलकोण्डा दर्पण के संपादक व संचालक कवि गोविंद अक्षय और आदि कवि वाल्मीकि साहित्य पुरस्कार समिति के अध्यक्ष व कवि दीपक चिंडालिया वाल्मीकि ने बताया कि मूल्यांकन कवि गोष्ठी में उज्जैन (मध्य प्रदेश) सुश्री अर्पिता जैन के संपादन में प्रकाशित होने वाली सृजन का संवाहक ..... शाश्वत सृजन (राष्ट्रीय हिंदी मासिक समाचार-पत्र) के दिसंबर, 2024 अंक : 7 में प्रकाशित रचनाओं पर हैदराबाद के विद्वान साहित्यकार चर्चा करेंगे। आलोच्य पत्रिका पिछले 10 वर्षों से नियमित प्रकाशित हो रही है।

हिंदी के वरिष्ठ कवि श्री संतोष कुमार मिश्र माधुर्य को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध समाज सेवी श्री अमृत कुमार जैन के करकमलों द्वारा 13वाँ आदि कवि वाल्मीकि साहित्य पुरस्कार 2014 प्रदान कर अलंकृत किया जाएगा। विज्ञप्ति में गीत चाँदनी के पदाधिकारियों ने सभी कवियों और हिंदी प्रेमी श्रोताओं से कार्यक्रम में समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को गौरवान्वित करने का अनुरोध किया है। कार्यक्रम के आरंभ में जलपान की व्यवस्था रहेगी।

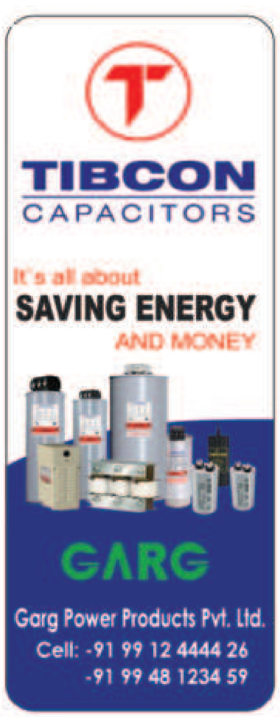

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,550/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 89,775/- (प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

शेयर मार्केट

बीएसई : 78,699.07
+226.59 +0.29% ↑

एनएसई :23,813.40
63.20 (0.27%) ↑

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 26^0
न्यूनतम : 18^0

विद्यार्थी परिषद के काशी प्रांत का सांगठनिक चुनाव

डॉ. शुचिता त्रिपाठी अध्यक्ष और अभय प्रताप सिंह मंत्री निर्वाचित

अभाविप काशी प्रांत की सदस्यता 3 लाख 5 हज़ार के पार पहुंची

कुशभवनपुर (सुल्तानपुर), 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), काशी प्रांत के चार-दिवसीय 64वें प्रांत अधिवेशन का शुभारंभ भगवान कुश की नगरी कुशभवनपुर (सुल्तानपुर) के फरीदीपुर स्थित केएनआई प्रांगण में हुआ। अधिवेशन के पहले दिन, उद्घाटन सत्र के साथ ही पिछले सत्र की कार्यकारिणी को भंग किया गया।

इसके पश्चात चुनाव अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने वाराणसी महानगर की प्रो. शुचिता त्रिपाठी और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के अभय प्रताप सिंह को क्रमशः अभाविप काशी प्रांत के प्रांत अध्यक्ष और प्रांत मंत्री के रूप में पुनर्निर्वाचित किया। प्रांत मंत्री अभय प्रताप सिंह ने अपने प्रतिवेदन में बताया कि पिछले सत्र में अभाविप काशी प्रांत के कार्यकर्ताओं ने कुल 3,05,802 सदस्य जोड़े हैं।

अभाविप काशी प्रांत के इस चार-दिवसीय प्रांत अधिवेशन का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री, श्रीमती रजनी तिवारी, अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राजशरण शाही, विकासार्थ विद्यार्थी की राष्ट्रीय संयोजिका कु. पायल राय, प्रांत अध्यक्ष प्रो. शुचिता त्रिपाठी, प्रांत मंत्री अभय प्रताप सिंह, स्वागत समिति अध्यक्ष राम आशीष वर्मा, और स्वागत समिति मंत्री चंदन नारायण द्वारा किया गया। यह अधिवेशन 25 से 28 दिसंबर तक महाराज कुश की नगरी कुशभवनपुर के फरीदीपुर स्थित केएनआई प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। अधिवेशन की शुरुआत 25 दिसंबर को सायं प्रख्यात कवि पंडित राम नरेश त्रिपाठी के नाम से आयोजित प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ हुई, जिसमें आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बृजेंद्र सिंह और काशी प्रांत की सह-मंत्री सुश्री आंचल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

प्रथम सत्र में प्रांत अध्यक्ष प्रो. शुचिता त्रिपाठी ने प्रस्तावना प्रस्तुत की और प्रांत मंत्री अभय प्रताप सिंह ने पिछले सत्र में किए गए कार्यों का विवरण प्रांत मंत्री प्रतिवेदन के माध्यम से दिया। इसके पश्चात चुनाव अधिकारी द्वारा आगामी सत्र के लिए पुनः काशी प्रांत अध्यक्ष और प्रांत मंत्री के रूप में प्रो. शुचिता त्रिपाठी और अभय प्रताप सिंह का निर्वाचन किया गया।

उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि, उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी, ने सभी कार्यकर्ताओं को अधिवेशन के सफल आयोजन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अभाविप ने अपनी विशिष्ट कार्यपद्धति के माध्यम से सदैव वैश्विक पटल पर अपनी पहचान बनाई है। अभाविप के कार्यकर्ता विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु कार्यरत रहते हैं, और मुझे विश्वास है कि आगे भी रचनात्मक कार्यों से भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में योगदान देंगे।

श्री पहाड़ी श्याम मंदिर, महेंद्रा हिल्स में सांवरे के बावरे के तत्वावधान में आयोजित भजन कार्यक्रम कीर्तन की है रात में भजन प्रस्तुत करते हुए अंकित शर्मा एवं प्रतीक दाहिमा। इस अवसर पर भजन गायकों, सांवरे के बावरे सदस्यों तथा मंदिर में सात झूमर लगाने के लिए विजय दोचानिया का सम्मान करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया। साथ में हैं मोहित परसरामपुरिया, प्रवीण अग्रवाल, पंकज सिंघला, ट्रस्टी राकेश अग्रवाल, अनुज सिंघल, सुरेश अग्रवाल एवं अन्य उपस्थित थे।

सिखवाल युवा प्रकोष्ठ एवं महिला प्रकोष्ठ तेलंगाना के तत्वावधान में आगामी दि. 3 से 5 जनवरी 2025 तक तीन दिवसीय रुक्मणी मंगल विवाहोत्सव कथा का रसपान कथावाचक पुष्पेंद्र भाई ओझा भीलवाड़ा के मुखारविंद से ऋषि श्रृंग भवन फीलखाना हैदराबाद पर होने जा रहा है। जिनके बैनर तथा प्रचार सामग्री का विमोचन महंत श्री प्रभुदास महाराज, राहुलदास महाराज, सेवारामजी महाराज तथा सिखवाल समाज के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया।

एमटीवी हसल सीजन 4 के उपविजेता धार्मिक का अभिनन्दन करते हुए जसमत पटेल, आर के जैन,मुकेश जैन चौहान, दामु गुरू, मुकनलाल डोबा, गोपाल डोबा (पाल भाई)।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, MANJULA KUMARI spouse of Service No.JC 705769N Sub/AA RAMESH JAYI, R/o.H.No.2-227, PeddaVeedhi, Vill:Garlapadu, Po:Tulagam, Mandlam:Hiramandalam, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh - 532459 have changed my name from **MANJULA KUMARI** to **JAYI MANJULA KUMARI** vide affidavit dt:26-12-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, Service No. 14831392X Hav/DVR/SPL VEH SONALAKAR RAGHUNATHA MARUTI, R/o. Vill:Nishnp, Po:Karatwadi, Teh:Bhudargad, Dist:Kolhapur, Maharashtra-416209 hereby declare that my son name is to be changed from **SHUBHAM RAGHUNATH SONALAKAR** to **SHUBHAM R SONALAKAR** vide affidavit dt:27-12-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I No. JC 735773L NB SUB NITIN RAMCHANDRA KHOT of Admbn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my mother Name is changed from **SAWITRI** to **SAUBAI RAMCHANDRA KHOT**.

CHANGE OF DOB

I, **A MALATHI** spouse of Service No. 02593738W Hav K RAGHU, R/o.H.No.5/1491, L N Garden, Vill:Stanley Park, Po:Ottupattarai, Teh:Coonoor, Dist:TheNilgiris, Tamilnadu-643105 have changed my Date of Birth from **01-03-1977** to **01-03-1980** vide affidavit dt:27-12-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, NISHA KOR is legally spouse of No- 15206824P, Rank -HAV, Name- KOR ASHOK DNYANESHWAR, residing at Vill & PO- Ambasan, Teh- Satana, Dist- Nashik, Maharashtra, PIN-423204. I have to change my Name from **NISHA KOR** to **NISHA ASHOK KOR** for all purpose vide affidavit dated: 27/12/2024.

CHANGE OF NAME

I, Service No- 15206824P, Rank HAV, Name- KOR ASHOK DNYANESHWAR, residing at Vill & PO- Ambasan, Teh- Satana, Dist- Nashik, Maharashtra, PIN-423204, I have to change my Son Name from **SHAURYA** to **SHAURYA ASHOK KOR** for all purpose vide affidavit dated: 27/12/2024

CHANGE OF NAME

I, Service No- 15206824P, Rank HAV, Name- KOR ASHOK DNYANESHWAR, residing at Vill & PO- Ambasan, Teh Satana, Dist- Nashik, Maharashtra, PIN - 423204, I have to change my Son Name from **SANSKAR** to **SANSKAR ASHOK KOR** for all purpose vide affidavit dated: 27/12/2024.

इरिसेट में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 173वीं बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 27 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरी व दूरसंचार संस्थान / सिकंदराबाद में गुरुवार दि. 26.12.2024 को महानिदेशक शरद कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में इरिसेट राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 173वीं बैठक, इरिसेट सभागृह में आयोजित की गई।बैठक में राजभाषा कार्यान्वयन के विभिन्न मदों पर विस्तार से चर्चा करते हुए समिति के अध्यक्ष शरद कुमार श्रीवास्तव ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में इरिसेट में हो रही राजभाषा प्रगति की सराहना की और भविष्य में भी इसे बनाए रखते हुए वार्षिक कार्यक्रम की विभिन्न मदों को सुनिश्चित करने को कहा। उन्होने कहा कि सभी अधिकारीगण अपने दैनंदिन सरकारी काम-काज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें।

पी. वी. राजाशेखर, अपर महानिदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि अनुवाद कार्य करने के लिए आधुनिक तकनीक का प्रयोग करें. इरिसेट एक प्रशिक्षण संस्थान है, यहां पर उपलब्ध सभी आधुनिक संसाधनों का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सुशील नामदेव, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं वरिष्ठ आचार्य दूरसंचार ने अपने संबोधन में कहा कि सभी अधिकारी, संकाय सदस्य और कर्मचारी संसदीय समिति को दिए गए आश्वासनों के अनुसार राजभाषा कार्यान्वयन का शत-प्रतिशत अनुपालन कर रहे हैं. इस तिमाही के दौरान 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा अनुवाद' विषय पर आयोजित हिंदी कार्यशाला में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया. नियमित रूप से कार्यशाला का आयोजन कर्मचारियों में हिंदी भाषा की ओर रुचि बढाने में अत्यंत सफल एवं प्रभावी रहा है।इरिसेट संस्थान के सभी अधिकारी, संकाय सदस्य, अनुभाग / प्रयोगशाला प्रभारी तथा पर्यवेक्षक इस बैठक में उपस्थित थे। इस बैठक को सफलतापूर्वक संपन्न करने में इरिसेट राजभाषा अनुभाग के श्रीमती सल्मा शरीफ, वरिष्ठ अनुवादक, श्री राहुल कुमार साव, कनिष्ठ अनुवादक, श्रीमती निशात अंजुम, आशुलिपिक ने अपना सराहनीय योगदान दिया।

अखिलेश शर्मा, राजभाषा अधिकारी ने बैठक का संचालन किया और राजभाषा से संबंधित रिपोर्ट पॉवर पाइंट के माध्यम से प्रस्तुत की। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत

सूर्यपेट, 27 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शुक्रवार को सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई, जब वे आधी रात के बाद गोपालपुरम के पास एक मोटरसाइकिल से टकरा गए।

हरीश शर्मा मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन आज से

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय बास्केटबॉल महासंघ (बीएफआई) के दिवंगत महासचिव के योगदान को याद करते हुए हरीश शर्मा मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 3×3 प्रारूप में किया जाएगा, जिसमें दर्जनों पुरुष और महिला टीमें भाग लेंगी। इसका आयोजन 28 और 29 दिसंबर को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के केडी जाधव हॉल में किया जाएगा।

दो दिवसीय इस आयोजन में 3-पॉइंट शूटिंग, फ्री थ्रो और डंक प्रतियोगिताएं भी होंगी, जो इसे सभी के लिए रोमांचक बना देंगी।

हरीश शर्मा मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का दूरदर्शन द्वारा 'लाइव' प्रसारण किया जाएगा और सोशल मीडिया पर भी इसका प्रसारण किया जाएगा। विश्व संस्था फीबा भी आयोजकों के सहयोग से इस कार्यक्रम का प्रसारण करेगी।

दिल्ली बास्केटबॉल एसोसिएशन की विज्ञप्ति के अनुसार, इस वर्ष का समापन बास्केटबॉल के दिग्गज हरीश शर्मा को श्रद्धांजलि देने के साथ करना वास्तव में एक शानदार अवसर है, जो एक दूरदर्शी व्यक्ति थे, जिन्होंने अपने अनुकरणीय नेतृत्व के माध्यम से भारत और विदेशों में बास्केटबॉल को बढ़ावा देने के लिए अपनी अभिनव और अनूठी रणनीतियों के साथ खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। दर्शकों को प्रेरित करने और उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण करेंगे। बास्केटबॉल 3म3 की विश्व संस्था फीबा ने इस चैंपियनशिप का समर्थन किया है और आयोजकों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी करेगी, जिससे इसे वैश्विक परिप्रेक्ष्य और व्यापक पहुंच मिलेगी। इस संबंध में, दूरदर्शन ने भी इस आयोजन के सीधे प्रसारण को मंजूरी दे दी है क्योंकि यह चैम्पियनशिप निश्चित रूप से सभी खिलाड़ियों, प्रशंसकों और आयोजकों को भारत में बास्केटबॉल केंद्रित संस्कृति को बढ़ावा देने में नए मानक स्थापित करने के लिए प्रेरित करेगी।

न्यूज ब्रीफ

एशियाई युवा भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2024 : भारत ने जीते 33 पदक

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने दोहा में 2024 एशियाई युवा (लड़के और लड़कियों) भारोत्तोलन चैंपियनशिप का समापन +87 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर शानदार तरीके से किया। मैबाम मार्टिना देवी ने +87 किलोग्राम भार वर्ग में समापन दिवस पर एक कांस्य और दो रजत पदक जीते। 40 किलोग्राम भार वर्ग में 135 किलोग्राम भार उठाकर नया एशियाई युवा रिकॉर्ड बनाने वाली ज्योशना सबर को 1000 रॉबी अंकों के साथ युवा लड़कियों के वर्ग में सर्वश्रेष्ठ भारोत्तोलक चुना गया। इस आयोजन के दौरान जूनियर महिला और युवा लड़कियों की भारतीय टीम ने तीसरे स्थान की टीम ट्रॉफी जीती। इस आयोजन के दौरान कुल मिलाकर भारतीय युवा और जूनियर टीम ने सात स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदक के साथ 33 मूल्यवान पदक जीते।

वार्षिकी 2024 : टी20 विश्व कप जीत से लेकर पेरिस में मनु भाकर के ऐतिहासिक डबल तक शानदार रहा भारत का सफर

नई दिल्ली। खेलों की दुनिया में वर्ष 2024 भारत के लिए एक शानदार सफर रहा। इस दौरान भारत ने जहां टी-20 विश्व कप का खिताब जीता, वहीं मनु भाकर ने ओलंपिक में दो ऐतिहासिक पदकों पर निशाना साधा। भारत ने 17 साल बाद जीता टी20 विश्व कप खिताब, कोहली, रोहित, जडेजा का संन्यास एक रोमांचक फाइनल में, जो आने वाले कई सालों तक यादों में रहेगा, भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर इतिहास रचते हुए 17 साल बाद आईसीसी टी-20 विश्व कप का खिताब जीत लिया। विराट कोहली, जिन्होंने बाद में टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास की घोषणा की, ने भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने 76 रन बनाए और अपनी टीम को 176-7 का मजबूत स्कोर बनाने में मदद की। हालाँकि, दक्षिण अफ्रीका के लिए हेनरिक क्लासेन ने 27 गेंदों पर 52 रनों की तूफानी पारी खेलकर जरूर संघर्ष किया, लेकिन उनकी पारी बेकार गई और दक्षिण अफ्रीका की टीम 8 विकेट पर 169 रन ही बना सकी। इसी के साथ भारत ने 2007 के बाद अपना दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जीता और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीत के बाद से किसी बड़ी आईसीसी ट्रॉफी के लिए 11 साल के इंतज़ार को खत्म किया। टी-20 विश्व कप की खिताबी जीत के बाद भारत के तीन बड़े दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा ने टी-20 प्रारुप से संन्यास ले लिया। भारत ने ओलंपिक में छह पदक जीते भारतीय दल ने ओलंपिक में अपनी छाप छोड़ी, जिसमें एक रजत और पांच कांस्य पदक सहित छह पदक हासिल किए। स्टार परफॉर्मर नीरज चोपड़ा, मनु भाकर, सरबजोत सिंह, स्वप्निल कुसाले, अमन सेहरावत और भारतीय हॉकी टीम ने भारत के पदक जीतने में योगदान दिया, जिससे देश को जश्न मनाने का मौका मिला। मनु भाकर ने भारतीय निशानेबाजी में कई प्रथम स्थान हासिल करते हुए इतिहास रच दिया। वह खेलों के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। भाकर का पहला कांस्य पदक महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में आया, जिससे वह ओलंपिक पोडियम पर पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बन गईं। वह 0.1 अंक से रजत पदक से चूक गईं। भाकर ने अपना दूसरा कांस्य पदक मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में जीता, जहां उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर दक्षिण कोरिया को 16-10 से हराया। मौजूदा ओलंपिक और जेवलिन थ्रो विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा ने रजत पदक जीता, लेकिन वह स्वर्ण पदक से चूक गए। चोपड़ा का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा, उन्होंने 89.45 मीटर का सत्र का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया। वह स्वतंत्रता के बाद व्यक्तिगत स्पर्धा में दो ओलंपिक पदक जीतने वाले दूसरे पुरुष एथलीट बन गए। भारतीय हॉकी टीम, स्वप्निल और अमन ने भी भारत की पदक तालिका में योगदान दिया, जिन्होंने अपने-अपने स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते। पेरिस में पैरालिंपियनों का जलवा भारत ने पेरिस 2024 खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ पैरालंपिक प्रदर्शन किया, जहां भारतीय पैरा एथलीटों ने 29 पदक (सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य) जीते, जो टोक्यो 2020 के 19 पदकों से आगे निकल गया। इस ऐतिहासिक जीत ने भारत के कुल पैरालंपिक पदकों की संख्या को भी 50 के पार पहुंचा दिया। पैरा-साइक्लिंग, पैरा रोइंग और ब्लाइंड जूडो में नई प्रविष्टियों सहित 12 खेलों में रिकॉर्ड 84 पैरा-एथलीटों ने भारत का प्रतिनिधित्व किया।

मेलबर्न टेस्ट दूसरा दिन

यशस्वी की शानदार पारी के बाद लड़खड़ाई भारत की पारी, 164 रन पर खोए 5 विकेट

मेलबर्न, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां चल रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के दूसरे दिन भारत ने अपनी पहली पारी में 164 रन पर 5 विकेट खो दिये हैं। दिन का खेल समाप्त होने पर ऋषभ पंत 6 और रवींद्र जडेजा 4 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया से अभी भी 310 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे।

भारत की पहली पारी की शुरुआत खराब रही और कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर असफल रहे और केवल 3 रन बनाकर पैट कमिंस का शिकार बने। रोहित इस मैच में यशस्वी जयसवाल के साथ पारी की शुरुआत करने उतरे थे।

रोहित के आउट होने के बाद केएल राहुल और जयसवाल ने भारत की पारी को 50 के पहुंचाया। हालांकि चायकाल से ठीक पहले 51 के कुल स्कोर पर राहुल पैट कमिंस का दूसरा शिकार बने। राहुल ने 24 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 474 रन, स्मिथ का शतक

इसके पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। स्मिथ के अलावा उस्मान ख्वाजा ने 57, मार्नस लाबुशेन ने 72 और सैम कोंस्टास ने 60 रन बनाए। इन चारों के अलावा पैट कमिंस (49) और एलेक्स कैरी (31) ने भी महत्वपूर्ण पारियां खेलीं।

भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4, रवींद्र जडेजा ने 3, आकाशदीप ने 2 और वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

कोहली-जयसवाल ने तीसरे विकेट के लिए की 102 रन की साझेदारी

राहुल के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने उतरे विराट कोहली ने संभलकर खेलना शुरू किया और यशस्वी जयसवाल के साथ मिलकर भारत का स्कोर 150 के पार पहुंचाया। हालांकि 153 के कुल स्कोर पर जयसवाल दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हो गए। जयसवाल ने 118 गेंदों पर 11 चौके और 1 छक्के की बदौलत 82 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। आउट होने से पहले उन्होंने विराट के साथ 102 रनों की साझेदारी की।

लड़खड़ाई भारत की पारी

जयसवाल के आउट होने के बाद कोहली भी चलते बने। कोहली को बौलैंड ने अपना शिकार बनाया। कोहली ने 36 रन बनाए। नाइटवाच मैन केरूप में उतरे आकाशदीप भी कुछ खास नहीं कर सके और 159 के कुल स्कोर पर बिना खाता खोले बोलैंड का दूसरा शिकार बने। इसके बाद जडेजा और पंत ने दिन का खेल खत्म होने तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया। जडेजा 4 और पंत 6 रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने 2-2 विकेट लिया।

राष्ट्रीय मिनी गोल्फ प्रतियोगिताओं के लिए मप्र टीमें घोषित

इन्दौर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

तमिलनाडु के सेलम में आयोजित 10 वीं राष्ट्रीय मिनीगोल्फ सबजूनियर और जूनियर प्रतियोगिता हेतु मध्यप्रदेश मिनीगोल्फ टीम की घोषणा कर दी है। प्रतियोगिता 28 दिसंबर से 2 जनवरी तक आयोजित होंगी। मध्यप्रदेश मिनीगोल्फ टीम की घोषणा अध्यक्ष रमेश मेंदोला सचिव व कौशल शिवरे ने की।

टीम इस प्रकार है: जूनियर बालक आदित्य पाटिल (कप्तान), अक्षत नामदेव, गजेंद्र सिंह राजपूत, शिवम यादव, प्रेम विश्वास, भविष्य नागर, देव चौधरी, निशांत आथिया, सृजन बिठारे, हर्ष सोनी, लेकांश बड़कूर, सुमित पाल, कोच-आयुष चौधरी, मैनेजर-अमित गिरी। जूनियर बालिका - दीपाली काले (कप्तान), सुरभि राजपूत, सिमरन चौहान, रंजीता पाटीदार, रजवी जैन, वंशिका पांचाल, खुशी पाटीदार, ऋषिका चौहान, गरिमा यादव, वंशिका यादव, कुमकुम भास्कर, दिया वाजे, कोच-विपिन गायकवाड़, मैनेजर-हर्षिता चोरे। सब जूनियर बालक में आदि मिश्रा (कप्तान), हदयांश शर्मा, अक्षत पटेल, दीपक चौधरी, राजू राजपूत, अंकित फलक, सिद्धार्थ मंडलोई, अथर्व शर्मा, शौर्यवर्धन जयशेखर, वंश राजौरे, अर्जित शिवरे, सत्यनारायण रैदास, कोच-अंश पाल, मैनेजर-जीशान कुरैशी। सब जूनियर बालिका में यशस्वी चौहान (कप्तान), अक्षिता शर्मा, मंजिल यादव, नीहारिका परमार, ईशा, ऐश्वर्या कुरील, सृष्टि जाट, कोच-कशिश शर्मा, मैनेजर-कनक यादव। राष्ट्रीय मिनीगोल्फ प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के अनंत प्रजापत एवं आवेश खान ऑफिशियल की भूमिका में रहेंगे। घोषणा के बाद टीम के प्रतियोगिता में जाने से पूर्व मध्यप्रदेश टीम को प्रशिक्षण शिविर के दौरान विधायक गोलू शुक्ला ने ट्रैकसूट एवं किट वितरित किए। इस अवसर पर पार्षद सुरेश टाकलकर, गजानन गावड़े, महेश अग्रवाल, चंद्रभान सोलंकी, विक्रम अवॉर्डी सिकंदर कुरील, विक्रम व विश्वामित्र अवॉर्डी सचिन कस्तूरे, सुरेंद्र सिंह सिद्धू, मनोज यादव उपस्थित थे।

प्रीमियर लीग

प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए लीवरपूल और लीशेस्टर क्लब के खिलाड़ी।

पोटिंग सहित कई पूर्व दिग्गजों ने रोहित के शॉट चयन पर सवाल उठाये

मेलबर्न, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी सीरीज के चौथे क्रिकेट टेस्ट की पहली पारी में भी असफल रहे और केवल तीन रन ही बना पाये। इसी को लेकर कई दिग्गज क्रिकेटरों ने रोहित के शॉट चयन पर सवाल उठाये हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि जिस प्रकार पैट कमिंस की एक अच्छी गेंद को भारतीय कप्तान ने खेला वह निराशाजनक था। पोंटिंग के अनुसानर मजबूत गेंदबाजी लाइन-अप का सामना करते समय आपको हमेशा तैयार रहने के साथ ही सही फैसले लेने चाहिए। रोहित इस सीरीज में पहली बार पारी की शुरुआत करने उतरे थे पर वह उसमें विफल रहे। इससे पहले दूसरे और

तीसरे टेस्ट में वह मध्यक्रम पर उतरे थे लेकिन वहां भी वह रन नहीं बना पाये।

इस बार रोहित ने पारी की शुरुआत करते हुए कमिंस की गेंद पर एक पुल शॉट खेला पर गेंद ठीक से बल्ले पर नहीं आयी और वह कैच हो गये। इस शॉट की आलोचना करते हुए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि ये एक बेमन से लगाया शॉट था जिसके लिए रोहित ने ठीक से प्रयास नहीं किया। उन्होंने अपनी जगह पर खड़े-खड़े खेलने का प्रयास किया। इस प्रकार के शॉ को प्रतिबद्ध होकर लगाया नहीं कहा जा सकता है। वह आक्रामक भी नहीं लग रहे थे। वह बस गेंद को किसी प्रकार दिशा देने का प्रयास करते हुए दिखे। अगर आप इस तरस से ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण का सामना करते हैं तो आपको सावधान रहना होगा और अच्छे निर्णय लेने होंगे।

वहीं अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो वे हर बार अपना विकेट गंवा देंगे। इसी प्रकार के विचार ऑस्ट्रेलिया के ही पूर्व क्रिकेटर डेरेन लेहमैन ने व्यक्त किये हैं। उन्होंने कहा, अगर हिट करने जा रहे हैं तो उसे हिट करें रोहित। आप एक क्लास खिलाड़ी हैं, आपको वास्तव में इसे स्वीकार करना चाहिए। आउटफील्ड में बहुत जगह है, इसे स्वीकार करें और शॉट खेलें।

आईडीसीए ने टी20 त्रिकोणीय और एकदिवसीय बधिर क्रिकेट श्रृंखला के लिए घोषित की भारतीय टीम

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) ने आगामी अंतरराष्ट्रीय टी20 और वनडे बधिर क्रिकेट श्रृंखला के लिए 16 सदस्यीय टीम इंडिया की घोषणा की है। भारत, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला 2 मार्च से 8 मार्च, 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी।

त्रिकोणीय श्रृंखला के बाद, भारतीय बधिर क्रिकेट टीम 10 मार्च से 12 मार्च तक ऑस्ट्रेलिया के साथ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेलेगी।

भारतीय बधिर टीम का चयन अखिल भारतीय पुरुष चयन समिति ने किया। टीम का नेतृत्व वीरेंद्र सिंह करेंगे, जबकि साई आकाश उप-कप्तान होंगे। भारतीय बधिर क्रिकेट टीम मुख्य कोच देव दत्त और सहायक कोच सुशील गुप्ता के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में व्यापक प्रशिक्षण और अभ्यास सत्रों से गुजरेगी। आईडीसीए के अध्यक्ष सुमित जैन ने कहा, भारतीय टीम बेहद आशाजनक लग रही है। मुझे उम्मीद है कि बधिर क्रिकेट टीम के हमारे खिलाड़ी दोनों टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहने के लिए शानदार

प्रदर्शन करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला और एकदिवसीय श्रृंखला भारतीय बधिर क्रिकेट टीम के लिए लगातार अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को दिखाने का एक बड़ा मंच होगा। यह खिलाड़ियों के लिए टीम को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के रूप में स्थापित करने का एक अवसर भी होगा। भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) बधिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (डीआईसीसी) का सदस्य है। डीआईसीसी दुनिया भर में श्रवण बाधित एथलीटों के बीच क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साथ मिलकर काम करता है। आईडीसीए की सीईओ रोमा बलवानी ने कहा, आईसीडीए हमेशा से हमारे श्रवण बाधित खिलाड़ियों की विशेष एथलेटिक प्रतिभा को बढ़ावा देने और उसकी सराहना करने के लिए इस तरह की श्रृंखलाओं के आयोजन और मेजबानी के लिए समर्पित रहा है।

मैं आगे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट देखने के लिए उत्सुक हूं, जहां सभी टीमों के खिलाड़ी अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। भारतीय बधिर क्रिकेट टीम: वीरेंद्र सिंह - कप्तान (हिमाचल प्रदेश), साई आकाश - उप कप्तान (तमिलनाडु), उमर अशरफ-विकेट कीपर (जम्मू और कश्मीर), अभिषेक सिंह (पश्चिम बंगाल), आकाश सिंह (हरियाणा), यशवंत नायडू (आंध्र प्रदेश), संजू शर्मा (राजस्थान), संतोष कुमार महापात्र (ओडिशा), कुलदीप सिंह (हरियाणा), विवेक कुमार (हरियाणा), सुदर्शन ई (तमिलनाडु), कृष्णा गौड़ा विकेट कीपर (महाराष्ट्र), एम. श्रमित, (कर्नाटक), सिबुन नंदा (ओडिशा), अंकित जांगिड़ (राजस्थान), सारिक मजीद (जम्मू और कश्मीर)।

अल्लू अर्जुन की जमानत याचिका पर सुनवाई सोमवार तक के लिए स्थगित

हैदराबाद, 27 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को संध्या थिएटर भगदड़ मामले में फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन की जमानत याचिका पर सुनवाई सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी।

सरकारी अभियोजक ने जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा, जिसके कारण अदालत ने अगली सुनवाई सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले, वकीलों के अनुरोध पर अदालत ने अभिनेता को वर्चुअली उपस्थिति होने की अनुमति दी थी। वकीलों ने कानून व्यवस्था बाधित होने का हवाला देते हुए वर्चुअल उपस्थिति की अनुमति मांगी थी। नामपल्ली अदालत की ओर से अल्लू अर्जुन पर लगाई गई 14 दिन की रिमांड आज खत्म हो गई।गौरतलब है कि पुष्पा-2 के प्रीमियर शो के दौरान हुई इस घटना के कारण संध्या थिएटर में भगदड़ मच गई।

इसमें रेवती नाम की एक महिला की मौत हो गई और उनका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसको अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

थिएटर मालिक, मैनेजर और सुरक्षा मैनेजर सहित तीन लोगों को लापरवाही के आरोप में गिरफ़्तार किया गया, उन्हें जमानत भी मिल गई है।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने अल्लू अर्जुन को गिरफ़्तारी के कुछ ही घंटों के भीतर जमानत दे दी थी, क्योंकि इस मामले में 'हत्या के इरादे से हमला' और 'धारदार हथियार से हमला' जैसी धाराएं लागू नहीं थीं। अदालत ने पाया कि लापरवाही के कारण मौत की अधिकतम सजा पाँच साल है और ये आरोप कानून के अनुसार जमानती अपराधों के अंतर्गत आते हैं।

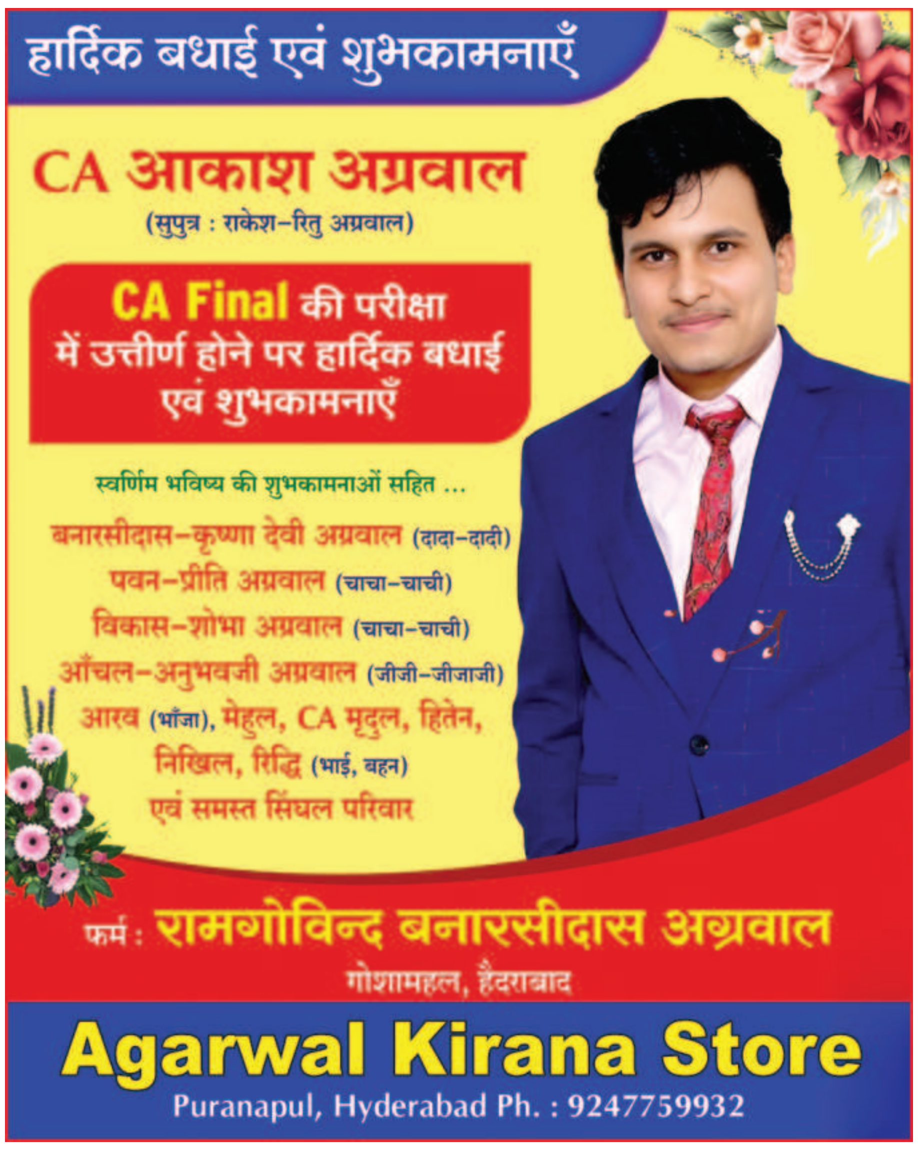

आरजीआईए से ड्यूटी फ्री शराब की तस्करी करने के आरोप में दो पुलिसकर्मियों समेत चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मद्य निषेध एवं आबकारी जिला टास्क फोर्स ने दो पुलिसकर्मियों समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर शमशाबाद आरजीआई एयरपोर्ट के स्टॉल से ड्यूटी फ्री शराब की तस्करी कर रहे थे और अवैध रूप से बाजार में सप्लाई कर रहे थे।

गिरफ्तार किए गए कांस्टेबल एम गेम्या नाइक (37), होमगार्ड भंडारी लिंगैया (36), होटल मैनेजर पी राघवेंद्र राव (36) और जी. हरीश कुमार (36) ने एक गिरोह बनाया और कथित तौर पर एयरपोर्ट से ड्यूटी फ्री शराब की तस्करी कर रहे थे। पीएंडई अधिकारियों ने कहा, गेम्या नाइक ने अपने साथियों की मदद से एयरपोर्ट में ड्यूटी फ्री शॉप से शराब खरीदी। व्यस्त समय या वीआईपी विजिट के दौरान एयरपोर्ट से इसे तस्करी कर लाने के बाद गिरोह इसे शहर में नियमित ग्राहकों को बेचता था।

सूचना मिलने पर, पीएंडई टीमों ने निगरानी रखी और उन्हें पकड़ लिया। पुलिस ने उनके पास से 15 लाख रुपये की शराब जब्त की। उनमें से चार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जबकि उनका एक साथी महेश्वर फरार है। उसे पकड़ने के प्रयास जारी थे।

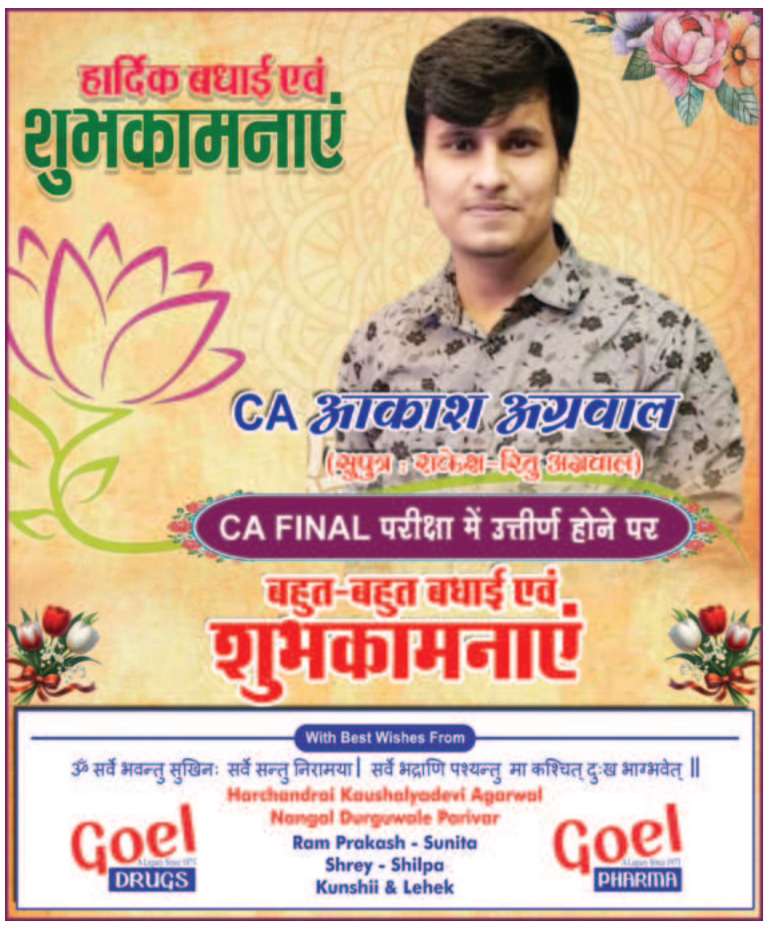

फॉर्मूला ई-रेस मामले में केटीआर की निरस्तीकरण याचिका पर सुनवाई स्थगित

हैदराबाद, 27 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को पूर्व मंत्री और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव (केटीआर) द्वारा फॉर्मूला ई-रेस मामले में दायर निरस्तीकरण याचिका पर सुनवाई 31 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी।

अदालत ने केटीआर के लिए अपने पहले के नो-अरेस्ट आदेश को एक और दिन के लिए बढ़ा दिया, जो 30 दिसंबर को समाप्त होने वाला था।शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने एक जवाबी हलफनामा और एक अतिरिक्त याचिका दायर की। जवाब में, अदालत ने केटीआर और राज्य सरकार को अपने जवाबी हलफनामे प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।हाईकोर्ट की पीठ ने नो-अरेस्ट याचिका और जवाबी हलफनामों पर 31 दिसंबर को पूरी सुनवाई निर्धारित की है।

तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकराई, 2 की मौत

हैदराबाद, 27 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। माधापुर पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत एक सड़क दुर्घटना में दो व्यक्तियों की मौत हो गई। यह घटना 100 फीट रोड पर हुई, जब एक तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई।

मृतकों की पहचान रघु बाबू (30) और आकांश (24) के रूप में हुई है, जो बोरबांडा के रहने वाले हैं। पीड़ितों में से एक की तुरंत मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। माधापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जांच जारी है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.